जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 4 जनवरी, 2026

विचार बिन्दु

ईश्वर बड़े-बड़े साम्राज्यों से ऊब उठता है लेकिन छोटे-छोटे पुष्पों से कभी खिन्न नहीं होता। –रवींद्रनाथ ठाकुर

वसंत में वनानुभव

एकाग्र मन से ज्ञानेन्द्रियों और कर्मेन्द्रियों का प्रयोग कर वनों की समग्रता का अनुभव (देखना, सुनना, सूंघना, स्पर्श करना, स्वाद लेना) वनानुभव कहलाता है! चरकसंहिता में वसंत की आरोग्यदायी ऋतुचर्या का वर्णन करते समय भगवान आत्रेय ने वसंत में वनानुभव का महत्त्व स्पष्ट किया है (च.सू.6.22-26, अंश): वसन्तेऽनुभवेत्काननानांयौवनम्।। तात्पर्य यह है कि उद्यानों एवं वनों में घूमना, पैदल चलना, पुष्पित पल्लवित वनों का अनुभव लेना चाहिए। प्रकृति-अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर-औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2023 के प्रारंभ में आज तक प्रकाशित शोध को समाहित कर आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर-अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों का एक प्रमाण-आधारित लेखा-जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं। इस विषय में अद्यतन स्थिति को 832 अध्ययनों के आधार पर की गई 16 मेटा-एनालिसिस को मिलाकर की गई एक भारी मेटा-एनालिसिस विश्व में अब तक का श्रेष्ठ प्रमाण भी यही निष्कर्ष देती है (देखें, सी. बरगन-जैसन इत्यादि, बायोलॉजिकल कंसर्वेशन, 277, 109842, 2023)। वर्ष 2022 में 8 मेटा-एनालिसिस अतिरक्त प्रमाण प्रदान करती हैं कि वनानुभव शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करता है। बच्चों के कल्याण के लिए भी वनानुभव व प्रकृति-अनुभव आवश्यक हैं (देखें, टी. अरोला इत्यादि, जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल साइकोलॉजी, 85,101913, 2023)।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छी निद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है। वनानुभव-चिकित्सा (वनों में घूम-फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय. चे इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे-जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे-वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग-अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटलरिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

हाल ही में हरियाली से मिलने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे-जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे-वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी।

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआजर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन में विश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती-जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजसरुएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11: ई469-ई 477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था मंज प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर 1.19 करोड़(11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कमरहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंसऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी लाने के ठोस प्रमाण मेटा-एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटेरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन, 20(1):337-361, 2022)। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर-औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)। रैंडमाइज्दकंट्रोल्डट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन-आधारित गैर-औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. कांग इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकडों को लेकर की गई मेटा-एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन-स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायास्टोलिक और सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 817: 152513,2022)

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वनानुभव और प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिड़की से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदि सब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुड़े रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

वर्ष 2026 में ये दस संकल्प लें

विनोद पाठक

नया वर्ष केवल तिथि परिवर्तन का संकेत नहीं होता, वह आत्ममूल्यांकन और आत्मपुनर्निर्माण का अवसर होता है। जब एक वर्ष समाप्त होता है, तब केवल समय नहीं गुजरता, अपितु हमारे अनुभव, हमारी आदतें और हमारी चेतना भी एक पड़ाव पर पहुंचती है। वर्ष 2026 ऐसे समय में दस्तक दे रहा है, जब मानव समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

तकनीकी प्रगति जहां जीवन को सुविधाजनक बना रही है, वहीं सामाजिक संबंधों, मानसिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के समक्ष नई चुनौतियां भी खड़ी कर रही है। भारतीय चिंतन परंपरा में व्यक्ति को समाज और राष्ट्र की आधारशिला माना गया है। यथा व्यक्ति, तथा राष्ट्र, यह सूत्र आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। वेदों में कहा गया है, यद् भावं तद् भवति अर्थात जैसा भाव, वैसा भविष्य। स्पष्ट है, जब संकल्प आदत बनते हैं, आदत संस्कार बनती है और संस्कार से इतिहास रचा जाता है।

ऐसे में वर्ष 2026 के लिए संकल्प केवल व्यक्तिगत सुधार तक सीमित न रहें, अपितु वे सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के वाहक बनें। इसी भावभूमि पर ये दस संकल्प आधारित हैं–

1. स्वास्थ्य : जीवन की मूल पूंजी

आधुनिक जीवनशैली में सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि सुविधा बढ़ी है, लेकिन स्वास्थ्य घटा है। बीमार शरीर और अशांत मन किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में बाधक बनते हैं। वर्ष 2026 का प्रथम और सर्वोच्च संकल्प स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना होना चाहिए। स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगमुक्त होना नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक संतुलन और भावनात्मक स्थिरता का समन्वय है। योग, प्राणायाम, ध्यान और संतुलित आहार भारतीय जीवन पद्धति की ऐसी धरोहर हैं, जिनकी प्रासंगिकता आज वैश्विक स्तर पर स्वीकार की जा रही है। यजुर्वेद की प्रार्थना है, सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः, यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक लक्ष्य भी है।

2. डिजिटल अनुशासन : तकनीक पर नियंत्रण, न कि अधीनता

डिजिटल क्रांति ने सूचना को सुलभ बनाया है, लेकिन सूचना की अधिकता ने विवेक को चुनौती दी है। सोशल मीडिया, आभासी दुनिया और त्वरित प्रतिक्रियाओं की संस्कृति ने हमारे समय, ध्यान और संवेदनशीलता को प्रभावित किया है। वर्ष 2026 का दूसरा संकल्प डिजिटल अनुशासन होना चाहिए। तकनीक का प्रयोग ज्ञानवर्धन और रचनात्मकता के लिए हो, न कि भ्रम और नकारात्मकता के प्रसार के लिए। फेक न्यूज से दूरी, सोशल मीडिया पर मर्यादा और बच्चों के डिजिटल आचरण पर सजग दृष्टि, यह सब आधुनिक नागरिकता के आवश्यक तत्व हैं। इस संदर्भ में ईशोपनिषद का सूत्र अत्यंत प्रासंगिक है, तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा अर्थात संयमपूर्वक उपभोग करो।

3. निरंतर सीखना : प्रगति का स्थायी सूत्र

आज का युग स्थिर ज्ञान का नहीं, निरंतर अधिगम का युग है। जो सीखना बंद करता है, वह समय से पीछे छूट जाता है। वर्ष 2026 का तीसरा संकल्प सीखने की निरंतरता होना चाहिए। हर माह एक नई पुस्तक, एक नई कौशल-विधा, एक नई भाषा या एक नया दृष्टिकोण, यह अभ्यास व्यक्ति को बौद्धिक रूप से सजग बनाए रखता है। बृहदारण्यक उपनिषद का मंत्र है, असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात सीखने की निरंतर प्रक्रिया का प्रतीक है।

4. आत्मनिर्भरता : स्वावलंबन से राष्ट्रीय सशक्तीकरण तक

आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक अवधारणा नहीं, यह आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है। वर्ष 2026 का चौथा संकल्प स्वावलंबन की दिशा में निरंतर प्रयास होना चाहिए। स्थानीय उत्पादों का उपयोग, स्वदेशी उद्यमों का समर्थन और स्वयं की क्षमताओं पर विश्वास, ये छोटे कदम राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाते हैं। जब नागरिक आत्मनिर्भर होता है, तब राष्ट्र निर्भर नहीं रहता। अथर्ववेद में कहा गया है, स्वधर्मे निधनं श्रेयः यानी अपना मार्ग, अपना कर्म ही श्रेष्ठ है।

5. पर्यावरण संरक्षण : विकास और प्रकृति का संतुलन

प्रकृति के दोहन की कीमत अब मानवता चुका रही है। जलवायु असंतुलन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाएं चेतावनी हैं कि विकास की दिशा पर पुनर्विचार आवश्यक है। वर्ष 2026 का पांचवां संकल्प पर्यावरण-संवेदनशील जीवनशैली होना चाहिए। जल, जंगल और जमीन के प्रति जिम्मेदारी केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि नागरिक आचरण का प्रश्न है। छोटे प्रयास जैसे ऊर्जा बचत, प्लास्टिक से परहेज और पौधारोपण, बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

6. समय और अनुशासन : सभ्य समाज की पहचान

अनुशासन वह सेतु है, जो विचार और क्रिया को जोड़ता है। वर्ष 2026 का छठा संकल्प समय और अनुशासन के प्रति सम्मान होना चाहिए। समयपालन, कार्य-संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार व्यवहार किसी भी विकसित समाज की पहचान होते हैं। अनुशासन दमन नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण की परिपक्व अवस्था है।

7. परिवार और संबंध : सामाजिक स्थिरता की धुरी

आधुनिकता की दौड़ में परिवार और संबंध हाशिए पर जा रहे हैं। वर्ष 2026 का सातवां संकल्प रिश्तों को पुनः केंद्र में लाना होना चाहिए। संवाद, सहानुभूति और समय, ये तीन तत्व परिवार को जोड़ते हैं। जब परिवार मजबूत होता है, तब समाज स्वतः सुदृढ़ हो जाता है।

8. सामाजिक दायित्व : नागरिकता का वास्तविक अर्थ

समाज से लेना जितना सहज है, उतना ही आवश्यक समाज को लौटाना है। वर्ष 2026 का आठवां संकल्प सामाजिक सहभागिता होना चाहिए। सेवा के छोटे कार्य, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो या मानवीय सहायता, सामूहिक चेतना को जाग्रत करते हैं। सामाजिक उत्तरदायित्व लोकतंत्र की आत्मा है।

9. सकारात्मक दृष्टि : मानसिक सशक्तीकरण का आधार

नकारात्मकता विचारों को जकड़ लेती है। वर्ष 2026 का नौवां संकल्प सकारात्मक और समाधान-उन्मुख सोच होना चाहिए। आत्मविश्वास, धैर्य और आशावाद जीवन की कठिनाइयों को अवसर में बदलने की क्षमता देते हैं। सकारात्मक व्यक्ति ही परिवर्तन का प्रेरक बनता है।

10. सांस्कृतिक चेतना : जड़ों से जुड़ाव

वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़े होने के लिए सांस्कृतिक आत्मबोध आवश्यक है। वर्ष 2026 का दसवां संकल्प भारतीय संस्कृति और मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन होना चाहिए। भाषा, परंपरा, इतिहास और नैतिक मूल्य हमारी पहचान हैं। इन्हें जानना और जीना ही सांस्कृतिक उत्तराधिकार को सुरक्षित रखता है।

-विनोद पाठक, वरिष्ठ लेखक

नवसृजित पंचायत हेमराजपुरा के स्थान पर नारदा को ग्राम पंचायत बनाने का विरोध

■ ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और हेमराजपुरा को ही ग्राम पंचायत बनाए जाने की मांग की

ग्रामीणों ने नीमकाथाना उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

पाटन, (निसं)। पंचायत समिति पाटन क्षेत्र में नवसृजित ग्राम पंचायत हेमराजपुरा के स्थान पर नारदा को ग्राम पंचायत बनाए जाने के निर्णय के खिलाफ ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिला। शुक्रवार को ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और हेमराजपुरा को ही ग्राम पंचायत बनाए जाने की मांग को लेकर नीमकाथाना उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि इस संबंध में पहले नीमकाथाना एसडीएम कार्यालय द्वारा आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। आपत्तियों के निस्तारण के बाद पंचायत समिति पाटन में हेमराजपुरा को नवसृजित ग्राम पंचायत घोषित किया गया था। उस समय हेमराजपुरा की जनसंख्या 1315, नारदा की 695 और नानगवास की 1068 दर्शाई गई थी। प्रस्तावित ग्राम पंचायत हेमराजपुरा में नारदा और नानगवास गांवों को शामिल किया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा 21 नवंबर 2025 को जारी पत्र में भी हेमराजपुरा को नवसृजित ग्राम पंचायत के रूप में अंकित किया गया था। इसके बावजूद 28 दिसंबर 2025 को हेमराजपुरा के स्थान पर नारदा को ग्राम पंचायत घोषित कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस बदलाव के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई नया प्रस्ताव नहीं भेजा गया। उन्होंने कहा कि आबादी के आधार पर भी हेमराजपुरा पूरी तरह योग्य है, जबकि नारदा की जनसंख्या काफी कम है। इसके बावजूद नियमों को दरकिनार कर निर्णय लिया गया है।

ग्राम हेमराजपुरा के निवासियों ने इस फैसले के पीछे राजनीतिक दबाव होने का आरोप भी लगाया। ग्रामीणों का कहना है कि हेमराजपुरा सभी निर्धारित मापदंडों पर खरा उतरता है। गांव मुख्य सड़क पर स्थित है, यहां 1008 मतदाता हैं और आवागमन की सुविधाएं भी बेहतर हैं। इसके विपरीत नारदा मुख्य सड़क से दूर है और वहां परिवहन के साधन भी सीमित हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पूर्व में जारी आदेशों के अनुरूप हेमराजपुरा को ही ग्राम पंचायत घोषित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को न्याय मिल सके।

हैंगिंग ब्रिज से कोटा बैराज तक का इलाका घड़ियाल अभयारण्य से मुक्त हुआ

40 हजार से ज्यादा घर अब चम्बल घड़ियाल अभयारण्य की सीमा से मुक्त हुए

■ वन विभाग ने जारी की अधिसूचना, 732 हेक्टेयर इलाका डिनोटिफाई

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चम्बल के किनारे बसे 1 लाख से ज्यादा लोगों को नए साल का तोहफा दिया है। हैंगिंग ब्रिज से कोटा बैराज के बीच बसे 40 हजार से ज्यादा घर अब चम्बल घड़ियाल अभयारण्य की सीमा से मुक्त हो गए। सालों से विकास के लिए तरस रहे इस इलाके में अब न सिर्फ घर-दुकानों के पट्टे बनाए जा सकेंगे बल्कि निर्माण कार्य में लगे प्रतिबंध भी हट जाएंगे।

चम्बल में बसे घड़ियालों को विलुप्त होने से बचाने के लिए जवाहर सागर बांध से लेकर कोटा बैराज तक के इलाके को घड़ियाल अभयारण्य घोषित कर दिया था। घड़ियालों का संरक्षण करने के लिए वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत नदी के किनारे से एक किमी तक के इलाके को आबादी प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया गया था, जिसका नतीजा यह हुआ कि गुमानपुरा से लेकर सकतपुरा, शिवपुरा, नयागांव और किशोरपुरा इलाके के तमाम हिस्से अभयारण्य की सीमा में आ गए। स्पीकर बिरला घड़ियाल सेंचुरी की सीमा में रह रहे दो लाख से ज्यादा लोगों की इस परेशानी से मुक्त करने के लिए प्रयासरत थे। घड़ियाल सेंचुरी घोषित होने के कारण चम्बल के दोनों किनारों पर बसे लोगों की जमीनों के पट्टों तक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। जिसके चलते जमीनें बेचना खरीदना ही नहीं नए भवन का निर्माण और पुरानों का जीर्णोद्धार तक असंभव हो गया। स्पीकर बिरला के प्रयासों से सबसे पहले नेशनल बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्लूएल) से हैंगिंग ब्रिज से लेकर कोटा बैराज तक के इलाका डिनोटिफाई हुआ।

केंद्र सरकार की ओर से सारी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद आखिर में राजस्थान सरकार ने भी इस क्षेत्र को घड़ियाल सेंचुरी से मुक्त करने का आदेश जारी कर दिया, 23 दिसंबर 2025 को राज्यपाल ने भी इस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी। जिसके बाद आज इसकी बकायदा अधिसूचना भी जारी कर दी गई। हैंगिंग ब्रिज से लेकर कोटा बैराज तक का 732 हेक्टेयर का क्षेत्र राष्ट्रीय घड़ियाल अभ्यारण्य क्षेत्र से मुक्त हो गया है। करीब 206 खसरों पर लगा प्रतिबंध अब हट जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लम्बे समय से लोगों की मांग थी कि उन्हें इस समस्या से निजात मिले। इसके लिए लगातार प्रयासरत थे। खुशी है कि बड़ी आबादी वाला यह क्षेत्र भी विकास के मामले में कोटा के बाकी हिस्सों के साथ कदमताल कर सकेगा।

राशिफल रविवार 4 जनवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 3:11 तक, वैधृति योग रात्रि 1:47 तक, कौलव करण दिन 12:30 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:43 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-धनु, बुध-धनु, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग दिन 12:30 से दिन 3:11 तक है। रवि पुष्य और राजयोग दिन 3:11 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग 3:11 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:38 से 9:56 तक, लाभ-अमृत 9:56 से 12:32 तक, शुभ 1:44 से 3:07 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:42

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के घर-परिवार में आज धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
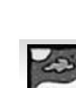
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के घर-परिवार में आज धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क
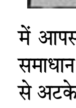
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कन्या
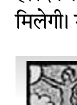
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
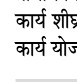
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
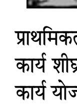
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेय प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
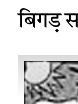
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
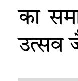
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मीन
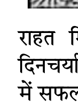
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

ARBiT

Lessons To Learn From The Blockage Of Suez Canal

Despite the potential advantages of the Suez Canal for Britain, the Empire opposed the development of the canal for over a decade after Said Pasha, then Viceroy of Egypt, granted the concession for its construction

The "love knot" The Hellenistic Gold Armband with a Herakles Knot

अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी को हिरासत में लिया

रूस, ईरान, क्यूबा, कोलंबिया ने इस आक्रमण की निंदा की, भारत चुप रहा

- अमेरिका ने वेनेज़ुएला के खिलाफ इस आक्रमण को यह कहकर सही बताया कि वेनेज़ुएला से ''ड्रग्स'' अमेरिका लाई जाती हैं और इसे रोकने के लिए वेनेज़ुएला के खिलाफ यह कार्यवाही जरूरी थी।
- वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति का एक ''प्री रिकॉर्डेड'' इंटरव्यु, जो गत सप्ताह प्रसारित किया गया था, में अमेरिका पर यह आरोप लगाया गया था कि अमेरिका वेनेज़ुएला के ''ऑयल रिज़र्व'' व अन्य खनिज सम्पदा पर कब्जा करना चाहता है और इसीलिए वेनेज़ुएला में सरकार का तख्ता पलटना चाहता है।

- डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। रूस, ईरान और कुछ अन्य देशों ने आज अमेरिका की वेनेजुएला के खिलाफ ''निर्लज्ज आक्रामकता'' और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की रातों -रात एक कार्यवाही में की गई गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की, पर भारत ने इस कार्रवाई के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया और कहा कि यह वेनेजुएला के लोगों का अधिकार है कि वे यह तय करें कि क्या करना है।

यूरोपीय यूनियन और दुनिया के कई देशों ने अमेरिका के द्वारा तमाम अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के खिलाफ जाकर किए गए सैन्य आक्रमण के बाद संयम रखने, तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की, जबकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत वेनेजुएला की घटनाओं पर करीबी नज़र बनाए हुए है और यह वेनेजुएला के लोगों पर निर्भर करता है कि उन्हें क्या करना चाहिए। भारत ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का उल्लेख तक नहीं किया।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने शनिवार की सुबह वेनेजुएला पर ''बड़े हमले'' की शुरुआत की और दावा किया कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया गया और उन्हें देश से बाहर भेज दिया गया। यह वॉशिंगटन के महीनों से चल रहे दबाव अभियान की एक नाटकीय परिणति है।

अमेरिका दुनिया भर में दादागिरी करता है। विशाल सैन्य-औद्योगिक कम्पनियों और बड़े व्यापार समूहों द्वारा समर्थित ट्रंप, शक्तिशाली हथियार प्रणालियों और युद्ध मशीनों के निर्माण के मुनाफे को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस ऑपरेशन की घोषणा ट्रूथ सोशल पर शनिवार सुबह 4:30 बजे की, जब कैराकस के ऊपर धमाकों और नीचे उड़ान भरते विमानों की सूचना मिली थी। ट्रंप ने कहा, ''मादुरो, अपनी पत्नी के साथ, पकड़ लिए गए और देश से बाहर भेज दिए गए हैं। यह ऑपरेशन यूएस लॉ एनफोर्समैंट के साथ मिलकर किया गया था। विवरण बाद में दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि हमले ''सफलतापूर्वक'' किए गए थे।

वेनेजुएला की सरकार ने इसके तुरंत बाद अमेरिका पर नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया तथा इसे ''साम्राज्यवादी हमला'' बताते हुए समर्थकों से सड़कों पर उतरने की अपील की। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि देश का नेतृत्व कौन कर रहा था, और ट्रंप के दावे के अलावा मादुरो के बारे में कुछ नहीं पता था।

कैराकस में शनिवार की सुबह काफी नीचे विमान उड़ते देखे गए, उसके बाद कम से कम सात धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। रॉयटर्स के सूत्रों ने 2 बजे (0600 जीएमटी) के आसपास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जब गडकरी ने अपने ससुर का घर तुड़वा दिया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान ने अरने यूट्यूब व्लॉग के लिए भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। फराह अपने कुक दिलीप के साथ नई दिल्ली में मंत्री के घर गईं।

व्लॉग में फराह ने नितिन गडकरी से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि वे कितने साल से शादीशुदा हैं, तो उन्होंने

- चर्चित बॉलीवुड हस्ती फराह खान के व्लॉग के लिए वार्ता में नितिन गडकरी और उनकी पत्नी ने कई रोचक खुलासे किए। गडकरी की पत्नी ने बताया कि कैसे सड़क चौड़ी करने के लिए नितिन गडकरी ने उनके पिता का ही घर तुड़वा दिया था।

कहा, ''मुझे लगता है कि यह तो कंचन (गडकरी की पत्नी) आपको बताएँगी।''

इस पर फराह ने मज़ाक में कहा, आदमी की तरह आप अपनी शादी की सालगिरह ही भूल गए।'' कंचन ने बताया कि उनकी शादी को 41 साल हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश के क्रिकेटर को अब आईपीएल में खेलने नहीं दिया जाएगा

बीसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को देखते हुए यह निर्णय लिया

- कोलकाता की टीम के.के.आर. ने बांग्लादेशी फास्ट बोलर मुस्ताफिज़ुर रहमान को काफी भारी रकम देकर, दिल्ली व चेन्नई को नीलामी में हराकर खरीदा था
- बांग्लादेश में हाल ही में एक के बाद एक करके तीन हिंदुओं को बेरहमी से मारकर हत्या कर, जलाने की दर्दनाक घटनाएँ हुई हैं तथा देश भर में इन घटनाओं के कारण आक्रोश चरम पर है। पर, ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर पूर्ण चुप्पी साध रखी है।
- भाजपा कोलकाता में चौराहों व मोहल्लों में छोटी-छोटी आम सभाएं आयोजित कर, ममता जी की चुप्पी के खिलाफ वातावरण बना रही है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। बांग्लादेश में लगातार हो रहे हमलों और हिंदुओं की बेरहमी से हत्या की घटनाओं के बीच, भारत की शीर्ष क्रिकेट संस्था ने एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को बाहर करने का निर्देश दिया है। अब वह आने वाले आईपीएल मैचों में नहीं खेल पाएगा।

ढाका के एक अस्पताल में शनिवार को एक तीसरे हिंदू व्यक्ति की जलने और हमले की चोटों के कारण मौत हो गई, जैसा कि, उसका इलाज कर रहे डॉक्टर ने बताया। उस पर हमला किया गया था, उसके ऊपर पेट्रोल डाला गया और फिर आग लगा दी गई।

वह दिन भर काम करने के बाद जब घर लौट रहा था, तभी इस्लामवादी भीड़ ने घेरकर उस पर हमला कर दिया। उसे बेरहमी से पीटा गया और फिर जला दिया गया। वह इलाके में दवा की दुकान चलाता था और उसके छोटे-छोटे बच्चे हैं। इससे पहले भी एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर को इसी तरह भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला था।

उसी क्रूरता के साथ उसके शव को भीड़ ने लातों से ठोकरें मारीं, फिर उसे पेड़ से लटकाया और बाद में जला दिया। इस घटना के तुरंत बाद एक और हिंदू को झूठे आरोपों में भीड़ ने मार डाला।

बांग्लादेश में हिंदुओं की लगातार हो रही इन बर्बर हत्याओं से भारत में भी गुस्सा बढ़ रहा है और समाज के अलग-अलग वर्ग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट की शीर्ष संस्था बीसीसीआई ने बांग्लादेशी खिलाड़ी को आईपीएल मैचों में भाग लेने से रोक दिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को अपने विदेशी तेज गेंदबाज़ को टीम से हटाने का निर्देश दिया गया है और उसकी जगह नया खिलाड़ी तलाशने की अनुमति दी गई है।

केकेआर ने दिल्ली और चेन्नई की दो प्रतिद्वंद्वी टीमों का पछाड़ कर, मुस्ताफिज़ुर रहमान को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि बाद के घटनाक्रमों के बाद, बीसीसीआई ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों को भारत में खेलने देने पर कड़ा रुख अपनाया है।

इन घटनओं का भाजपा ने ज़ोरदार विरोध किया है और पार्टी की राज्य इकाई अब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को बड़ा मुद्दा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

पौष बड़ों का भोग लगाया

बौंली -बामनवास। शक्तिपीठ रामबाडी बालाजी, वीर हनुमान मंदिर, नगर पालिका चौराहे सवाई माधोपुर रोड बौंली के प्रांगण में पौष पूर्णिमा शनिवार को फूल बंगला झांकी सजाकर बालाजी के पौष बडों का भोग लगाया । शनिवार को प्रातः सिंदूर चौला एवं पूर्व बंगला झांकी सजाई गई । इसके बाद महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजनों के साथ नृत्य करते हुए संकीर्तन किया। दोपहर करीब 1बजे महा आरती के बाद प्रसादी वितरण की गई, जिसमें नगर के आस्थावान महिला, पुरुष, बाल, गोपालों ने प्रसादी ग्रहण कीइस अवसर पर शक्तिपीठ पर नियमित रूप से प्रतिदिन आने वाले भक्तजनों ने सामूहिक पंगत प्रसादी पाई।

रक्तदान शिविर आज

शाहपुरा। जय फुले माली विकास जन सेवा समिति के तत्वावधान में सावित्री बाई फुले की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को नायन गांव में चौकी का बड के पास स्थित एस. डी. होटल में द्वितीय स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर आयोजित होगा। शिविर की जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष साधुराम सैनी ने बताया कि रविवार को सुबह 10 बजे से शाम को 4 बजे तक रक्तदान किया जायेगा। उन्होंने ने युवाओं से रक्तदान शिविर में बढ चढ कर हिस्सा लेने की अपील की है।

हजारों श्रद्धालुओं ने पाई प्रसादी

मानपुरा माचैड़ी। कस्बा स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर में शनिवार को पौषबड़ा प्रसाद का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रदालुओं ने बालाजी के दर्शन कर पौषबड़ा प्रसादी ग्रहण कीइस दौरान हनुमान जी की विलक्षण झांकी सजाई गई व भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ । भक्तिमय संगीत की धुनों ने श्रदालुओ को मंत्रमुग्ध कर दियामहाआरती कर पौषबड़ा प्रसादी का वितरण किया गया। पुजारी नरेंद्र चतुर्वेदी,ओमप्रकाश मीणा,संजय जांगिड, भागचंद मीणा, गिरधारी सोनी,शिवराज मीणा सहित कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

अधिवक्ता सम्मेलन 8 को

कोटपूतली। जिला अभिभाषक संघ के तत्वाधान में आगामी 08 जनवरी को कस्बे के पूतली रोड स्थित शरणम् पैराडाईज गार्डन में प्रातः 11 बजे से जिला अधिवक्ता सम्मेलन का आयोजन होगा। संघ के अध्यक्ष एड. बजरंग लाल शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में कोटपूतली समेत बहरोड़, बानसूर, पावटा, विराटनगर व नीमराणा के अधिवक्ता भाग लेंगे। साथ ही सभी स्थानों की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का अभिनंदन भी किया जायेगा। सम्मेलन में जिले के उन सभी अधिवक्ताओं का सम्मान होगा जिनका पंजीयन वर्ष 1987 अथवा उससे पूर्व का है। इस मौके पर पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन भी होगा। वहीं 08 जनवरी को जिले भर के सभी न्यायालयों में न्यायिक कार्य भी स्थगित रखे जायेगें।

सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई

शाहपुरा। शाहपुरा सब्जी मंडी परिसर में देश की प्रथम महिला अध्यापिका, समाज सेविका सावित्री बाई फुले जी की जयंती समारोह में महाराज श्री हरिओम दास जी महाराज के सानिध्य में जयंती मनाई गई । कार्यक्रम में सावित्री बाई फुले की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर शत् शत् नमन किया गया। इस दौरान खोरी परमानंद जी महाराज की गोशाला में हाल ही में आग लगने से जो नुकसान हुआ है उसके लिए इस कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथु लाल सैनी ने 11000 का रूपये का सहयोग दिया। इस मौके पर पार्षद गोरेराम, जितेंद्र शर्मा, मुकेश खुडानिया, जगदीश सोनी, महेश सैनी, रामकुमार लोहार, राजेंद्र शर्मा, गणेश सैनी, रोहतास सैनी, सैनी, सूरज सैनी, पप्पू सैनी, मुकेश यादव, मुकेश गुर्जर, सुरेश जाट आदि लोग मौजूद रहे।

पौषबड़ा महोत्सव आज

फुलेरा। चतुर्थ विशाल पंगत प्रसादी पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन श्रीसिद्ध गणेश मंदिर के पास, पुराना बस स्टैंड पर रविवार को सायं 5 बजे से किया जाएगा। जानकारी देते हुए धनराज शर्मा ने बताया कि महोत्सव में श्रद्धालुओं के लिए विशाल पंगत प्रसादी की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम सिद्ध गणेश व्यापार मंडल एवं आमजन के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसादी ठाहण करने की अपील की है।

पदोन्नत होकर आए एसपी देवेंद्र विश्नोई को प्रागपुरा थाना परिसर में गार्ड ऑफ आनर

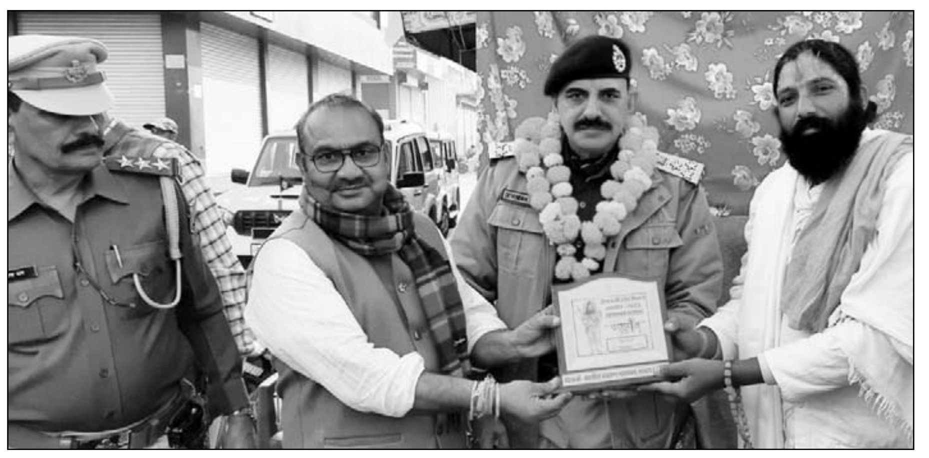

प्रागपुरा थाना परिसर में जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई (माला पहने) के डीआईजी पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

पावटा। प्रागपुरा थाना परिसर में पुलिस विभाग के लिए गौरवपूर्ण क्षण उस समय देखने को मिला जब जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई के डीआईजी पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह व जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रागपुरा थाना पुलिस जवानों द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई को गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया गया। जिसमें जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई को डीआईजी पद पर पदोन्नत होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली नाजिम अली व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर उमेश निठारवाल , प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम सहित सीएलजी सदस्यों, ग्राम रक्षक, सुरक्षा सखियों एवं आमजन द्वारा उनका स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाए दी। इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि यह पदोन्ति न केवल संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे पुलिस विभाग के लिए प्रेरणादायक क्षण है। संचालन के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा उनके सेवा काल, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पण का विस्तार से उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अधिकारी ने अपने कार्यकाल में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई द्वारा प्रागपुरा थाना परिसर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम आमजन और पुलिस के बीच संवाद, विश्वास और पारदर्शिता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। यह अपने आप में एक सराहनीय पहल है, जिससे आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे उच्च अधिकारी के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, चोरी, आपसी रंजिश सहित विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने रखी जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने प्रत्येक फरियादी की बात को

■ बिना वर्दी पहने भी अपराधियों के खिलाफ आमजन कार्रवाई कर या करवा सकते है : विश्नोई

गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं, ताकि शिकायतों का समयबद्ध और निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित किया जा सके। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायत सुनना नहीं, बल्कि आमजन को त्वरित न्याय दिलाना और पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत करना है। इस दौरान वीरेंद्र राठी, जीएल यादव, राकेश सामोता , योगेश शर्मा, ओ पी बायला, मुखराम धनकड, भैरू हुल्डा, मदन सैनी, मिंटू शर्मा, रामोतार सिंह, श्रवण सिंह, उमेश यादव, बजरंग यादव, महेश, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, महिलाए व परिवादी मौजूद रहे।

'भाजपा की रीति-नीति और सिद्धांत महत्वपूर्ण'

निवाई। श्यामाप्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में निवाई पीपलू विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा रहे। इस अवसर पर विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा की पार्टी की रीति- नीति और सिद्धांत महत्वपूर्ण हैं। उसके अनुसार हमें कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि निवाई-पीपलू विधानसभा क्षेत्र में जिला परिषद सदस्य पंचायत समिति सदस्य क्षेत्र की निर्वाचन लिस्ट का प्रकाशन हो चुका है। कार्यकर्ता वोटर लिस्ट को ध्यान से देखें और कोई कमी हो तो आपत्ति दर्ज करावें, जिस समय रहते उसमें संशोधन हो सके। पंचायत राज के चुनाव इसी वर्ष होने वाले हैं। सभी कार्यकर्ता अभी से चुनाव की तैयारी में लग जाएं। इस दौरान संत मनीषदास महाराज, कर्मानंद महाराज, साध्वी नाथी बाई, पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी, विधानसभा प्रभारी विष्णु शर्मा, नगरपालिका चेयरमैन दिलीप ईसरानी व जिला उपाध्यक्ष रमाकांत गौतम, शहर अध्यक्ष नितिन छावडा, नटवाडा मंडल अध्यक्ष बद्री बुढ़ाराम मीणा, कैलाश नटवाडा, जीतू विजय, जीतू धारवाल व देवीशंकर सहित सहित कई कार्यकर्ताओं ने सम्बोधित किया। कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्षद ओमप्रकाश गुप्ता, सीता देवी वर्मा, सुशीला सालोदिया ममता जाट व मंजू बलाई सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

देवली शहर में करोड़ों की लागत से बने जयपुर रोड की हालत खस्ता

देवली शहर के जयपुर रोड की हालत खस्ता होने से राहगीरों को आवाजाही में परेशानी हो रही है।

देवली, (निसं)। यहां देवली शहर का जयपुर रोड करोड़ों की लागत से बना हुआ अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। इसका मुख्य कारण है कि रोड निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार हुआ था, जिसका खुलासा एंटी करप्शन ब्यूरो को करना था, लेकिन आज तक उक्त भ्रष्टाचार का खुलासा नहीं हो पाया है। भ्रष्टाचार ब्यूरो निरोधक के अधिकारी देवली नगर पालिका के उक्त रोड निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की जांच करने मौके पर पहुंचे थे और अधिकारियों ने टोंक सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के सहयोग से रोड की कटिंग करवा कर जांच के लिए सैंपल भी एकत्रित किए थे, लेकिन 2 साल पहले के इस मामले में अधिकारियों ने उक्त रोड निर्माण में हुए भ्रष्टाचार का खुलासा आज तक नहीं किया है। देवली शहर में लोगों के बीच उक्त भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला आज भी चर्चाओं का विषय बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के टोंक जिले की देवली नगर पालिका के अधिकारी सुरेश कुमार मीणा और पालिका मंडल अध्यक्ष नेमीचंद जैन ने शहर के जयपुर रोड और कोटा रोड पर टू लेन रोड का निर्माण करवाने की योजना बनाई थी। इसी योजना के अंतर्गत देवली नगर पालिका ने ढाई- ढाई किलोमीटर के दो रोड का निर्माण कराया था। इस दौरान 16 करोड़ का रुपए की लागत का उक्त रोड ठेकेदार और नगर पालिका के अधिकारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था। इस मामले की शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो को प्राप्त हुई थी। वहीं करोड़ों की लागत से बने रोड का लोकार्पण भी नहीं हुआ था कि वह तभी से टूटते टूटते आज तक अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। रोड निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल के कारण उक्त दौरान लोकार्पण से पहले ही रोड से गिट्टीया उखाड़ना शुरू हो थी। ऐसे में रोड निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत जैसे तैसे जयपुर एंटी करप्शन ब्यूरो तक पहुंची थी। इसके बाद एंटी करप्शन ब्यूरो के आला अधिकारी एवं टोंक के एडिशनल एसपी राजेश आर्य और टोंक सार्वजनिक विभाग के अधिकारी रोड निर्माण में हुए भ्रष्टाचार जांच करने पहुंचे थे। इस दौरान एसीबी के उक्त अधिकारियों ने टोंक अधिकारियों के सहयोग से निर्माण कार्य में इस्तेमाल की गई सामग्री की जांच भी की एवं रोड कटिंग करके सैंपल लिए और वापस जयपुर लौट गए थे। इस मामले में 2 साल बीत जाने के बाद भी एसीबी अधिकारियों ने उक्त भ्रष्टाचार के मामले में जांच का खुलासा अब तक नहीं किया है। वहीं इस मामले में सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार देवली नगर पालिका ने ठेकेदार को भ्रष्टाचार में लिप्त उक्त रोड के निर्माण कार्य का लगभग पूरा भुगतान कर दिया। तो वहीं इस मामले में यह भी जानकारी सामने आई है किउक्त रोड की निर्माण गारंटी अवधि 5 वर्ष की है। ऐसे मेंदेवली नगर पालिका द्वारा बनवाया गया उक्त रोड 2 साल पहले से ही लगातार टूटता चला आ रहा है।

■ रोड निर्माण में हुये भ्रष्टाचार की शिकायत एसीबी में की थी, लेकिन खुलासा नहीं हुआ

मंत्री ने जल-भराव क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण किया

डीग भरतपुर। प्रदेश के गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शनिवार को बृजनगर में एक अनूठी कार्यशैली का परिचय दिया। उन्होंने अपने दिन की शुरुआत औपचारिकताओं के पारंपरिक ढांचे से इतर एक जन-सेवक के रूप में आम नागरिकों के बीच बैठकर की। उनका यह दौरा शहरी विकास की धरातलीय हकीकत जानने और सामाजिक सुधार की वैचारिक अलख जगाने पर केंद्रित रहा। शनिवार सुबह बृजनगर के गाँधी पार्क में आयोजित चौपाल में गृह राज्य मंत्री बेढम ने प्रबुद्ध-जनों की औपचारिकता छोड़कर आमजन के बीच बैठकर शहर के विकास का रोडमैप साझा किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने ड्रेनेज व्यवस्था और सीवरेज लाइन से जुडी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। मंत्री बेढम ने कहा कि नागरिकों से सीधा, खुला और सार्थक संवाद ही लोकतंत्र की असली शक्ति है। जनता की जमीन से जुड़ी समस्याओं को सुनना, समझना और उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता देना ही हमारी सरकार की कार्यशैली का मूल मंत्र है। संवाद के तुरंत बाद, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम एक्शन मोड में नजर आए। एक जलमग्न क्षेत्र का अवलोकन करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गंदे पानी की निकासी और सफाई की स्थाई कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी ।

अवतरण दिवस श्रद्धा से मनाया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में प्रथमाचार्य शांति सागर मुनिराज की अक्षुण्ण मूल ब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधी आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ सानिध्य में गुरु भक्तों ने जैन धर्म के 15 वें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान के केवल ज्ञान कल्याणक एवं आचार्य धर्म सागर महाराज का 113 वां वर्ष वर्धन अवतरण दिवस श्रद्धा व भक्ति पूर्वक मनाया। जैन धर्म प्रचारक सुनिल भाणजा व विमल जौला ने बताया कि कर्यक्रम को लेकर प्रातःकाल भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई एवं आचार्य धर्म सागर विधान की पूजा-अर्चना की गई।

इस अवसर पर आचार्य वर्धमान सागर ने दीक्षा गुरु को स्मरण करते हुए उनका गुणानुवाद करके बताया कि आज ऐसे भव्य पुण्यात्मा को स्मरण करने का दिन है। जिनके जन्म दिवस और समाधि दिवस पर तीर्थंकर भगवान का कल्याणक दिवस भी है।

उन्होंने गंभीरा में सन 1914 में धर्मनाथ भगवान के केवल ज्ञान कल्याणक दिवस पर जन्मे चिरंजीलाल का प्राथमिक जीवन संघर्ष तथा निर्मोहता के साथ गुजरा। उन्होंने मात्र 15 वर्ष की उम्र में शुद्ध जल के नियमों के साथ 30 वर्ष की उम्र में क्षुल्लक तथा 38 वर्ष की उम्र में मुनि दीक्षा ली। संयोग देखिए कि धर्मनाथ भगवान के कल्याणक पर जन्मे मुनि दीक्षा के बाद नाम भी भगवान के नाम पर ही मुनि धर्मसागर का नामकरण किया गया।

भक्तों ने पौष बड़ा प्रसादी जीमी

निवाई। भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संरक्षक लल्लू लाल सेदरिया, तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल सिरस, विकास समिति अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद जेतपुरा व कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश चैनपुरा के नेतृत्व में पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान विश्वकर्मा जी की झांकी सजाई गई। समाज के प्रवक्ता प्रेमप्रकाश खंडवा ने बताया कि इस दौरान समाज के महिला पुरूषों ने दो घंटे भजन कीर्तन किया। इसके बाद सामूहिक रूप से भगवान की आरती की गई और महाप्रसादी का भोग लगाया। तत्पश्चात विश्वकर्मा जी के जय घोष के साथ पंगत प्रसादी जिमाई गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री रामबिलास जांगिड, घनश्याम राजु जांगिड, जिला संगठन मंत्री शंकर जांगिड आदि मौजूद थे।

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट पर मिलेगी 3 प्रतिशत छूट

फुलेरा। रेल यात्रियों को डिजिटल टिकट बुकिंग के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में रेलवे ने बड़ी पहल की है। अब रेलवन मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की सीधी छूट मिलेगी। यह सुविधा 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक प्रायोगिक तौर पर लागू रहेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मित्तल ने बताया कि अभी तक रेलवन ऐप पर केवल आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत राशि बोनस कैशबैक के रूप में दी जाती थी। नई व्यवस्था के तहत अब आर-वॉलेट को छोड़कर सभी अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों से बुकिंग करने पर यात्रियों को टिकट किराए में सीधी 3 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि आर-वॉलेट से बुकिंग करने पर पूर्व की तरह 3 प्रतिशत बोनस कैशबैक की सुविधा जारी रहेगी। यह योजना छह माह के लिए लागू की जा रही है, जिसके बाद सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम की ओर से इसके परिणामों की समीक्षा कर आगे का निर्णय लिया जाएगा। रेलवे का उद्देश्य इस पहल के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना, टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और सरल बनाना है।

■ 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक प्रायोगिक तौर पर लागू रहेगी सुविधा

नशे से दूर रहें तब ही स्वयं व समाज का विकास संभव : किशोर यादव

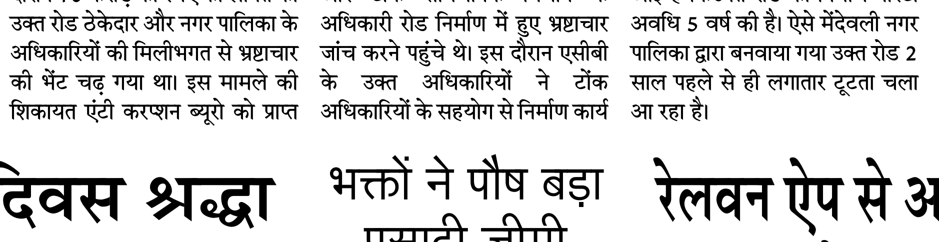

शाहपुरा खोरी स्थित परमानंद धाम मंदिर परिसर में यादव महासभा की बैठक रामपाल बिछवालिया तहसील अध्यक्ष की मौजूदगी में हुई।

शाहपुरा। खोरी स्थित परमानंद धाम मंदिर परिसर में महाराज श्री हरिओम दास जी के सानिध्य में यादव महासभा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन रामपाल बिछवालिया तहसील अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित कर समाज की एकजुटता, शिक्षा के प्रसार और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस मौके पर किशोर यादव को सर्वसम्मति से शाहपुरा नगरपरिषद क्षेत्र का समाज अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में यादव महासभा जिलाध्यक्ष देहात जगदीश खातोदिया व उपाध्यक्ष बंशीधर यादव ने युवाओं से आह्वान किया गया कि वे सकारात्मक सोच के साथ समाज सुधार में सक्रिय भूमिका निभाएं। दहेज प्रथा, नशाखोरी, फिजूलखर्ची, बाल विवाह जैसी कुरीतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इन्हें जड से खत्म करने का संकल्प लिया। कोषाध्यक्ष भीमसिंह ठोठवाल व निर्माण समिति अध्यक्ष बालूराम काकोडिया ने कहा कि शिक्षा और संस्कार ही समाज को सही दिशा दे सकते है, इसलिए बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखने, जरूरतमंदों की मदद करने तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। अंत में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि समाज सुधार के लिए निरंतर बैठकें और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

■ किशोर बाडीगर को यादव महासभा शाहपुरा नगरपरिषद अध्यक्ष मनोनीत किया

सार-समाचार

सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई

मानपुरा माचेड़ी। अचरोल गौरक्षक टीम द्वारा भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं नारी शिक्षा की अठादूत माता सावित्रीबाई फुले की 195 वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला गौ रक्षक दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री कमल दीदी ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों और सामाजिक संघर्षों के बावजूद बालिका शिक्षा एवं महिला उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले का दृढ विश्वास था कि जब तक महिलाएं शिक्षित नहीं होंगी और स्वयं शिक्षित नहीं बनेंगी, तब तक बालिकाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव संभव नहीं है। सुश्री कमल दीदी ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले की देन है कि आज देश की बेटियां डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षिका बनकर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में अनिल कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि माता सावित्रीबाई फुले का जीवन समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक रहा। उन्होंने हर प्रकार की बाधाओं का डटकर सामना किया और कभी हार नहीं मानी। उनके इस अद्वितीय संघर्ष को संपूर्ण भारतवासी नमन, प्रणाम और सलाम करते हैं। इस अवसर पर अचरोल व्यापार मंडल अध्यक्ष रविंद्र सैनी, निर्मल यादव, अमित यादव, निखिल यादव, राणा गुर्जर, अंशुमान भूमला, अभिषेक बत्रा, रमेश सैनी, पुराण यादव राहुल सैनी जेपी यादव राजवीर यादव सहित समस्त गौशाला टीम एवं युवा साथी उपस्थित रहे।

मधुमक्खी पालन यूनिट का अवलोकन

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जिले के लोगों को जोड़ने की संभावनाओं को लेकर शुक्रवार शाम को ग्राम पंचायत चूली के पास स्थापित मधुमक्खी पालन यूनिट का अवलोकन किया। इस दौरान कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीरेंद्र सिंह सोलंकी एवं आत्मा परियोजना के उपनिदेशक दिनेश बैरवा भी मौजूद रहे। इस दौरान जिला कलेक्टर ने नया गांव निवासी प्रगतिशील युवा किसान भरत राम चौधरी द्वारा सरसों के खेत के पास स्थापित मधुमक्खी पालन यूनिट का लगभग एक घंटे तक अवलोकन किया। इस मौके पर किसान चौधरी ने बताया कि उन्होंने 2021 में स्वरोजगार के रूप में मधुमक्खी पालन की शुरुआत की थी, उन्होंने किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से अरावली समृद्धि किसान प्रोड्यूसर्स ऑर्गेनाइजेशन स्थापित किया है, इसके माध्यम से वह जिले के ज्यादा से ज्यादा किसानों को मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जोड़ना चाहते है,ताकि वे इस व्यवसाय की असीम संभावनाओं का लाभ उठा सके। इस अवसर पर कृषि विभाग के आत्मा परियोजना के उपनिदेशक दिनेश बैरवा ने बताया कि जिले में 3 लाख हैक्टयर क्षेत्र में सरसों की खेती होती है, जो मधुमक्खी पालन व्यवसाय के अनुकूल है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष पंजाब व हरियाणा राज्य से किसान यहां आकर मधुमक्खी पालन व्यवसाय से जुड़े हुए है। साथ ही शहद निकालने के बाद बचे हुए रॉ मटेरियल से भी मॉम व रॉयल जैली निर्माण किया जाता है,जो अतिरिक्त आय को बढ़ाता है।

जयपुर जिले में नवोदय विद्यालय खोलने की मांग

फुलेरा। राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा फुलेरा के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह को पत्र लिखकर जयपुर जिले में नवोदय विद्यालय खोलने की मांग की है। पत्र में बताया गया कि जयपुर जिले का भौगोलिक क्षेत्र व छात्र संख्या काफी अधिक है, इसके बावजूद जिले में नवोदय विद्यालय नहीं हैं, पूर्व में पावटा में खुला था जो कि अब कोटपूतली जिले में चला गया। वरिष्ठ समाजसेवी शक्ति सिंह ने आग्रह किया है कि जयपुर ग्रामीण क्षेत्र/फुलेरा क्षेत्र में नवोदय विद्यालय की स्वीकृति दी जाए, ताकि मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा का लाभ मिल सके।

सावित्रीबाई फुले को याद किया

फुलेरा। बिचुन रोड स्थित सावित्रीबाई फुले सर्किल पर शनिवार को भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम माली सैनी समाज संस्थान व सावित्रीबाई फुले संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ, कार्यक्रम की अध्यक्षता अंजू सैनी ने की। कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले के चित्र पर दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित की गई। बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर निजी व राजकीय सेवा में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के शिक्षा व महिला सशक्तिकरण में योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम के अंत में सावित्रीबाई फुले को राष्ट्रमाता का दर्जा देने, फुले दंपति को भारत रत्न देने तथा 3 जनवरी को शिक्षक दिवस घोषित करने की मांग की गई, इस अवसर पर सैकड़ों के संख्या में लोग मौजूद रहे।

स्नेह मिलन समारोह मनाया

निवाई। अभिभाषक संघ के तत्वावधान में नववर्ष स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। संघ के सचिव एडवोकेट रामजीलाल ने बताया कि न्यायालय परिसर में शनिवार को नववर्ष स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सभी अधिवक्ता ने एक दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। इस दौरान बार के वरिष्ठ सदस्य विनयशंकर शर्मा को नोटरी पब्लिक के पद पर मनोनीत होने पर अधिवक्ताओ ने उनको माला व साफा पहनाकर सम्मानित करके बधाई दी। इस अवसर पर बार अध्यक्ष कन्हैयालाल मीणा, एडवोकेट सीताराम शर्मा, नरेन्द्र कुमार जाट, राकेश मिश्रा, हीरालाल जाट, गिरधरसिंह तंवर, अबरार अहमद, एडवोकेट सतीश शर्मा, बनवारीलाल यादव, रामजीलाल, सोराज जाट, भंवरलाल तिवाड़ी, रामबाबू शर्मा, जितेन्द्र कुमार बाकोलिया, हीरालाल जाट, रणजीत सिंह राजावत, रामकल्याण पूनिया, रामअवतार शर्मा एवं दयाराम गुर्जर सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

सैथल कस्बे में चोरों की धमाल

दौसा। सैथल उपखण्ड में इन दिनों चोरो ने जमकर धमाल मचा रखी है, जिसके चलते पुलिस प्रशासन की कार्यशैली एवं गश्त पर सवालियां निशान लग गये है। सैथल कस्बे में देर रात चोरों ने ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाया। चोरों ने दुकान के ताले तोड़कर लगभग दो लाख रुपए के गहने और अन्य सामान चुरा लिया। सैथल कस्बे का ये तीसरा मामला है। दुकान मालिक दिनेश कुमार सोनी ने सुबह दुकान खोलने पर ताले टूटे और कटे हुए पाए। उन्होंने तुरंत पडोसियों को सूचित किया और सैंथल पुलिस थाने को जानकारी दी। सूचना मिलते ही सैंथल थाने के हेड कॉन्स्टेबल शिवदत्त शर्मा और बनवारीलाल पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। विभिन्न कोणों से फुटेज की जांच की गई और कई सबूत एकत्रित किए गए। घटना के लगभग चार घंटे बाद दौसा से फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम भी मौके पर पहुंची और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। दुकानदार दिनेश कुमार सोनी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ सैंथल थाने में चोरी का मामला दर्ज कराया है।

अखंड रामधुनी का आयोजन

सिरस। श्री केशवराय मंदिर में पौष बड़ा महोत्सव श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में दिनभर अखंड रामधुनी की। मंदिर में अखंड रामधुनी के चलते संपूर्ण वातावरण हरे राम हरे राम, हरे कृष्णा हरे कृष्णा से गूंज उठा। इसके बाद भगवान के हलवा व बड़ों का भोग लगाया। शाम को महाआरती का आयोजन हुआ। जिसमें काफी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं को पौष बड़ा प्रसाद का वितरण किया गया। इसी प्रकार बस स्टैंड पर स्थित दादू पंथी बालाजी के मंदिर में भी पौष बड़ों का भोग लगाया।

जल जीवन मिशन घोटाले के पांच आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

- **गणपति ट्यूबवेल के प्रोपराइटर महेश मित्तल, उसके बेटे हेमन्त मित्तल, श्याम ट्यूबवेल के प्रोपराइटर पीयूष जैन, मैनेजर उमेश शर्मा और पीएचईडी के तत्कालीन लेखाधिकारी गोपाल ने मांगी थी जमानत**
- **एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने जमानत याचिका रद्द करते हुए कहा कि, ''आरोपियों पर गंभीर आरोप है और प्रकरण में जांच लंबित है। ऐसे में आरोपियों को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।''**

जयपुर (कासं)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने प्रदेश के चर्चित जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे मामले में पांच आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया है। पीठासीन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने गणपति ट्यूबवेल का प्रोपराइटर महेश कुमार मित्तल, उसके बेटे हेमन्त मित्तल, श्याम ट्यूबवेल के प्रोपराइटर पीयूष जैन, मैनेजर उमेश कुमार शर्मा और पीएचईडी के तत्कालीन लेखाधिकारी गोपाल की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपियों पर गंभीर आरोप है और प्रकरण में जांच लंबित है। ऐसे में आरोपियों को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।

जमानत अर्जी में कहा गया कि एसीबी ने उन्हें प्रकरण में गलत तरीके से फंसाया है। एसीबी के पास उनके खिलाफ कोई साक्ष्य भी नहीं हैं। इसके अलावा वे लंबे समय से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं। इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने अदालत को बताया कि मामले में एसीबी ने इन आरोपियों की मोबाइल बातचीत को रिकॉर्ड किया था। वहीं प्रकरण में कोर्ट में चालान पेश होने की जानकारी मिलने पर आरोपी फरार हो गए थे। जल जीवन मिशन में करोड़ों रुपए के घोटाले को लेकर एसीबी ने साल 2023 में मामला दर्ज किया था। एसीबी जांच में सामने आया कि प्रोजेक्ट को लेकर साल 2021-22 में दो टेंडर निकले थे। जिसमें आरोपियों ने मिलीभगत कर टेंडर हासिल किए थे। वहीं काम में अनियमिता व घटिया काम कर मेजरमेंट बुक में गलत जानकारी भरकर राजकोष से करोड़ों रु. निकाले गए। आरोपियों ने राजकोष से अनियमिता से रकम निकाल कर विभागीय अधिकारियों को रिश्वत देकर अनुचित रूप से निजी फायदा कमाया। एसीबी ने मामले में पूर्व में छह अन्य के खिलाफ जांच कर आरोप पत्र पेश किया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत के आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

सात माह पहले हुई थी शादी, महेश नगर थाना पुलिस जांच में जुटी

जयपुर । महेश नगर इलाके में नव विवाहिता ने अज्ञात कारणों के चलते फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया और कॉलोनी में सनसनी फैल गई। परिजन उसे तुरंत उसे नीचे उतार एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे । जहां पर उपचार दौरान उसने दम तोड़ दिया। मेडिकल इत्तला पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल पुलिस को विवाहिता के आत्महत्या के कारणा का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने जांच शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि गुर्जर की थड़ी स्थित बाबा रामदेव नगर कच्ची बस्ती निवासी अंजली (19) पुत्री मोहन लाल ने सुसाइड किया है। करीब 7 महीने पहले उसकी शादी दिल्ली में हुई थी। शादी के बाद ससुराल में रहने के दौरान कुछ दिन पहले ही वह अपने पीहर आई थी। गुरुवार शाम को फैमिली मेंबर अपने-अपने काम में लगे थे। शाम करीब सवा 7 बजे अंजली ने कमरा अंदर से बंदकर फंदा लगा लिया। गेट बंद देखकर परिजनों ने आवाज दी। गेट खटखटाने के बाद भी जवाब हीं मिलने पर परिजनों ने धक्का देकर गेट खोला तो अंदर अंजली फंदे से लटकी मिली। परिजनों ने तुरंत फंदे से नीचे उतार अंजली को एसएमएस हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। इलाज के दौरान डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शुक्रवार दोपहर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मृतका के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट मिलने की बात से इनकार किया है।

सार-समाचार

ब्राह्मण समाज की ओर से पौष बड़ा आज

जयपुर (कासं)। समस्त ब्राह्मण समाज के प्रमुख संगठन सप्त ऋषि मंडल की ओर से पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन रविवार को किया जाएगा। यह आयोजन एंटरटेनमेंट पैराडाइज़ (ईपी), जवाहर सर्किल, जयपुर में दोपहर 3 बजे से रात्रि 9 बजे तक होगा। कार्यक्रम का आयोजन जगद्गुरु शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती महाराज और मोतीडूंगरी गणेशजी मंदिर के महन्त कैलाश शर्मा की प्रेरणा से किया जा रहा है। सप्त ऋषि मंडल के संयोजक पंडित देवी शंकर शर्मा ने बताया कि महोत्सव की विशेषता 5100 दीपकों की भव्य आरती होगी, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेगी। आयोजन का उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक मूल्यों, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन, श्रद्धालु एवं गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की संभावना है। समन्वयक हरि शर्मा, कोषाध्यक्ष सचिन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 3 बजे महिलाओं की मेहंदी प्रतियोगिता से होगी। पश्चात सायं 4 बजे से बालिकाओं की ड्रेस एवं संगीत-नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतिभाशाली बालिकाएँ अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। सायं 5:30 बजे भगवान परशुराम की आरती संपन्न होगी, जिसमें 5100 दीपकों से वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। इसके पश्चात सायं 6 बजे से पौष बड़ा प्रसादी महोत्सव का शुभारंभ होगा, जिसमें श्रद्धालु पारंपरिक पौष बड़ा प्रसादी का लाभ लेंगे।

मुख्य सचिव ने किया औचक निरीक्षण

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बनीपार्क जयपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने राज्य में संचालित आईटीआई की कार्यप्रणाली एवं विकास की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने संस्थान के कक्षाओं, कार्यशालाओं एवं प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया तथा प्रशिक्षुओं, स्टाफ एवं फैकल्टी सदस्यों से संवाद किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाओं एवं रोजगारोन्मुखी कौशल विकास पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनीपार्क का इंडस्ट्री के साथ सहयोग बढ़ाने के निर्देश दिए गये। आईटीआई में मारुति सुजुकी, सिमेंस, सैमसंग, पिडीलाइट एंव अन्य इंडस्ट्रीज द्वारा बनाई गई कार्यशाला की सराहना की। साथ ही इसी प्रकार अन्य उद्योगों के सहयोग से उन्नत कार्याशाला विकसित करने पर बल दिया। इसके बाद मुख्य सचिव ने आईटीआई के सभी अनुदेशकों के साथ प्रमुख मुद्दों पर वार्ता की। उन्होंने पीएम सेतु स्कीम के संचालन एवं कियान्वन पर जोर दिया।

शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर। ''तृतीय जयपुर चेस क्लब रेपिड चेस टूर्नामेंट 2026'' का आयोजन ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, निर्माण नगर जयपुर में किया गया। कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि मुख्य अतिथि समाज गौरव जे. के. जैन अपनी पूरी टीम के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तथा टूर्नामेंट का अवलोकन किया। जे. के. जैन ने इंटरनेशनल चैंपियन तीशा ब्याडवाल के साथ प्रथम चाल चलकर टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शतरंज खेल निरंतर प्रगति कर रहा है। जयपुर चेस क्लब द्वारा इस प्रकार के उत्कृष्ट, अनुशासित एवं सुव्यवस्थित टूर्नामेंट का आयोजन अत्यंत सराहनीय है। शतरंज एक बौद्धिक, रणनीतिक एवं श्रेष्ठ खेल है, जिसे मैं स्वयं भी अत्यंत पसंद करता हूं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी शतरंज के विकास हेतु जहाँ भी संभव होगा, वे एवं उनकी पूरी टीम हर प्रकार का सहयोग प्रदान करेंगे। जेडीसीए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 41 प्रतिभागी इंटरनेशनल रेटिंग प्राप्त खिलाड़ी है, जो जयपुर में शतरंज के बढ़ते स्तर को दर्शाता है। कार्यक्रम में जेडीसीए के संयुक्त सचिव नीतुल खरे, जयपुर चेस क्लब के पदाधिकारी, खिलाड़ी और उनके अभिभावक मौजूद थे।

कानाराम धायल प्रदेश महासचिव बने

जयपुर (कासं)। भारतीय किसान यूनियन टिकट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष चौधरी राजाराम मील ने कानाराम धायल को राजस्थान प्रदेश भारतीय किसान यूनियन टिकट का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। उन्होंने कानाराम को बधाई देते हुए कहा है कि, किसानों की समस्याओं के लिए संघर्षरत रहते हुए उनके समाधान के लिए प्रयास करें।

राज्यपाल से मिले पूर्व कुलपति संघ के प्रतिनिधि

जयपुर (कासं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे से शनिवार को लोकभवन में राजस्थान पूर्व कुलपति संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई दी। शिष्टमंडल ने राज्य की वर्तमान शैक्षिणक स्थिति और उच्च शिक्षा के परिदृश्य पर राज्यपाल के साथ विस्तृत चर्चा की। संघ के सदस्यों ने प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में चल रही शैक्षिणक गतिविधियों, शोध कार्यों और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव और जानकारी साझा की। इस अवसर पर राजस्थान पूर्व कुलपति संघ के अध्यक्ष, सचिव सहित प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति उपस्थित रहे।

जेडीए कमिश्नर ने किया सांगानेर का दौरा

सिद्धार्थ महाजन ने सांगानेर एलिवेटेड रोड, सांगानेर रेलवे फाटक पर आर.ओ.बी. और सेक्टर रोड के कार्यों को गति देने के निर्देश दिए

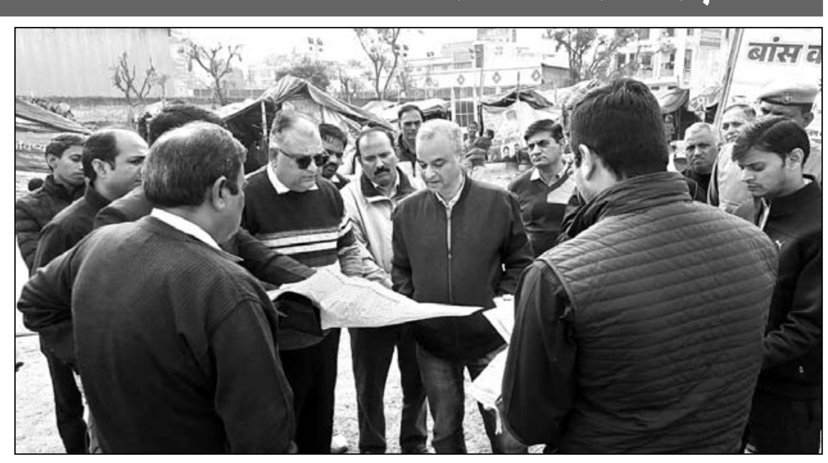

जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने शनिवार को सांगानेर विधानसभा क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया।

- **जेडीसी ने पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाने और सड़क निर्माण के कार्य का जायजा भी लिया**

जयपुर । जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने शनिवार को सांगानेर विधानसभा क्षेत्र का विस्तृत दौरा कर विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उनके साथ निदेशक अभियांत्रिकी (प्रथम एवं द्वितीय), संबंधित जोन उपायुक्त और अभियंता, उद्यानिकी अधिकारी उपस्थित रहे। जेडीसी ने सांगा सेतु से मालपुरा गेट (वाया चोरड़िया पेट्रोल पंप) तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड के एलाइनमेंट और तकनीकी पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस परियोजना के निर्माण में आ रही सभी बाधाओं की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए और उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि कार्य जल्द शुरू हो सके।

कल्याणपुरा आरओबी से रामपुरा रोड होते हुए प्रस्तावित सेक्टर रोड के निर्माण में आ रही समस्याओं और अतिक्रमणों का जायजा लिया गया। महाजन ने जोन उपायुक्त को निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में न्यायालय में वाद-विवाद चल रहा है, उनमें प्रभावी पैरवी की जाए और अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया जाए।

अधिकारियों ने बताया कि, सांगानेर रेलवे स्टेशन के पास स्थित फाटक पर दो लेन आरओबी का निर्माण रेलवे विभाग द्वारा करवाया जाना प्रस्तावित है। सांगानेर रेलवे स्टेशन के पास स्थित फाटक पर रेलवे विभाग द्वारा प्रस्तावित दो लेन आरओबी के लिए भूमि की उपलब्धता पर चर्चा की गई। जेडीसी ने निर्देश दिए कि इस आरओबी के लिए जेडीए द्वारा भूमि अवाप्ति की कार्यवाही नियमानुसार तुरंत प्रभाव से शुरू की जाए और रेलवे अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव अनुसार भूमि उपलब्ध करवाई जाए।

जेडीए कमिश्नर ने वंदे मातरम रोड एवं भारत माता सर्किल पर स्थित अतिक्रमणों को लेकर नाराजगी जताई और कोर्ट स्टे वाले मामलों में पुख्ता पैरवी कर अतिक्रमण हटाकर यातायात सुचारू करने के निर्देश दिए। उन्होंने वंदे मातरम रोड के दोनों और प्रस्तावित ग्रीन बेल्ट, मीडियन, सर्किल का भी निरीक्षण किया। जेडीसी ने उद्यानिकी शाखा को निर्देश दिए कि इस कार्य के निर्माण से पूर्व देशभर के मुख्य शहरों जैसे दिल्ली-चंडीगढ़ आदि में रोड साइड प्लांटेशन मॉडल का अध्ययन किया जाए। इसके लिए उद्यानिकी शाखा के अधिकारियों की एक टीम अगले सप्ताह अन्य राज्यों का दौरा करें, जिससे जयपुर में भी विश्वस्तरीय प्लांटेशन एवं सौंदर्यकरण कार्य किए जा सके, और यह रोड एक मॉडल रोड के रूप में विकसित हो सके। उन्होंने संबंधित इंजीनियर्स से सड़क और ग्रीन बेल्ट में किए जाने वाले सौंदर्यकरण एवं विकास कार्य यथा सिंथेटिक ट्रैक साइकिल ट्रैक एवं अन्य कार्य के संबंध में विस्तार जानकारी प्राप्त की। महाजन द्वारा न्यू सांगानेर रोड एवं वीटी रोड का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि बीआरटीएस कॉरिडोर को पूर्ण रूप से हटवा दिया गया है और यहां सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य करवाए जा रहे है। जेडीसी ने पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में सीवर लाइन बिछाने और सड़क निर्माण के कार्य का जायजा भी लिया।

महिला को 3 तलाक बोल घर से निकाला

जयपुर । लाल कोठी इलाके में विशेष समुदाय की महिला को उसके मोबाइल पर कॉल कर तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने कोर्ट से मिले इस्तगासे के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बताया जा रहा है कि शादी के बाद से उसका पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। आरोपी पति ने उसके साथ मारपीट की और तीन तलाक कहते हुए धक्का मार कर उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने बताया कि आदर्श नगर में रहने वाली 28 वर्षीय महिला ने मामला दर्ज कराया है कि कुछ साल पहले उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद से ही आरोपी पति उसके साथ मारपीट करता था। आरोप है कि नवम्बर-2025 में आरोपी पति ने उसको धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया।

लक्षिता गोयल को पीएचडी की उपाधि

जयपुर । आईआईएस यूनिवर्सिटी जयपुर ने लक्षिता गोयल को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की डिग्री के लिए योग्य घोषित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अकादमिक परिषद द्वारा दी जाने वाली मंजूरी की प्रत्याशा में लक्षिता द्वारा प्रस्तुत थीसिस को स्वीकार कर लिया है। ज्ञात रहे कि लक्षिता गोयल ने मैनेजमेंट स्टडीज विषय पर ''राजस्थान के स्वर्ण आभूषण व्यापारिक घरानों की मार्केटिंग रणनीतियां'' विषय पर शोध कार्य किया है। उन्होंने यह शोध कार्य पर्यवेक्षक प्रो. दीपिका सिंह की देखरेख में पूरा किया। लक्षिता गोयल को आगामी दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान की जाएगी।

4 लाख की स्मैक के साथ तस्कर दबोचा

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम ने शिवदासपुरा थाना इलाके में नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 79 ग्राम अवैध स्मैक और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। जब्त स्मैक की बाजार कीमत करीब चार लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस उपायुक्त अपराध अभिजीत ने बताया कि सीएसटी ने शिवदासपुरा में कार्रवाई करते हुए राहुल खरे निवासी अलेरा जिला झालावाड़ को गिरफ्तार किया।

यू-ट्यूब चैनल देखकर दो युवक बने तांत्रिक

- **रिश्तेदार की बीमारी का इलाज करने पहुंचे थे श्मशान घाट**
- **पूजा कर रहे दोनों युवको को स्थानीय लोगों ने पीटा**
- **सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में दोनों युवको को पकड़ा**

जयपुर (करां)। महेश नगर थाना इलाके में दो युवकों को यू-ट्यूब चैनल देखकर तंत्र विद्या करना भारी पड़ गया । स्थानीय लोगों ने शमशान घाट में दोनों युवको को तंत्र विद्या करते देख पकड़ लिया और दोनों की जमकर धुनाई कर दी। मारपीट की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवको को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

हैड कॉन्स्टेबल धर्मवीर सिंह ने बताया कि इलाके में स्थित राम नगर विस्तार निवासी 40 साल के युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनकी 15 साल की बेटी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। रामनगर विस्तार स्थित श्मशान घाट में गुरुवार को अंतिम संस्कार किया था। अंतिम संस्कार कर परिवार-रिश्तेदार सभी घर लौट गए थे। शुक्रवार सुबह करीब पौने 12 बजे शांति कुमार (47) और सुरेश कुमार (40) निवासी झालाना डूंगरी निवासी श्मशान घाट पहुंचे। श्मशान घाट आने के बाद दोनों अस्थियों से छेड़छाड़ कर तांत्रिक विद्या करने लगे। श्मशान घाट की देखरेख करने वालों ने अस्थियों के पास लोगों को अजीब हरकत करते देखकर पकड़ लिया।

पूछताछ करने पर दोनों ने मृतका के रिश्तेदार होने का बहाना बनाया। हंगामा होने पर स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए। शक होने पर अंतिम संस्कार करके गए परिजनों को जानकारी दी गई।

सूचना मिलने पर रिश्तेदार और परिजन भी मौके पर पहुंच गए और झूठ का पता चलने पर उन्होंने शांति कुमार और सुरेश की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो आरोपियों को थाने लाकर सख्ती से पूछताछ की तो पता चला की वो यू -ट्यूब चैनल देख कर अपने रिश्तेदार की बीमारी दूर करने के लिए तंत्र विद्या करने आए थे।

भारत के इतिहास में पहली बार आमजन के बीच होगी सेना दिवस परेड : भास्कर सावंत

सेना परेड दिवस की तैयारियों के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह ने ली उच्चस्तरीय बैठक

गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर सेना परेड के आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की।

- **'मातृशक्ति' को समर्पित होगी 9 जनवरी की सेना दिवस परेड**

जयपुर (कासं)। जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी, 2026 तक सेना दिवस परेड-2026 के भव्य एवं सफल आयोजन के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित होगी। शनिवार को सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सेना दिवस परेड के सफल आयोजन को लेकर गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित हुई। सावंत ने कहा कि यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भारतीय सेना के शौर्य एवं गौरव को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ व्यापक संवाद किया गया है।

बैठक के प्रारंभ में सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन ने सेना दिवस परेड के आयोजन को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब सेना दिवस परेड आमजन के बीच आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा इस आयोजन को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिक भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन एवं गौरव को निकट से अनुभव कर सकें। कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर द्वारा दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने सभी शैक्षिणक संस्थानों एवं संगठनों से आग्रह किया कि वे सोमवार तक परेड देखने के लिए आने वाले प्रतिभागियों की संख्या एवं विवरण उपलब्ध कराएं, जिससे व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा सकें। परेड के दौरान आमजन एवं आमंत्रित दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस सेवा, पार्किंग व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट्स, पेयजल एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं।

सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस, यातायात पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समन्वित कार्य योजना के तहत व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) योगेश दाधीच ने पार्किंग स्थलों, रूट डायवर्जन एवं यातायात सुचारू रखने हेतु की गई तैयारियों से अवगत कराया। बैठक में सेना भर्ती एवं अन्य सैन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में सेना दिवस परेड देखने के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार 9 जनवरी को आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड मातृशक्ति को समर्पित की गई है। इसके तहत अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उन्हें परेड देखने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि परेड में आने वाले सभी दर्शकों को सेना से संबंधित अनुशासन, सुरक्षा मानकों एवं आचरण संबंधी दिशा-निर्देशों की पूर्व जानकारी प्रदान की जाए। बैठक में जयपुर, अलवर, अजमेर, टोंक, सीकर, कोटपूतली, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, कुचामन-डीडवाना जिलों के अतिरिक्त जिला कलक्टर, पुलिस विभाग, आईसीडीएस, चिकित्सा, शिक्षा एवं यातायात पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विद्यार्थियों को करियर की सही दिशा देगा ''माय करियर एडवाइजर'' एप

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर हर विद्यार्थी के लिए पर्सनलाइज्ड करियर गाइडेंस सुविधा शुरू

- **इस मोबाइल एप में सेल्फ रिव्यू और रिपोर्ट शेयर करने जैसी सुविधाएं उपलब्ध है। छात्रों को 1500 से अधिक करियर विकल्पों और जॉब रोल्स की जानकारी मिलती है, जिनमें आर्ट एंड डिजाइन, बिजनेस एंड मार्केटिंग, इंजीनियरिंग, हेल्थ, स्पोर्ट्स, मीडिया, साइंस, एजुकेशन, ट्रैवल, हॉस्पिटैलिटी, एनवायरनमेंट और अन्य क्षेत्रों के अवसर शामिल हैं।**

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश के विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर तैयारी करने और सही करियर विकल्प चुनने में मदद के लिए पर्सनलाइज्ड करियर गाइडेंस मिलेगा। इस दिशा में शिक्षा विभाग ने ''माय करियर एडवाइजर'' मोबाइल एप लॉन्च किया है। यह नवाचार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों के लिए तैयारी के साथ जागरूकता बढ़ाने और बेहतर योजना बनाने में मददगार साबित होगा। आधुनिक, एआई आधारित करियर अवेयरनेस एवं गाइडेंस ऐप कक्षा 9 से 12वीं के विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों, अभिभावकों और काउंसलर्स के लिए भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। इस ऐप का विकास शिक्षा मंत्रालय एवं छब्म्त्ज्दृचैब्टम् ने किया है, जिसमें विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और कौशल के आधार पर पर्सनलाइज्ड करियर सलाह मिलती है।

''माय करियर एडवाइजर'' एप पर विद्यार्थी तीन प्रमुख मूल्यांकनों के माध्यम से अपना सेल्फ-रिव्यू कर सकते हैं। एप्टीट्यूड टेस्ट (20 मिनट), इंटरेस्ट टेस्ट (12 मिनट) व वैल्यूज टेस्ट (14 मिनट) के माध्यम से विद्यार्थियों का परीक्षण किया जाता है। इन परीक्षणों के आधार पर ऐप विद्यार्थियों को एआई आधारित करियर इनसाइट्स और मैच्ड रोल्स सुझाता है।

इस ऐप में कॉलेज डिग्री के साथ-साथ बिना डिग्री के जॉब ऑप्शन भी उपलब्ध हैं, जिससे हर प्रकार के विद्यार्थी को मार्गदर्शन मिल सके। इस ऐप के जरिए विद्यार्थी अपनी प्रोफाइल तैयार कर सकते हैं, पसंदीदा करियर विकल्प चुन सकते हैं और अपनी सेल्फ-रिव्यू रिपोर्ट, मैच्ड रोल्स और फेवरिट्स को अभिभावकों, शिक्षकों और सलाहकारों के साथ साझा भी कर सकते हैं, जिससे करियर संबंधी निर्णय और अधिक प्रभावी हो जाता है। माय करियर एडवाइजर ऐप पर छात्रों को 1500 से अधिक करियर विकल्पों और जॉब रोल्स की जानकारी मिलती है, जिनमें आर्ट एंड डिजाइन, बिजनेस एंड मार्केटिंग, इंजीनियरिंग, हेल्थ, स्पोर्ट्स, मीडिया, साइंस, एजुकेशन, ट्रैवल, हॉस्पिटैलिटी, एनवायरनमेंट और अन्य कई क्षेत्रों के अवसर शामिल हैं। ऐप में क्रॉस-सेक्टरल रोजगार विकल्प और भविष्य की करियर संभावनाओं की भी विस्तार से जानकारी दी गई है। राज्य सरकार की दूरदर्शी पहल और माय करियर एडवाइजर ऐप के साथ राज्य के प्रत्येक विद्यार्थी को उनकी क्षमता के अनुरूप न केवल करियर संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त हो सकेगा, बल्कि उनके हर सपने को पंख भी लगेंगे।

World Hypnotism Day: Celebrating the Power of the Mind

Observed annually on January 4, World Hypnotism Day highlights the fascinating art and science of hypnotism. From therapeutic applications like stress relief, pain management, and habit control to entertainment in stage performances, hypnotism demonstrates the power of focused attention and suggestion. The day also promotes awareness about ethical practices in hypnotherapy, dispelling myths of mind control or magic. Professionals and enthusiasts around the globe use this occasion to showcase demonstrations, conduct workshops, and educate the public about the benefits of hypnosis, reinforcing its role as a legitimate tool for mental and emotional wellbeing.

#ARTISTRY

The "love knot"

The Hellenistic Gold Armband with a Herakles Knot

Over 2,200 years old, this exquisite gold armband is one of the finest surviving examples of jewelry from the Hellenistic Greek period. Characterized by its luxurious materials and meticulous design, the piece features the Herakles knot, a powerful symbol of strength, protection, and unity.

Created by an artisan whose name has been lost to history, the armband embodies the sophistication of Hellenistic metalwork, where Greek artistry met the opulent influences of the wider Mediterranean and Near Eastern worlds.

Symbolism of the Herakles Knot

The Herakles (or Hercules) knot, also known as the 'love knot,' was a common motif in Greek jewelry. In myth, Herakles, the great hero renowned for his strength and courage, used such a knot to tie his own cloak. Over time, the design became a protective symbol, believed to ward off evil and ensure marital fidelity. In jewelry, it was often used to symbolize eternal love and protection, making it a popular motif for wedding ornaments or gifts of devotion.

Artistry and Materials

This armband's design demonstrates the technical mastery of Hellenistic goldsmiths. Crafted in pure gold, it is richly inlaid with garnets, emeralds, and enamel, adding vibrant color and contrast to its warm metallic sheen. The intricate filigree and stone settings highlight the artist's precision and the era's fascination with realism and detail.

The Hellenistic period (323-31 BCE) was marked by a surge in luxury art, as Greek aesthetics merged with Eastern influences following the conquests of Alexander the Great. Artisans of this era perfected new techniques in goldsmithing, enameling, and gemsetting, resulting in pieces that were both wearable and symbolic works of art.

Provenance and Modern Legacy

Today, this remarkable armband resides in the Metropolitan Museum of Art in New York City. It was acquired in 1999 through Ariadne Galleries, funded by the Mr. and Mrs. Christos G. Bastis Gift. The piece stands as a testament to the enduring elegance and ingenuity of ancient Greek craftsmanship.

Photographs of the artifact, including detailed views of its intricate knotwork and gemstones, were shared under Creative Commons (CC BY 2.0) by photographer Mary Harrsch, helping to make this ancient treasure accessible to audiences worldwide.

Cultural Significance

Beyond its aesthetic beauty, the armband offers insight into the values and beliefs of the Hellenistic world. Jewelry like this was more than mere decoration, it was a statement of identity, wealth, and faith in protective symbolism. The Herakles knot's enduring presence in art and fashion demonstrates how mythology continued to shape daily life long after Greece's classical age.

The Hellenistic gold armband with a Herakles knot remains a brilliant example of how ancient artisans blended art, myth, and meaning into enduring objects of beauty. Over two millennia later, it continues to captivate modern audiences with its elegance, craftsmanship, and timeless symbolism, reminding us that even the smallest works of art can tell powerful stories from humanity's shared past.

Lessons To Learn From The Blockage Of Suez Canal

PART:1

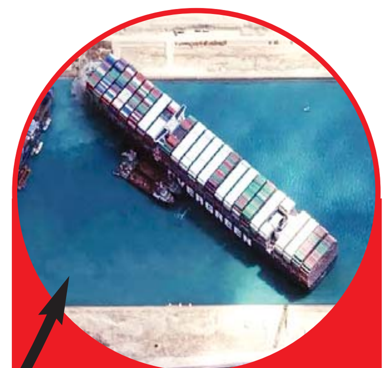

Palmerston's ally on the matter, a noted civil engineer named Robert Stephenson, summarized the sentiments of the majority against the proposed resolution for British support of the canal: "Nothing can be effected, even by the most unlimited expenditure of time, and life, and money, beyond the formation of a stagnant ditch between two almost tideless seas, unapproachable by large ships under any circumstances…"

While Waghorn died in 1850, Palmerston's hostility towards the project (Suez Canal) grew stronger in subsequent years. In 1851, he responded to the idea of a canal through Egypt by stating: "it shall not be made, it cannot be made, it will not be made; but if it were made, there would be a war between France and England for the possession of Egypt." Up to the end of his last term as Prime Minister, Palmerston's Foreign Secretary, Earl Russell, continued to refuse British support for the canal project, asserting that its completion was not in Britain's interests: "the British Government can in no case guarantee, promote, or favour the Suez Canal, which they would wish to see abandoned." Palmerston's influence over British public opinion, bloated by his vindication in the Don Pacifico affair and the death of his political rival, the Duke of Wellington, provided for this stance to persist until his death in 1861.

How one of the World's Biggest Ships jammed the Suez Canal.

Ferdinand de Lesseps, French Engineer.

Mohammad Said.

Thomas Waghorn.

#BUSINESS

● Kshema Jatuhkarna

By the time a 1,300-foot-long cargo vessel had been dislodged from its horizontal grounding on a bank of the Suez Canal in late spring, the world had been reminded of the crucial role of a major artery of international trade. Cutting off traffic within the waterway for six days not only had an immediate effect, it has also caused a months-long backlog among ports and other delivery mechanisms. Assumptions about the stability of global supply chains and the efficacy of alternatives have been turned on their head. Reliance on the status quo prompted a sclerotic response. None of these failures of imagination are new. In fact, the history of this particular naval passage bears out the repeated failure of great powers to assess the significance of transformations in global supply lines and their impact on relations among great powers.

Since the Suez Canal's inception, its control has been the subject of considerable strategic wrangling, as well as the impetus for intrigue. Yet, the political and economic competition in the 19th century surrounding its construction usually constitutes only a footnote in accounts of the later Suez Crisis of 1952. Examining the imperial clash at the heart of earlier episodes of competition to control the waterway elucidates relevant themes in the evolution of great power competition over vital lines of trade.

Britain was to gain most but resisted most

The Suez Canal transformed transportation among three continents. In a few short years of operation, it became the dominant route between European powers and their colonies in Asia and East Africa. When the Suez Canal opened in 1869, the main seaborne path to Asia required a long, dangerous, and tedious voyage around the Cape of Good Hope. Though all naval powers would benefit from the expedient new route, one country in particular had significant potential for the advancement of its interests through the planned waterway. Britain stood to gain much from the construction of the Suez Canal. Most notably, the canal would enhance the Empire's relationship with its greatest imperial prize: India. By dramatically reducing the travel time and distance between Britain and the subcontinent, the waterway would allow Britain to further pursue its main economic and strategic interests in that region. Despite these potential advantages of the Suez Canal for Britain, the Empire opposed the development of the canal for over a decade after Said Pasha, then Viceroy of Egypt, granted the concession for its construction in 1854.

Several important factors led to Britain's early opposition to the Suez Canal. Longstanding British fears about loss of the India trade contributed to the Empire's predisposition against the construction of the canal. This general motivation compounded with specific strategic concerns and deep political prejudice to sustain an impolitic foreign policy towards the canal well into its construction. Acknowledgement by British officials of the canal's imminent completion led to gradual change in British policy on the matter. After acquiring control of the Suez Canal Company and enjoying several years as its biggest customer, Britain usurped the canal with its invasion of Egypt in 1882. These changes demonstrate that in a little less than 20 years, the Empire had dramatically shifted its policy towards the waterway.

The Canal's Advantages for Britain

For obvious reasons, the British Empire stood to gain the most of any European power from the new waterway. Britain's favorable circumstances were linked to its imperial holdings in Asia. By the mid-19th century, Britain had significant economic and strategic interests in India, its largest colony. By dramatically decreasing the travel distance and time between Britain and the subcontinent, the Suez Canal was poised to advance these interests significantly. Ministers in foreign ministries across Europe estimated that the canal shaved nearly 4,200 kilometers from the average voyage to India, halving the distance between the Port of Bristol and Bombay. Nautical passage through Egypt's harsh desert also reduced the travel time between Europe and India by up to five weeks for the largest European vessels. These developments augured a sharp decrease in transit costs that served Britain's economic interests in India.

The economy of the British Empire depended on consistent, safe and efficient passage to the subcontinent. Britain's governing powers extorted taxes and monopolies on primary goods, such as salt, throughout the period of the British Raj. British officials also vigorously promoted Indian production of goods essential for the Empire's industries while manipulating tariffs to help exports. The Raj even went so far as to guarantee high rates of interest on railway construction to ensure penetration into India's interior.

Mutiny of 1857.

Prime Minister Lord Palmerston.

Furthermore, the British Empire maintained significant strategic interests in India. Most tactical calculations made by the Foreign Office regarding India related to the Empire's military strength and its ability to challenge Russia's advance in Central Asia. Emphasizing its might as a naval power, Britain maintained only a small standing army. One of its main reserves of troops lay in India. What began as a contingent of just over 45,000 soldiers serving the British East India Company grew into three standing armies, totaling 131,000 troops, by 1862. By 1880, the Raj's forces had grown to 137,000 troops. Half of the Empire's expenditures in India were specifically dedicated to military forces, totaling 12,207,681 pounds from 1884 to 1885. In addition to sustaining the general security over its global empire that access to British-Indian troops provided, Britain was desperate to maintain its troops in India as a check against Russia's advance towards the colony. By the 1870s, Russian troops had moved within 650 kilometers of India's Punjab province. Had Russian forces crossed India's border, British-Indian troops would have been the colony's main defense. Consistent and efficient transit over the seaborne passages to the subcontinent remained vital to maintaining the readiness of troops. The Suez Canal stood to strengthen the colony and the Empire's defenses by expediting the process of replenishing the supplies of British-Indian troops. The Indian Mutiny of 1857 highlighted the strategic advantages of a shorter route to the subcontinent. During the insurrection, the British Empire learned a hard lesson about the cumbersome distance between its capital and the centers of power within the colony. Officials in London heard about the mutinies in Meerut, Delhi, and Cawnpore 30, 40 and 50 days respectively after each event's date. Troopships dispatched from Britain faced a three-month delay before arrival in India. Consequently, Delhi was relieved by troops from the Punjab, without aid from a single British soldier. Had the delays been cut in half, Britain might have suffered significantly less damage to its prestige and imperial holdings.

Indian Army.

King George VI is driven past cheering Indian troops on his way to a ceremony to invest Sepoy Kamal Ram with the Victoria Cross, Italy, 26 July 1944.

British Opposition to the Suez Canal

One might guess that the clear economic and strategic advantages of the canal for Britain would have led its government to craft a foreign policy aimed at hastening the waterway's construction. Yet, the historical record reveals that Britain's policy dating back to the original canal concession centered on obstruction of the project. Britain's foreign policy perspective on the canal was first evident in the responses of prominent statesmen to proposals for a waterway across Egypt's isthmus. In 1847, both Thomas Waghorn, known for his pioneering of Britain's postal service, and future Prime Minister Lord Palmerston, expressed reservations about a canal between the ports of Said and Suez. Waghorn believed that a canal should only be constructed if it expressly served British interests, which he argued was not possible given the Empire's lack of influence in Egypt. Palmerston asserted that such a canal would be too costly and impracticable. He favored an overland route instead.

While Waghorn died in 1850, Palmerston's hostility towards the project grew stronger in subsequent years. In 1851, he responded to the idea of a canal through Egypt by stating: "it shall not be made, it cannot be made, it will not be made; but if it were made, there would be a war between France and England for the possession of Egypt." Up to the end of his last term as Prime Minister, Palmerston's Foreign Secretary, Earl Russell, continued to refuse British support for the canal project, asserting that its completion was not in Britain's interests: "the British Government can in no case guarantee, promote, or favour the Suez Canal, which they would wish to see abandoned." Palmerston's influence over British public opinion, bloated by his vindication in the Don Pacifico affair and the death of his political rival, the Duke of Wellington, provided for this stance to persist until his death in 1861.

Bathymetric chart, northern Gulf of Suez, route to Cairo, 1856

Before 1859, Britain denied the canal's feasibility whenever possible. The Palmerston Governments of the 1850s continued their general arguments that a canal was too costly and impractical to ever see the light of day. Nothing changed under the brief Derby government from 1858 to 1859. Benjamin Disraeli, then Chancellor of the Exchequer under the Earl of Derby, referred to the Suez Canal as 'a most futile idea-totally impossible to be carried out.' In 1859, only a few months before John Hawkshaw, President of England's Institution of Civil Engineers, reported the steady success of the canal's construction, Lord Palmerston reasserted the futility of the project in Parliament. Palmerston's ally on the matter, a noted civil engineer named Robert Stephenson, summarized the sentiments of the majority against the proposed resolution for British support of the canal: "Nothing can be effected, even by the most unlimited expenditure of time, and life, and money, beyond the formation of a stagnant ditch between two almost tideless seas, unapproachable by large ships under any circumstances…"

Until 1865, Britain actively impeded the construction of the Suez Canal. Although a private agreement between the French and British Governments precluded their ambassadors in Constantinople from publicly pressing the Sultan with their opposing positions on the matter, Britain attempted to undermine the project from the first days of construction in 1859. In the months after digging began, Sir Henry Bulwer, Britain's Ambassador to the Porte, had letters sent from the Sultan's Viziers to Egypt's local authorities, ordering them to stop construction immediately and to wait for the Sultan's official approval, as stipulated in the original concession. These attempts had minimal success, halting construction only briefly in November 1859, when a Turkish emissary convinced the European Consuls in Egypt to cease the incursion on Ottoman sovereignty by Ferdinand de Lesseps, the French entrepreneur who developed the Suez Canal. While this disruption was short-lived, Britain influenced the canal's development greatly by joining with the Porte later in the year to oppose construction of the 'the French canal.' This precipitated a crisis between Egypt and the Canal Company because Chèrif Pasha, Said's chief minister, responded a month later by ordering the immediate cessation of construction. These efforts, along with Britain's repeated public jockeying to stop forced labor on the canal, helped to destabilize the relationship between de Lesseps, the Canal Company's stockholders, the Ottoman Sultan, and the Egyptian Viceroys who oversaw the project. While invoking its traditional role as fair-weather protector of the Ottoman Empire, Britain also backed the Sultan's appeals to alter the original canal concession, contributing to the tensions which were ultimately resolved through 'imperial arbitration' by France in 1864. Yet, even this difficult episode succeeded only in slowing construction of the canal, which opened in 1869.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

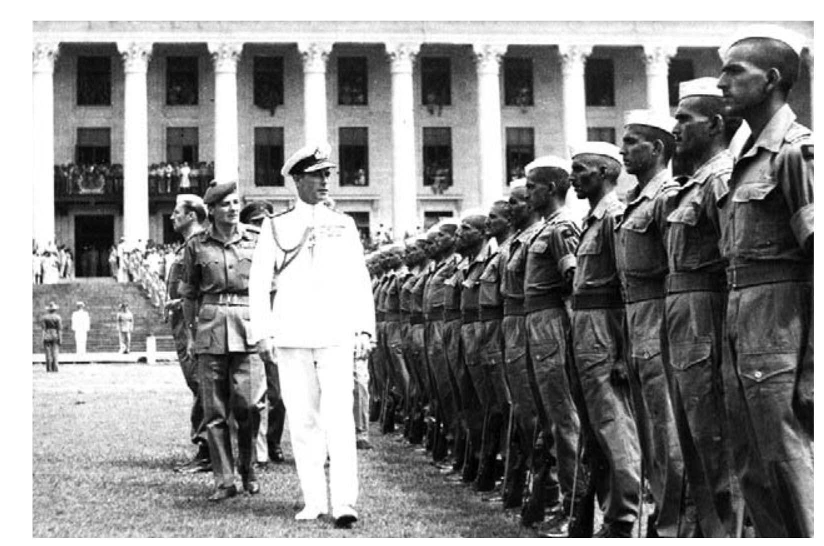

Mountbatten inspects Indian troops at Singapore, 1945.

THE WALL

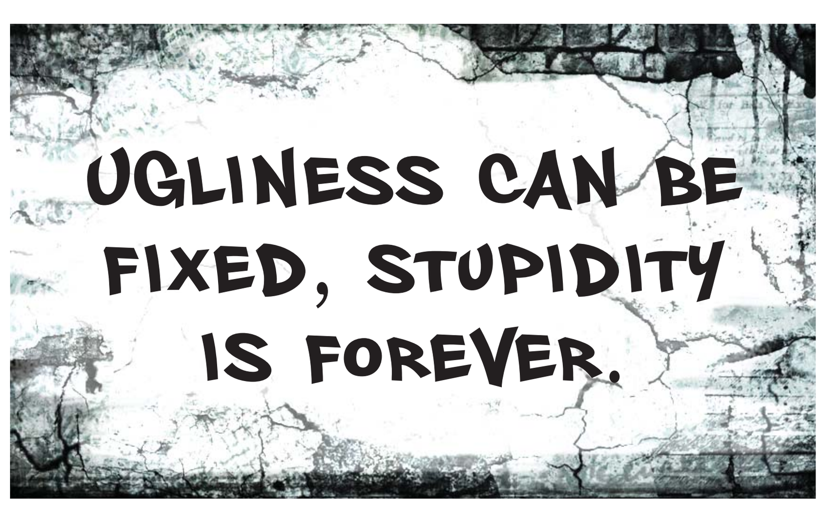

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

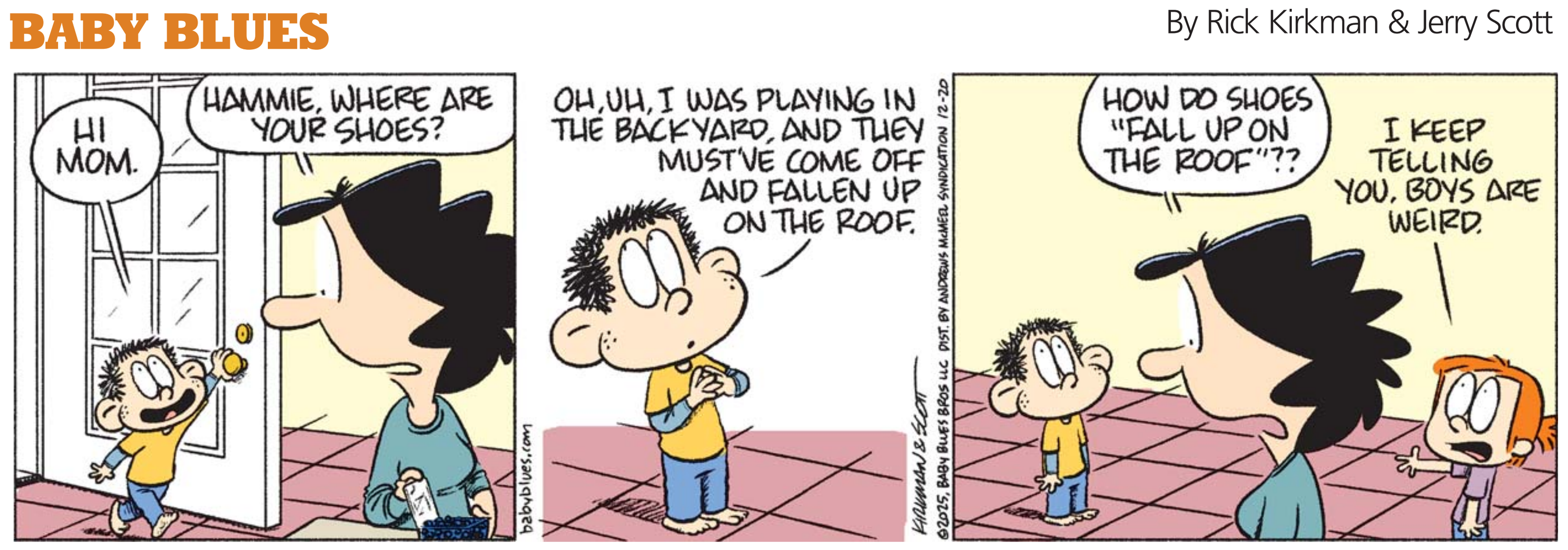

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

न्याय के प्रति विश्वास को कायम रखने में अधिवक्ता की विशेष भूमिका : देवनानी

बार एसोसिएशन उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिकरत की

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता समाज की महत्वपूर्ण धुरी है। न्याय के प्रति विश्वास को कायम रखने में उनकी विशेष भूमिका है। अधिवक्ता अपने कार्य में शुचिता, सौहार्द और संवेदनशीलता का सम्मिश्रण करते हुए पीड़ित और जरूरतमंद को सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के लिए प्रयास करें। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को आरएनटी मेडिकल कॉलेज के न्यू ऑडिटोरियम में उदयपुर बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज्ञानप्रकाश गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य जस्टिस रामचंद्रसिंह झाला तथा अतिरिक्त महाधिवक्ता डॉ. प्रवीण खण्डेलवाल रहे। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। निवर्तमान अध्यक्ष चंद्रभानसिंह शक्तावत, महासचिव

बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संबोधित किया।

महावीरप्रसाद शर्मा, नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेंद्र जैन, महासचिव लोकेश गुर्जर सहित पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। बार एसोसिएशन उदयपुर की परंपरा के अनुसार निवर्तमान अध्यक्ष शक्तावत ने नवीन अध्यक्ष जैन को शपथ दिलाई। वहीं अध्यक्ष जैन ने महासचिव सहित कार्यकारिणी को शपथ ग्रहण कराई।

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था का इतिहास काफी प्राचीन है। मनुस्मृति और कौटिल्य अर्थशास्त्र में भी इसका उल्लेख है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अधिवक्ताओं का बड़ा योगदान रहा है। महात्मा गांधी, सरकार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय, चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य, चितरंजन दास जैसे अनेकों अनेक स्वतंत्रता सैनानी पेशे से वकील रहे हैं। आजादी के बाद भारत के संविधान की रचना में भी अधिवक्ताओं की खास भूमिका रही है। समाज में न्याय की प्रतिष्ठा और सामाजिक संतुलन को बनाए रखने में आज भी अधिवक्ताओं की प्रांसगिकता स्वयं सिद्ध है। देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता का कार्य सिर्फ अपने मुवक्किल के पक्ष में मुकदमा जीतना नहीं होना चाहिए, अपितु न्याय की सुनिश्चितता का ध्येय सर्वोपरि होना चाहिए। कानून पर समाज का भरोसा कायम रखने की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन और बैंच-बार की समान रूप से है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता युवाओं को प्रेरित और संस्कारित करें,

■ बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष से उदयपुर में हाईकोर्ट बैंच की लंबित मांग को पूर्ण कराने में सहयोग की अपील की

ताकि न्याय की गरिमा बनी रहे। देवनानी ने कहा कि न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वह पट्टी हटा दी है। इससे न्याय के प्रति पारदर्शिता और निष्पक्षता के भाव और अधिक मजबूत होंगे। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष से उदयपुर में हाईकोर्ट बैंच की लंबित मांग को पूर्ण कराने में सहयोग की अपील की। इस पर देवनानी ने आश्वस्त किया कि बार प्रतिनिधिमंडल के जयपुर आगमन पर मुख्यमंत्री, कानून मंत्री आदि से मुलाकात में वे सेतु की भूमिका निभाएंगे। साथ ही अपनी ओर से भी इसके लिए वकालत करेंगे।

मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व मैनेजर सहित तीन पर धोखाधड़ी का आरोप

अलवर, (निसं)। अलवर में शहर के हनुमान सर्किल स्थित मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड शाखा में गोल्ड लोन के नाम पर फर्जीवाड़ा सामने आया है। मामले में परिवादी रविन्द्र सिंह ने फाइनेंस कंपनी के पूर्व शाखा प्रबंधक, कर्मचारी सहित तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और षड्यंत्र रचने के आरोप लगाए हैं।

परिवादी रविन्द्र सिंह पुत्र हरि सिंह निवासी सीताहर टिटपुरी, हाल निवासी शिवाजी नगर पालका अलवर ने बताया कि उसने जुलाई 2024 में मणप्पुरम फाइनेंस की हनुमान सर्किल शाखा से दो गोल्ड लोन लिए थे। इनमें पहले लोन की राशि 1 लाख 60 हजार 310 रुपए और दूसरे लोन की राशि 1 लाख 15 हजार रुपए थी। परिवादी ने बताया कि उसने दोनों गोल्ड लोन की पूरी राशि 21 नवंबर 2025 को जमा कर दी, लेकिन जब वह अपना गिरवी रखा सोना लेने पहुंचा तो कंपनी कर्मचारियों ने गोल्ड

■ कस्टमर के नाम से फर्जी लोन उठाया, गोल्ड लोन चुकाने के बाद भी नहीं मिला जेवर

लौटाने से मना कर दिया। आरोप है कि कंपनी के कर्मचारी राहुल ने कहा कि परिवादी के नाम से एक तीसरा गोल्ड लोन भी चल रहा है, जिसे पहले बंद कराना होगा। परिवादी के अनुसार उसने तीसरे लोन से पूरी तरह मना किया, लेकिन कंपनी द्वारा अक्टूबर 2024 का एक कथित गोल्ड लोन दिखाया गया, जिसकी राशि करीब 1 लाख 10 हजार रुपए बताई गई। जब परिवादी ने लोन के दस्तावेज देखे तो उसमें किसी अन्य व्यक्ति की फोटो लगी हुई थी और फॉर्म पर किए गए हस्ताक्षर भी फर्जी पाए गए। परिवादी का कहना है कि उसने न तो ऐसा कोई आवेदन भरा और न ही तीसरे गोल्ड लोन के लिए कोई सोना जमा कराया।

परिवादी ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2024 में तत्कालीन शाखा प्रबंधक दिलीप कुमार शर्मा का फोन आया था, जिसमें बताया गया कि गलती से किसी अन्य ग्राहक की राशि 1 लाख 9 हजार रुपए उसके खाते में चली गई है। विश्वास में आकर परिवादी ने यह राशि दिलीप शर्मा और कर्मचारी राहुल के खातों में ट्रांसफर कर दी। बाद में यही रकम फर्जी गोल्ड लोन से जुड़ी पाई गई।

परिवादी का आरोप है कि आरोपियों ने आपसी षड्यंत्र रचकर फर्जी दस्तावेज, फर्जी फोटो और फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए उसके नाम से नकली गोल्ड लोन उठाया और रकम हड़प ली। जब परिवादी ने थाना वैशाली नगर में रिपोर्ट दर्ज करानी चाही तो पुलिस ने न्यायालय से आदेश लाने को कहा, जिसके बाद इस्तगासे से थाने में मामला दर्ज हुआ है।

स्मैक सहित तीन युवक गिरफ्तार, कार जब्त

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर सरवाड़ पुलिस ने शनिवार को अवैध स्मैक के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार कर एवं कार जब्त की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम ने पुलिस थाने के बाहर नाकाबंदी के दौरान अवैध मादक पदार्थ स्मैक 3.60 ग्राम व एक कार को जब्त किया। वहीं पुलिस टीम ने नरपतराम पुत्र मनीराम विश्नोई निवासी गांव रेण पुलिस थाना मेड़ता रोड जिला नागौर व शेर सिंह पुत्र धर्मरामि विश्नोई नेणास पुलिस थाना मेड़ता रोड नागौर एवं सुनील कुमार पुत्र भंवरलाल विश्नोई निवासी मेड़ता रोड जिला नागौर को गिरफ्तार किया। वहीं पूछताछ एवं तलाशी ली गई, जिस पर अवैध मादक पदार्थ मिला। इस दौरान पुलिस टीम में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा, शुभकरण दातार सिंह, हरिराम व कमलेश कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

कोटा बाल सुधार गृह से गार्ड को चकमा देकर दो नाबालिग फरार

कोटा, (निसं)। बाल सुधार गृह से शनिवार को दो नाबालिग के फरार होने का मामला सामने आया है। दोनों फरार नाबालिग में से एक पर चाकू दिखाकर लूट की वारदात का मामला था एवं दूसरा नाबालिग पर बच्चे के अपहरण का मामला था।

जानकारी के अनुसार दोनों नाबालिग बाल सुधार गृह में तैनात गार्ड को चकमा देकर मौका पाकर फरार हो गये। मामला आरकेपुरम् थाना क्षेत्र का है। दोनों नाबालिग के फरार होने की सूचना आरकेपुरम पुलिस को दी गई,

■ एक पर लूट व दूसरे पर अपरहण का मामला बताया जा रहा है

सूचना पाकर आरकेपुरम् पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन की। पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि उद्योग नगर थाना इलाके में चाकू दिखाकर लूट की वारदात के मामले में बालसुधार गृह में बंद 16 वर्षीय नाबालिग एवं गुमानपुरा थाने में बच्चे के अपहरण के आरोप में बाल सुधार गृह में सजा काट रहा 17 वर्षीय नाबालिग दोनों बाल सुधार गृह से फरार हो गये। दोनों के फरार होने का मामला दर्ज कर लिया है। दोनों फरार नाबालिग की तलाश के लिये टीमें गठित कर दी है एवं पूरे मामले की जांच की जा रही है कि मामले में किसी गलती कहा हुई है। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि बाल सुधार गृह में सुरक्षा के लिये प्राईवेट गार्ड को तैनात किया हुआ है, मामले की हर पहलू पर जांच की जा रही हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कोटा-हाड़ौती ट्रैवल मार्ट में प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

कोटा, (निसं)। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने एक नव पहल के रूप में कोटा में आयोजित तीन दिवसीय कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के दूसरे दिन शनिवार को कोटा में सिटी हिल आर्ट में ट्रैवल मार्ट में बी2बी प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने वहां लगी स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने देश के 26 राज्यों से आए ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, होटल व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों की उपस्थिति में

■ 'कोटा हाड़ौती ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा'

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार का विजन है कि राज्य की राजधानी के अलावा भी अन्य शहरों में भी ट्रैवल मार्ट तथा अन्य आयोजन किये जाए जिससे कि स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के ऐसे स्थान जहां अभी तक पर्यटन उस स्तर पर विकसित नहीं हुआ है ऐसे अनछुए पर्यटक स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों के कैलेंडर में कोटा हाडौती भी शामिल हो इस हेतु

उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने बी2बी प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया।

प्रयास किया जा रहे हैं।

दिया कुमारी ने कहा कि कोटा-हाड़ौती ट्रेवल मार्ट 2026 केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि हाड़ौती क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन क्षमता को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोटा में अब एयरपोर्ट भी शुरू होगा, रोड कनेक्टीविटी भी विकसित हुई है। कोटा हाड़ौती ट्रेवल मार्ट के माध्यम से राजस्थान सरकार ने पहली बार प्रयास किया गया है कि क्षेत्र भी पर्यटन मानचित्र में उभर कर आए। इस आयोजन में बड़ी संख्या में होटेलियर्स और टूर ऑपरेटर्स की सहभागिता तथा स्थानीय लोगों का उत्साह प्रशंसनीय है। यह आयोजन हाड़ौती क्षेत्र को एक उभरते हुए पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कोटा हाड़ौती ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा। दिया कुमारी ने होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान की स्टॉल का अवलोकन किया तथा इस अवसर पर फैडरेशन के अध्यक्ष हुसैन खान, कोटा संभाग अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी, संरक्षक सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, महासचिव रणविजय सिंह सहित फैडरेशन के सभी संभागों के पदाधिकारियों की ओर से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया गया एवं पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। उप मुख्यमंत्री ने होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान की कोटा संभाग की स्मारिका का विमोचन भी किया। पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने बताया कि कोटा-हाड़ौती ट्रेवल मार्ट के माध्यम से कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां जैसे हाड़ौती अंचल के जिलों की पर्यटन संभावनाओं को एक साझा मंच पर प्रस्तुत किया गया है। इससे हाड़ौती क्षेत्र में पर्यटन निवेश नए पर्यटन उत्पादों के विकास तथा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

थर्मोकोल के खाली बक्सों से भरे मिनी ट्रक आग लगी

टोंक, (निसं)। देवली के समीप स्थित चिंताहरण बालाजी तिराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब थर्मोकोल के खाली बक्सों से भरे एक मिनी ट्रक में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में ट्रक आग के गोले में तब्दील हो गया। इस दौरान ट्रक चालक ने आग के पता चलते हुए समझदारी दिखाते हुए ट्रक को सड़क से नीचे उतार दिया तथा समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवली थाना क्षेत्र की गोपीपुरा कॉलोनी निवासी नीरज पांचाल चालक ने अपने मिनी ट्रक के किसी हिस्से की वेल्डिंग करवाने के लिए चिंताहरण बालाजी क्षेत्र में आया था। इसी दौरान ट्रक की बैटरी में शॉर्ट सर्किट होने से ट्रक में रखे थर्मोकोल के बक्सों ने आग पकड़ ली। थर्मोकोल की

पानी की मोटर से पानी डालकर आग पर काबू पाया।

वजह से आग चंद सेकंड में पूरे ट्रक में फैलने लगी। हालात की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने तुरंत ट्रक स्टार्ट किया और डिवाइडर पार कर सड़क के नीचे उतार लिया। बाद में वहां पास में उपलब्ध पानी की मोटर को चालू कर पानी की बौछारें डालकर आग पर काबू पाया गया।

दिया कुमारी का टोंक में स्वागत

टोंक, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का मुख्यालय स्थित होटल पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यकर्ताओं को उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संदेश दिया।

लॉरेंस गैंग के लिए रंगदारी मांगने के मामले में पांच गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। लॉरेंस गैंग के लिए 91 लाख की रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में रायसिंहनगर थाना पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक नौ आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इससे पहले पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से इनोवा क्रिस्टा कार में 91 लाख कैश बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिसमें बाप-बेटा भी शामिल थे।

रायसिंहनगर थाना पुलिस ने गश्त-नाकाबंदी के दौरान बाजुवाला चौक पर एक ईनोवा क्रिस्टा कार में सवार तीन आरोपियों को रोककर पूछताछ की थी, जिनके कब्जे से रंगदारी के 90 लाख 84 हजार 900 रुपए बरामद किए थे। पूछताछ के बाद एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस इन्वेस्टिगेशन में सामने आया कि आरोपी साहिल उर्फ शंटी व अक्षय, दोनों आरजू बिश्नोई व लॉरेंस गैंग के लिए काम करते हैं। आरोपी लोगों को जान से मारने की धमकी देकर संगठित आपराधिक गैंग बनाकर फिरौती वसूल करते हैं। पुलिस ने इससे पहले चार आरोपियों कुलदीप कुमार, अमन कुमार, रामस्वरूप, योगेश कुमार को गिरफ्तार किया था, जो पुलिस रिमांड पर चल रहे है। वहीं, अब आरोपी जयमल जांदू, जयपाल जांदू, मनीष बिश्नोई, घनश्याम बिश्नोई, बलविन्द्र उर्फ विनोद भादू को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिनसे और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है।

पाइप लाइन टूटने से मुख्य सड़क पर भरा पानी

चूरू, (कासं)। भालेरी रोड़ पर स्थित पंचायत समिति के सामने पाइप लाइन टूट जाने से बिना बारिश के ही मुख्य सड़क पर भारी मात्रा में पानी एकत्रित हो गया है। इससे यहां दुर्घटनाएं हो रही है। वहीं आमजन को काफी परेशानी हो रही है। उल्लेखनीय है कि यहां से कलैक्टर का कार्यालय सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर ही है। कलैक्टर सहित कई उच्च अधिकारी और जनप्रतिनिधि रोजाना इस मार्ग से गुजरते हैं, परन्तु समस्या का समाधान कोई नहीं कर रहा है।

पशुधन निरीक्षकों से चुनाव कार्य करवा रहे हैं भरतपुर एसडीएम

भरतपुर, (निसं)। मूक प्राणियों की चिकित्सा करने वाले पशुधन निरीक्षकों को जिला प्रशासन ने चुनाव ड्यूटी में बीएलओ व चुनाव पर्यवेक्षण कार्य में लगाकर पशुपालकों को मुसीबत में डाल दिया है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में

■ पशु धन निरीक्षकों को बीएलओ व चुनाव पर्यवेक्षण कार्य में लगाकर पशुपालकों को मुसीबत में डाला

कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने अतिरिक्त जिला कलैक्टर घनश्याम शर्मा को मांग पत्र सौंपा।

मांग पत्र में बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर के 4 अगस्त 2018 एवं 17 अक्टूबर 2023 को जारी आदेश में स्पष्ट है कि पशु चिकित्सा कार्य आवश्यक सेवाओं में है, अतः पशु चिकित्सा कार्य करने वाले पशुधन निरीक्षक व पशु चिकित्सा अधिकारियों की किसी भी परिस्थिति में चुनाव ड्यूटी नहीं लगाई जावे।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने अति. जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपकर ड्यूटी निरस्त करने की मांग की।

एसडीएम भरतपुर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी जयपुर के आदेशों का उल्लंघन करते हुए पशुधन निरीक्षकों की बीएलओ व चुनाव कार्य में ड्यूटी लगा दी है। अधिकांश पशु चिकित्सा संस्थाओं में एक ही पशुधन निरीक्षक की ड्यूटी है, जिससे गरीब पशुपालक अपने पशुओं को इलाज कराने से वंचित हो रहे हैं।

कर्मचारी संयुक्त महासंघ के पदाधिकारियों ने मांग की है कि पशुधन निरीक्षकों की चुनाव कार्य में लगाई गई ड्यूटी अविलंब निरस्त की जाये एवं भविष्य में भी पशु चिकित्सा से जुड़े पशुधन निरीक्षक व पशु चिकित्सा अधिकारियों की ड्यूटी नहीं लगाई जाये। अतिरिक्त जिला कलैक्टर शर्मा ने ड्यूटी निरस्त करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला महामंत्री ब्रजमोहन शर्मा पटवारी, पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के जिला मंत्री सुनील कुमार, संयोजक विष्णु कुमार, रामकिशोर गोयल पशुधन निरीक्षक, मनीष कुमार पशुधन निरीक्षक, मीडिया प्रभारी नरेश कुमार पशुधन निरीक्षक, प्रदीप कुमारी पशुधन निरीक्षक, कीर्ति कुमारी पशुधन निरीक्षक तथा पशुधन निरीक्षक कविता सिंह मौजूद थी।

महासंघ के मीडिया प्रभारी प्रेम मंगल ने बताया कि चार जनवरी को भरतपुर तहसील के मीटिंग हॉल में महासंघ की जिला महासमिति की बैठक होगी जिसमें सभी ब्लॉक पदाधिकारी व जिला पदाधिकारी एवं सभी विभागों के जिला अध्यक्ष, जिला मंत्री एवं पदाधिकारी आवश्यक रूप से उपस्थित रहेंगे। बैठक में 12 जनवरी को जयपुर में होने वाली कर्मचारी संयुक्त महासंघ की ऐतिहासिक चेतावनी महारैली में अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारियों को जयपुर ले जाने पर विचार विमर्श किया जाएगा। एवं सभी विभागीय जिला अध्यक्ष व जिला मंत्रियों को आवश्यक दायित्व सौंपे जाएंगे।

बूंदीवासियों को 'नगर वन' की सौगात मिलेगी

बूंदी, (निसं)। बूंदी शहर व आसपास के गांवों के साथ साथ राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर बूंदी टनल से गुजरने वाले राहगीरों को नए साल में जल्दी ही नगर वन की सौगात मिलेगी। वन विभाग ने 72 लाख की लागत से बनने वाले नगर वन का काम शुरू कर दिया है। प्रथम चरण में यहां 50.40 लाख रुपये के टेंडर हुए थे जिनका काम शुरू हो गया है। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में बन रहे इस नगर वन के तैयार होने से बूंदी के प्राकृतिक सौंदर्य में एक सौगात ओर जुड़ने वाली है।

वन विभाग ने टाइगर रिजर्व क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 52 स्थित टनल के पास विलायती बबूलों से अटे पड़े 18 हेक्टेयर वन क्षेत्र को नगर वन के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत टनल के बाहर बूंदी शहर के नजदीकी जंगल को चुना गया है। उम्मीद है कि जल्दी ही शहर के लोगों को घूमने के लिए शुद्ध प्राकृतिक वातावरण का नया ऑक्सीजोन मिलेगा। शहर के नजदीक हाइवे पर बनने वाले नगर वन में बिलायती बबूलों को हटाने

वन विभाग ने विलायती बबूलों से अटे 18 हेक्टेयर वन क्षेत्र को विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की।

का कार्य शुरू हो गया है। यहां जल्दी ही तार फेंसिंग, बोरिंग मय सोलर पंप, प्रवेश द्वार, प्राकृतिक झोपड़ियां, सुविधाएं व फलदार व छायादार पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। गौरतलब है कि कोटा से जयपुर जाते समय टनल के दोनों तरफ यात्रियों का ध्यान जाता है जहां विलायती बबूलों का जंगल दिखता है। अब यहां नगर वन बनने से उम्मीद जताई जा रही है कि यह क्षेत्र अब यहां से गुजरने वाले राहगीरों को भी आकर्षित करेगा तथा क्षेत्र की जैवविविधता भी समृद्ध होगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर बूंदी टनल के पास कोटा की तरफ वाले सिरे पर विकसित किए जा रहे नगर वन के साथ सिटी पार्क विकसित करने की भी योजना है। वन विभाग ने इसके लिए टनल से लगते अस्तोली की तरफ के जंगल में सिटी पार्क के लिए प्रस्ताव भेजा है। नगर वन के पास ही सिटी पार्क बनने से टनल के दोनों तरफ हरा भरा सुंदर ऑक्सीजोन मिलने की उम्मीद है।

भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी की मौत

परिजनों ने जेल प्रशासन और अस्पताल पर इलाज में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए

- **चर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में दोषी था मृतक और तीन महीने पहले उम्रकैद की सजा सुनाई थी**
- **मृतक की पत्नी कृतिका ने बताया कि उनके पति ने जेल से बेटी को फोन कर अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में शुक्रवार देर रात आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी कृष्ण कुमार (57) उर्फ बेबी की मौत हो गई। वह चर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में दोषी था और करीब 3 महीने पहले ही उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। मौत के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन और अस्पताल पर इलाज में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। संजय बिहारी हत्याकांड में कोर्ट ने 3 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इनमें से एक आरोपी नरेश सिंघल की 23 अक्टूबर 2025 को सेंट्रल जेल में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। अब कृष्ण कुमार की मौत के बाद एक ही मामले में 2 दोषियों की जेल में मौत हो चुकी है। तीसरा आरोपी फिलहाल जेल में बंद है।

मृतक की पत्नी कृतिका ने बताया कि उनके पति ने जेल से बेटी को फोन कर अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि उनका शुगर लेवल 400 तक पहुंच गया है और रोज जांच के बावजूद कोई सुधार नहीं हो रहा। साथ ही जेल में दवाइयां भी नियमित रूप से नहीं मिल रही थी। कृतिका ने बताया कृष्ण कुमार को दो बार डॉक्टर को दिखाया, लेकिन तबीयत ज्यादा खराब लगने के बाद भी अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया। परिवार ने जेल प्रशासन से जरूरत पड़ने पर आरबीएम अस्पताल या जयपुर में इलाज कराने की बात भी कही थी, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों के अनुसार कृष्ण कुमार को अस्थमा, ब्लड प्रेशर और शुगर की गंभीर बीमारी थी। इसके बावजूद जेल प्रशासन ने समय पर समुचित इलाज नहीं कराया। मृतक रोज फोन कर अपनी खराब तबीयत की जानकारी देता था।

कृतिका ने बताया कि जेल गार्ड का कहना है कि उनके पति को रात करीब 2 बजकर 30 बजे अस्पताल लाया गया था और रात 3 बजे उनकी मौत हुई। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि कैदी को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया। कृतिका ने कहा कि जिस संजय बिहारी हत्याकांड में उनके पति को सजा दी गई, उसमें कोई ठोस सबूत नहीं था। संजय बिहारी की पत्नी ने बयान दिया था कि हत्या शाम 5.30 बजे हुई, जबकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का समय 6.30 बजे बताया गया है। ऐसे में हत्या का आरोप उनके पति पर कैसे लगाया गया, यह समझ से परे है। इस हत्याकांड में तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा हुई थी। दो महीने पहले 23 अक्टूबर 2025 को इसी मामले में दोषी नरेश सिंघल की सेंट्रल जेल में हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। अब तीन में से दो आरोपियों की जेल में मौत हो चुकी है।

यह मामला 28 जनवरी 2023 का है। कृष्ण कुमार उर्फ बेबी और नरेश सिंघल ने संजय बिहारी को फोन कर अपने घर बुलाया था। घर पहुंचने पर तीनों चाय पी रहे थे। इसी दौरान कृष्ण कुमार कमरे से कट्टा लाया और पीछे से संजय बिहारी को गोली मार दी। इलाज के दौरान संजय बिहारी की मौत हो गई। हिस्ट्रीशीटर संजय बिहारी की हत्या के मामले में सेशन कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। 19 सितंबर 2025 को जिला एवं सेशन न्यायाधीश केशव कौशिक ने कृष्ण कुमार उर्फ बेबी को 60 हजार रुपए जुर्माने के साथ आजीवन कारावास और नरेश सिंघल को 50 हजार रुपए जुर्माने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

दो ट्रकों की भिड़ंत में चालक की मौत, खलासी घायल

खैराबाद बाईपास पर हुये हादसे में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया।

- **टक्कर मारने वाला ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया**

रामगंजमंडी, (निसं)। क्षेत्र के खैराबाद में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खैराबाद बाईपास पर दो ट्रकों की आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक ट्रक का चालक केबिन में फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक का खलासी गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाला ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

रामगंजमंडी थाना एसआई सुरेश मीणा ने बताया कि हादसे में आक्यापुरा, गरोठ, मंदसौर (मध्यप्रदेश) निवासी कालूनाथ की मौत हुई है। कालूनाथ रामगंजमंडी में ट्रक का कार्य करवाने आया हुआ था। वह रात करीब नौ बजे के बीच ट्रक की जांच कर रहा था। इसी दौरान खैराबाद से उंडवा रोड की ओर जा रहा प्याज से भरा ट्रक खैराबाद बायपास पर सामने से आ रहे दूसरे ट्रक से टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से केबिन में फंसे चालक को बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में ट्रक का खलासी ईश्वर घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा अनुसंधान जारी है। वहीं फरार ट्रक चालक की तलाश शुरु कर दी है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद मृतक का शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

बीकानेर से भोपाल जा रही बस पलटी, 12 यात्री घायल

हादसा कोटा में एनएच 52 पर जगपुरा और कसार के बीच केवल नगर व आलनिया की सीमा में हुआ

कोटा, (निसं)। बीकानेर से भोपाल जा रही स्लीपर कोच बस नेशनल हाईवे 52 पर अचानक से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार यात्रियों में से करीब 12 से अधिक यात्रियों को चोट लगी है, जिनमें से चार से पांच लोगों को अस्पताल में उपचार के लिये ले जाया गया,शेष घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। बस पलटने की सूचना पाकर रानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार हादसा नेशनल हाईवे 52 पर जगपुरा और कसार के बीच केवल नगर व आलनिया की सीमा में हुआ है। बस सड़क के साईड में पलटी हुई थी, ऐसे में उसमें फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला गया और तत्काल एंबुलेंस की मदद से निजी अस्पताल में भेजा गया। बस में 35 लोग थे सवार थे। रानपुर थाने के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर राम सिंह ने बताया कि बीकानेर से भोपाल जा रही स्लीपर कोच बस नेशनल हाईवे 52 पर केवल नगर व आलनिया के समीप अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में परिचालक घायल हो गया, जबकि चालक को चोट नहीं लगी है, घायलों में तीन चार महिलाएं भी हैं सभी को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। एएसआई राम सिंह ने बताया कि मामले में सामने आया कि बस के आगें ट्रक चल रहा था और बस के आगे अचानक से कुछ आ जाने से बस अनियंत्रित होकर पलटा खा गई। एएसआई ने बताया कि घटना के बाद बस में सवार सभी लोग हाईवे पर साईड में आकर बैठ गए थे, दूसरी तरफ बस को क्रेन की मदद से सीधा किया गया और हाईवे से हटाया गया है।

जैसलमेर में पुलिस कॉन्स्टेबल ने सिर में गोली मारकर सुसाइड किया

फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत जुटाए, पुलिस ने सर्विस रिवॉल्वर को कब्जे में लिया, मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

- **कॉन्स्टेबल सुबह सरकारी क्वार्टर से बाहर नहीं आया तो साथियों ने कमरा खटखटाया**
- **कोई आवाज नहीं आने पर दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो कमरे में खून से सना शव पड़ा था**

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर पुलिस लाइन में कॉन्स्टेबल ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। कॉन्स्टेबल सुबह बाहर नहीं आया तो साथियों ने कमरा खटखटाया। कोई आवाज नहीं आने पर दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो कमरे में खून से सना शव पड़ा था। फिलहाल सरकारी क्वार्टर को सील कर दिया गया है। शनिवार सुबह दस बजे के बाद सूचना मिलने पर मौका मुआयना कर परिजनों को सूचित किया है। परिवार वालों के आने के बाद ही खोला जाएगा।

एसपी अभिषेक शिवहरे ने बताया कि कॉन्स्टेबल नरेंद्र मीणा 2015 बैच के थे, वो फिलहाल ड्यूटी पर थे। सवाईमाधोपुर के रहने वाले कॉन्स्टेबल नरेंद्र मीणा (30) की तैनाती जैसलमेर पुलिस लाइन में थी। पुलिस लाइन में ही वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वर्तमान में उनका परिवार सवाईमाधोपुर गया है। वह घर में अकेले ही थे। शनिवार सुबह उनके आवास में कोई हलचल नहीं हुई तो साथी पुलिसकर्मियों को अनहोनी की आशंका हुई। आसपास रहने वाले पुलिसकर्मियों ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, पर कोई जवाब नहीं मिला। आखिरकार साथियों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर सामने बेड पर नरेंद्र का शव पड़ा था। आसपास खून ही खून था।

पुलिस अधिकारियों द्वारा फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। मौके से सबूत जुटाए गए। पुलिस ने सर्विस रिवॉल्वर को भी कब्जे में ले लिया है। बॉडी अभी कमरे में ही पड़ी है। परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, कॉन्स्टेबल नरेंद्र मीणा पिछले कुछ दिनों से अकेले रह रहे थे। कुछ दिन पहले ही उनका परिवार सवाईमाधोपुर गया हुआ था। फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस जांच कर रही है।

तस्कर की कार में 28 किलो अफीम का दूध मिला

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरु की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पूर्व पुलिस ने डीएसटी के साथ मिलकर करवड़ क्षेत्र में एक कार चालक को रूकवाकर गाड़ी की तलाशी ली। कार से पुलिस को 28 पैकेट मिले हैं, जिसमें अफीम का दूध मिला, जिसका वजन 28 किलो 508 ग्राम है। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर अग्रिम जांच आरंभ की है। कार्रवाई पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश के निर्देशानुसार की गई।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश, पुलिस उपायुक्त पीडी नित्या के निर्देशानुसार, एडीसीपी पूर्व विरेंद्र सिंह राठौड़ एवं एसीपी मंडोर के सुपरविजन में गठित टीम में शामिल पुलिस निरीक्षक किशनलाल मय डीएसटी पूर्व की टीम ने शुक्रवार की देर रात मंडलनाथ के पास सूचना के आधार पर नाकाबंदी की। एक कार में तस्कर द्वारा भारी मात्रा में मादक पदार्थ लाए जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने करवड़ की तरफ आ रही कार को मंडलनाथ मार्ग पर रोका। सूचना पर संदिग्ध कार को रूकवाकर तलाशी ली। कार में सवार युवक से पूछताछ की गई।

डीसीपी ईस्ट पीडी नित्या ने बताया कि कार में 28 पैकेट मिले हैं जो कि वजन में एक-एक किलो के हैं। पैकेट में अफीम का दूध मिला है। यह वजन में 28 किलो 508 ग्राम पाया गया। कार चालक लोरडी पंडितजी, करवड़ निवासी नरपतसिंह राजपुरोहित को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की कार को भी जब्त किया गया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण बनाया गया है। अग्रिम पड़ताल जारी है।

डोडा-चूरा सहित एक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शक्करगढ़ पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर 4 किलो अवैध डोडा-चूरा जब्त किया है। थानाधिकारी पूरणमल ने बताया कि एक जनवरी को पुलिस टीम गश्त पर थी। खजूरी रोड पर पुलिस को देखकर एक सफेद ईको कार का चालक गाड़ी भगाने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे रुकवाया, लेकिन चालक गाड़ी छोड़कर भागने की कोशिश करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी शम्भुनाथ (29) पुत्र सुवानाथ निवासी चारभुजा छांबड़िया थाना जहाजपुर है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी पूरणमल के साथ कॉन्स्टेबल योगेश कल्याण (विशेष योगदान), मंगलराम, गजवीर, जगदीश और रामराज शामिल थे।

तलाकशुदा महिला से इंवेस्टमेंट के नाम पर 64 लाख की ठगी

महिला को ना तो धन का मुनाफा मिला और न ही निवेश किए रूपए मिले

- **महिला ने घटना को लेकर महामंदिर थाने में रिपोर्ट दी, पुलिस ने जांच आरंभ की**

जोधपुर, (कासं)। शहर के बीजेएस कॉलोनी जेएसबी में रहने वाली एक तलाकशुदा महिला को शातिरों ने अपनी ठगी का शिकार बना डाला। उससे इंवेस्टमेंट के नाम पर 64 लाख रूपए ऐंठ लिए और फिर साइट बंद कर दी। उसे ना तो मुनाफा मिला और ना ही डाली गई रकम फिर से हासिल हो पाई। महिला ने घटना को लेकर अब महामंदिर थाने में इसकी रिपोर्ट दी है। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है और अग्रिम जांच आरंभ की है।

थानाधिकारी देवेंद्रसिंह ने बताया कि बीजेएस कॉलोनी में रहने वाली एक तलाकशुदा महिला ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसके तलाक होने पर काफी रकम मिली थी। वह रकम को लेकर किसी अच्छे से फंड में इस्तेमाल करना चाहती थी। बाद में उसने ऑनलाइन धन निवेश के लिए पता लगाया। तब वह किसी नादिर वर्मा और अन्य के संपर्क में आई। इन लोगों ने धन निवेश को डबल करने का लालच दिया। लालच में आकर वह शातिरों के चंगुल में फंस गई। शातिरों ने उसे धन निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसा दिया। गत साल नवंबर माह में वह शातिरों के कहे अनुसार निवेश के नाम पर धन को लगाती रही। उसने पिता के रूपए भी निवेश के नाम पर लगा लिए। थानाधिकारी देवेंद्रसिंह ने बताया कि शातिरों ने उससे तकरीबन 64 लाख रूपयों की ठगी कर ली। उसे ना तो धन का मुनाफा मिला और नहीं निवेश किए रूपए वापिस मिल पाए। बदमाशों ने बाद में साइट को बंद कर डाला। ठगी की शिकार महिला ने महामंदिर थाने में रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रकरण दर्ज किया गया है, अग्रिम जांच की जा रही है।

छबड़ा थर्मल पॉवर प्लांट में तबीयत बिगड़ने से मजदूर की मौत

घटना से आक्रोशित मजदूर यूनियन ने मांगों को लेकर प्लांट के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू किया।

- **बताया जा रहा है कि प्लांट में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं होने से सरकारी वाहन से चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया**
- **यूनियन की ओर से मृतक परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की**

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट में शनिवार सुबह एक निजी कंपनी में कार्यरत मजदूर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना से आक्रोशित मजदूर यूनियन ने प्लांट के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिवार में एकलौता कमाने वाला होने के चलते अब मृतक के परिवार के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।

जानकारी अनुसार राजू मीणा (37) पुत्र ठाकुर सिंह निवासी नलखेड़ा बीनागंज जिला गुना (मध्यप्रदेश) सुबह करीब 11 बजे प्लांट की साइट पर काम कर रहा था। इसी दौरान उसकी अचानक तबीयत खराब हो गई और वह अचानक अचेत हो गिर पड़ा, जिसे वहां एकाएक रूप से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि प्लांट में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे सरकारी वाहन से छबड़ा उपजिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया है। बताया जा रहा है मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। मजदूर की मौत के बाद आर्थिक संकट गहरा गया है।

मजदूर यूनियन अध्यक्ष जगदीश अहीर ने बताया कि घटना के बाद मजदूर यूनियन के बैनर तले प्लांट गेट पर प्रदर्शन किया। यहां यूनियन की ओर से मृतक परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग रखी गई है।

कंपनी के साइट इंचार्ज गौरव झा ने यूनियन को बताया कि मृतक की दोनों बेटियों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी तथा परिवार के दो सदस्यों को अस्थाई नौकरी देने का भी प्रस्ताव है, जो कंपनी के संचालन तक जारी रहेगी। बताया जा रहा है कि मजदूर यूनियन ने कंपनी के इस प्रस्ताव पर नाराजगी जाहिर करते हुए मांगें पूरी होने तक प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी।

टोंक में दो वांछित फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम ने थाने में दर्ज प्रकरण में वांछित आरोपी सूरज उर्फ गोन्या मोग्या पुत्र रामकुंवार निवासी कच्ची बस्ती पांच कुआं निवाई को जिला कारागृह टोंक से प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

इसी प्रकार पुलिस उपाधीक्षक मालपुरा आशीष प्रजापत के सुपरविजन में पचेवर थानाधिकारी प्रीति रत्नु द्वारा गठित थाना टीम ने थाने में दर्ज प्रकरण में फरार वांछित आरोपी मनीष बैरवा पुत्र रामकिशोर बैरवा निवासी दामोदरपुरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन मे वृत्ताधिकारी पीपलू रामावतार एवं झिराना थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा लोकल स्पेशल एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुये ग्राम रानोली से आरोपी कानाराम पुत्र विश्राम बावरिया (मोग्या) उनिवासी कठमाणा थाना झिराना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो लीटर हथकड़ शराब जब्त की है। मामले में पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

एएसआई पर रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज

बूंदी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा इकाई ने बूंदी जिले के गेंडोली थाने में तैनात एक एएसआई के खिलाफ रिश्वत मांगने के मामले में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी एएसआई पर एक धोखाधड़ी के मुकदमे में आरोपियों के नाम हटाने और केवल एक व्यक्ति को आरोपी बनाने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी के अनुसार सत्यापन के दौरान आरोपी एएसआई ने परिवादी से 2 हजार रुपए की रिश्वत भी ले ली थी। हालांकि, बाद में उसे संदेह हो जाने के कारण उसने तय की गई शेष 18 हजार की राशि नहीं ली। बावजूद इसके, पुराने सत्यापन, वॉयस रिकॉर्डिंग और रिश्वत मांग के आधार पर एसीबी मुख्यालय जयपुर ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

जोधपुर में आपसी रंजिश में बदमाशों ने युवक को गोली मारी

- **पुलिस ने आरोपी को पकड़कर पिस्टल और कारतूस भी बरामद किया**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शनिवार को दिनदहाड़े फायरिंग से दहशत फैल गई। बदमाशों ने सरेराह एक युवक को गोली मारी दी। युवक को मथुरादास माथुर हॉस्पिटल ले जाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गोली मारने वाले युवक को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच आपसी रंजिश में गोली मारी गई है।

वारदात की सूचना पर प्रताप नगर थानाधिकारी भवानी सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एडीसीपी (वेस्ट) रोशन मीणा ने भी घटना स्थल का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि घटना कमला नेहरू नगर के हुडको क्वार्टर चौराहे की है। फायरिंग में चांदणा भाखर, शिव कॉलोनी निवासी आकाश राव घायल हो गया। बदमाशों ने उसके पैर पर गोली मारी है। फायरिंग करने वाले बदमाश प्रदीप को सीएसटी टीम ने पकड़ लिया है। आरोपी से पिस्टल और कारतूस भी बरामद किया गया है।

गौरतलब है कि कमला नेहरू नगर हुडको चौराहा पर कुछ साल पहले सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए पोल तो लगा था लेकिन कैमरा नहीं लगा। कुछ साल पहले इसी चौराहा पर टैक्सी जलाने की घटना भी हो चुकी है। महिलाओं और बच्चियों से छेड़छाड़ की घटना भी आम बात हैं। मुख्य चौराहे पर अतिक्रमण के कारण ट्रैफिक हर वक्त जाम रहता है। हैरानी की बात है कि इसी चौराहे पर नगर निगम का भी वार्ड ऑफिस है। इसके बावजूद अतिक्रमण है। पुलिस थाने से लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर यह चौराहा है। यहां पार्क में रात को बदमाशों का जमावड़ा रहता है। बदमाश प्रवृत्ति के लड़के सुबह से शाम तक यहां थड़ियों और चौराहे के पास खुली जगहों पर अड्डे बनाकर बैठे रहते हैं। रहवासियों का आरोप है कि यहां कई बार महिलाओं और बच्चियों से छेड़छाड़ की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस ने कभी इन अड्डों पर सख्ती नहीं की।

बीकानेर में बिना वैध वीजा रही दो विदेशी महिलाओं को पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। बिना वैध वीजा और जरूरी दस्तावेजों के बीकानेर में रह रही दो विदेशी महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों महिलाएं कोटगेट थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में रह रही थी, लेकिन उनके पास अनिवार्य सी फॉर्म और अन्य वैध दस्तावेज नहीं मिले। कार्रवाई जिले की कोटगेट थाना पुलिस ने रानी बाजार स्थित एक मकान पर रात करीब दस बजे की।

कोटगेट थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि रानी बाजार क्षेत्र में स्थित एक मकान में दो विदेशी महिलाएं रह रही है। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। जांच में सामने आया कि दोनों महिलाएं विदेशी नागरिक हैं और भारत में रहने से संबंधित नियमों का पालन नहीं कर रही थी। पकड़ी गई महिलाओं में एक उज्बेकिस्तान निवासी नर्गिज़ा कुर्बोनोवा है, जबकि दूसरी कजाकिस्तान की तुयचिएवा निलुफर है। दोनों के पासपोर्ट पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। दोनों के संबंध में उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई है।क

थानाधिकारी ने बताया कि जांच में सामने आया कि मकान मालिक ने विदेशी नागरिकों को किराए पर मकान देने से पहले आवश्यक सूचना पुलिस या प्रशासन को नहीं दी गई थी। ऑनलाइन सी-फॉर्म भी जमा नहीं कराया गया। यह विदेशी विषयक अधिनियम 2025 की धारा 8/23 का उल्लंघन है। कोटगेट थाना पुलिस ने दोनों विदेशी महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद डिटेंशन सेंटर भेजा है। मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। मकान मालिक रोचक और सीकर निवासी बाबूलाल के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में अब पूरे देश में इलाज की सुविधा मिल सकेगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस संवेदनशील पहल से गंभीर रोगियों को उपचार के लिए बेहतर विकल्प मिलेंगे

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। योजना में शामिल करोड़ों परिवार अब देश के दूसरे राज्यों में भी निःशुल्क उपचार ले सकेंगे। मुख्यमंत्री की ऐतिहासिक पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के प्रयासों से अब इस योजना में देश के 30 हजार से अधिक अस्पतालों का बड़ा नेटवर्क शामिल हो गया है। इससे प्रदेश के नागरिकों को देश के नामी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा। निःशुल्क उपचार की दिशा में राज्य सरकार का यह बड़ा कदम है, जो यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) प्रदेश के करोड़ों परिवारों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (मा) को एकीकृत कर वृहद रूप में संचालित की गई यह योजना आज न केवल प्रदेश के भीतर, बल्कि प्रदेश की सीमाओं के बाहर भी निःशुल्क और कैशलेस इलाज की गारंटी बन चुकी है। राज्य सरकार ने इस योजना में करीब 6 माह पहले इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू की थी, जिसके पहले चरण में इन बाउण्ड पोर्टेबिलिटी लागू की गई थी, जिसके तहत दूसरे राज्यों के नागरिकों को राजस्थान में इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाई गई थी। अब 19 दिसम्बर से इस योजना में आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इससे प्रदेश के नागरिकों को देश के अन्य राज्यों में निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल सकेगी। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि अब तक गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए कई मरीजों को मजबूरी में गुजरात, दिल्ली जैसे अन्य राज्यों में जाकर इलाज कराना पड़ता था, जहां उन्हें अपनी जेब से भारी खर्च वहन करना पड़ता था। इस पीड़ा को समझते हुए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक और जनहितकारी निर्णय लेते हुए आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी को लागू कर दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत अब राजस्थान के पात्र परिवार प्रदेश के बाहर भी एम्पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस इलाज प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आउटबाउंड पोर्टिबिलिटी का लाभ न केवल के पात्र परिवारों को मिलेगा, बल्कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सभी पात्र परिवारों को भी देश के अन्य राज्यों में 25 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध होगा। राठौड़ ने बताया कि आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों (तमिलनाडु और कर्नाटक को छोड़कर) में स्थित लगभग 16 हजार सरकारी और 14 हजार निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलेगी। इसमें पडौसी राज्यों के प्रमुख अस्पताल भी शामिल हैं। दिल्ली के 184, गुजरात के 2067, हरियाणा के 1366, मध्य प्रदेश के 1622, महाराष्ट्र के 1709, पंजाब के 823 और उत्तर प्रदेश के 6182 अस्पताल इस योजना में सूचीबद्ध हैं। इसमें दिल्ली एवं भोपाल के एम्स, मेदांता, चंडीगढ़ का पीजीआई, लखनउ का केएमपीयू, गुजरात के यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एण्ड रिसर्च सेंटर, द गुजरात कैंसर एण्ड रिसर्च सेंटर, बनास मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पालनपुर, सहित कई नामी अस्पताल शामिल हैं।

- इस योजना में तमिलनाडु और कर्नाटक को छोड़कर अन्य राज्यों के 30 हजार से अधिक अस्पतालों का विशाल नेटवर्क शामिल हुआ

राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि आउट बाउण्ड पोर्टिबिलिटी के तहत अब तक लगभग 350 रोगियों ने उपचार प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 1.36 करोड़ पात्र परिवारों को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना में करीब 2200 प्रकार के उपचार पैकेज शामिल हैं, जिनमें सामान्य रोगों से लेकर कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग, अंग प्रत्यारोपण जैसी गंभीर और खर्चीली बीमारियों का इलाज संभव है। विगत दो वर्ष में योजना के तहत 37 लाख से अधिक मरीजों को 7100 करोड़ रुपये से अधिक का निःशुल्क उपचार दिया जा चुका है। इनमें ढाई लाख ऐसी गंभीर रोगी शामिल हैं, जो जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे थे। इस योजना से उन्हें नया जीवन मिला।

आउट बाउण्ड पोर्टिबिलिटी का निर्णय उन लाखों मरीजों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत है, जिन्हें गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों और विशेष अस्पतालों की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के माध्यम से राजस्थान सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में न तो दूरी बाधा बनेगी और न ही आर्थिक स्थिति। यह पहल इलाज सबके लिए के संकल्प को साकार करती है।

आगामी बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण को समर्पित होगा : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कोटा संभाग और जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के विधायकों एवं विधानसभा चुनाव प्रत्याशियों के साथ मुख्यमंत्री निवास पर आगामी बजट को लेकर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने आगामी बजट को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से प्रेरित बताते हुए कहा कि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी आने वाले बजट की घोषणाओं के केंद्र में रहेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चर्चा के दौरान कहा कि आगामी बजट से प्रदेश की विकास यात्रा को नई रफ्तार मिलेगी। सभी जनप्रतिनिधियों की स्थानीय विकास की आवश्यकताओं को बजट में प्रमुखता से शामिल किया जाएगा। प्रदेश की आम जनता को भी बजट से जोड़ा गया है उनके द्वारा दिए जा रहे सुझावों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बजट का निर्माण सभी क्षेत्रों के हितों को ध्यान में रखकर ही होगा। आगामी बजट से सभी वर्गों के विकास का मार्ग मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 के विजन को साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर बजट घोषणाओं को समय से धरातल पर उतारने के लिए सक्रियता से कार्य करना होगा।

- मुख्यमंत्री ने कोटा संभाग और जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के विधायकों व प्रत्याशियों से आगामी बजट पर चर्चा की

सहायक व्यवस्थापक 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अजमेर टीम ने शनिवार को ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड धातोल पंचायत समिति भिनाय जिला अजमेर के सहायक व्यवस्थापक परमेश्वर प्रजापत को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी पत्नी एवं स्वयं की पुश्तैनी कृषि भूमि की रबी की फसल का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना वर्ष 2024-25 की राशि का मुआवजा पास करने की एवज में रिश्वत मांग रहा है।

'नो बैग डे' पर भी भ्रम फैला रहे डोटासरा : शिक्षा मंत्री

जयपुर (कासं)। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'नो बैग डे' पर भी कांग्रेस भ्रम फैलाकर अपनी बौखलाहट दिखा रही है।

जयपुर में प्रतिदिन दो बार सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे सभी उपायुक्त : जैन

स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 की तैयारियों में जुटा स्वायत्त शासन विभाग

जयपुर (कासं)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 की तैयारियों को लेकर स्वायत्त शासन विभाग द्वारा जयपुर नगर निगम की सघन समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को निदेशालय सभागार में जयपुर नगर निगम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता शासन सचिव रवि जैन ने की। बैठक में निदेशक (स्वच्छ भारत मिशन) प्रतीक जूईकर, निगम आयुक्त गौरव सैनी, उपायुक्त स्वास्थ्य ओमप्रकाश थानवी, मुख्य अभियंता अरुण व्यास, निगम के सभी जोनों के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे।

शासन सचिव ने स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों पर समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोनवार सघन मॉनिटरिंग पर जोर देते हुए सभी उपायुक्तों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के सभी वार्डों का निरीक्षण प्रतिदिन प्रातः 7:30 बजे एवं दोपहर 2:30 बजे अनिवार्य रूप से करें। जैन ने बैठक के दौरान स्वच्छता की विज़िबल क्लीनलिनेस को और सुदृढ़ करने, प्रगति की नियमित मासिक समीक्षा करने तथा स्वच्छता गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आम नागरिकों, व्यापारिक संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी से स्वच्छता अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मॉनिटरिंग रिपोर्ट के आधार पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ मुख्य निरीक्षक एवं उप निरीक्षक को सम्मानित किया जाएगा। जैन ने कहा की जयपुर नगर निगम को स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में शीर्ष स्थान पर लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाए।

स्वायत्त शासन सचिव रवि जैन ने शनिवार को जयपुर नगर निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों पर चर्चा की।

राजधानी में आर्मी-डे परेड की तैयारियां परवान पर

जगतपुरा स्थित महल रोड पर इन दिनों आर्मी की ओर से रिहर्सल की जा रही है।

जयपुर। आगामी 15 जनवरी 2026 को जयपुर में होने वाली आर्मी डे परेड को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। सेना की ओर से महल रोड जगतपुरा क्षेत्र में लगातार रिहर्सल की जा रही है। रिहर्सल के दौरान सेना की आधुनिक युद्ध क्षमताओं का व्यापक प्रदर्शन किया जा रहा है। जिसमें मार्च-पास्ट, टैंक, मिसाइल सिस्टम, ड्रोन तकनीक और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण शामिल हैं। साथ ही हेलिकॉप्टरों की फ्लाई-पास्ट का भी अभ्यास किया गया। इस रिहर्सल के दौरान सैन्य सुरक्षा बलों की टुकड़ियां फ्लैग मार्च करती नजर आई। इस दौरान नेपाल आर्मी बैंड की सहभागिता ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर महल रोड और आसपास के इलाकों में यातायात नियंत्रण व्यवस्था पहले ही लागू कर दी गई है।

यह पहली बार होगा जब जयपुर में आर्मी डे परेड सैन्य छावनी क्षेत्र से बाहर आयोजित की जा रही है। 15 जनवरी को मुख्य परेड महल रोड, जगतपुरा पर होगी। इससे पहले 9, 11 और 13 जनवरी को रिहर्सल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिन्हें आम नागरिक भी देख सकेंगे। अनुमान है कि प्रत्येक रिहर्सल और मुख्य आयोजन में करीब डेढ़ लाख दर्शक शामिल होंगे।

आयोजन को सफल बनाने के लिए 1 जनवरी से महल रोड पर नियमित अभ्यास शुरू कर दिया गया है। प्रारंभिक चरण में एनसीसी कैडेट्स ने परेड अभ्यास में भाग लिया। सेना के अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं।

- 15 जनवरी को जयपुर बनेगा सैन्य शक्ति का मंच

आर्मी डे के अवसर पर 15 जनवरी की शाम एसएमएस स्टेडियम में 'शौर्य संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इसका पूर्वाभ्यास 10 जनवरी को होगा।

इस कार्यक्रम में फर्स्ट डे कवर का विमोचन, शहीदों के परिजनों का सम्मान, पारंपरिक युद्ध कलाओं का प्रदर्शन और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित लाइट एंड साउंड शो प्रस्तुत किया जाएगा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक हजार ड्रोन का विशेष शो रहेगा। आयोजन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी जयपुर में मौजूद रहेंगे। परेड के दौरान लडाकू विमान, हेलिकॉप्टर, टैंक, मिसाइल सिस्टम, ड्रोन तकनीक और सैन्य टुकड़ियों की शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा। नेपाल आर्मी बैंड की सहभागिता से कार्यक्रम को विशेष अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

खोया पाया

मेरे ढण्ड गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड के भूखण्ड संख्या 01 गंगा विहार कॉलोनी चरण नदी मुरलीपुरा, जयपुर का सोसायटी पट्टा, साइट प्लान, रसीद क्रमांक 10136 आदि। मुरलीपुरा स्कीम के क्षेत्र में कहीं गिर गए है, जिस किसी को मिले संपर्क करें। ओमप्रकाश जाट-9149916563

मेरे प्लाट संख्याा 52 श्री हनुमान नगर (घैघा) बगरू का मूल सोसायटी पट्टा, रसीदे, साइडप्लान गुम गए, जो महाराणा प्रताप गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर ने जारी किए थे। मिलने पर संपर्क करें- विकास जांगिड-6377911556

मेरे आवास संख्या 112/409 मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। हरीश कुमार गुरनानी मो. 7725947338

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नं. 16034322P राईफलमैन अनुज राघव यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम सुरेश राघव (SURESH RAGHAV) है जो की गलत है मेरे पिताजी का सही नाम सुरेश (SURESH) है।

मैंने अपना नाम रजनीश कुमार कोचर (RAJNISH KUMAR KOCHAR) से बदलकर रजनीश कोचर (RAJNISH KOCHAR) पुत्र राज कुमार कोचर निवास एस-170, महावीर नगर, टोंक रोड, जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे रजनीश कोचर RAJNEESH KOCHAR के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैंने सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम पुष्पा गोदारा से बदलकर पुष्पा रख लिया है। निवासी छित्तर कापर, चित्र का पर, बाड़मेर-344035 (राज.)

मैंने सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम कुमारी शांति कुमारी और शांति देवी और शांति से बदलकर शांति चौधरी रख लिया है। निवासी छित्तर कापर, बाड़मेर-344035 (राजस्थान)।

मैं मुनेश कुमारी सोलंकी निवासी ग्राम पोस्ट पथेना तहसील भुसावर जिला भरतपुर-32615 (राजस्थान) घोषणा करती हूँ कि मेरी बेटी (तनिष्का सिंह) के रिकार्ड में मेरा नाम गलती से मुनेश कुमारी दर्ज है, मेरा सही नाम मुनेश कुमारी सोलंकी पत्नी अमित कुमार है। शपथ पत्र के माध्यम 03.01.2026 जयपुर

I, Jai Bhagwan Bansal S/o Satyanarayan Bansal R/o 2/83 Ramhet Bhawan, Munshi Bazar, Alwar, Rajasthan-301001 have changed my name ffrom Jai Bhagwan Bansal to Jay Bhagwan Bansal for all Future Purposes.

I have changed my name from Mohamad Ayub Qureshi to Mohd Ayub for all purpose in future. R/o 88, Rajiv Nagar Hatwara Road, Jaipur-302006

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 22/25
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम राजकुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार छैला जाति ब्राह्मण विवाद स्थान प्लाट नं. 78 श्री हित राधा बल्लभ नगर, जेडीए कॉलोनी के पीछे, मीणा पालडी आगरा रोड लुनियावास, जयपुर (राज.)
मृतक महेन्द्र कुमार छैला की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 07.02.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम महेन्द्र कुमार छैला पुत्र कल्याण सहाय जाति ब्राह्मण निवासी जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 07 माह 02 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 18 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
रीडर
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या 11, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर
मोहर अदालत

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-9505 दिनांक-02.01.2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 51/122-A (MIG-A), (एरिया 92.25 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री शिवनारायण सैनी पुत्र श्री छोटेलाल सैनी का किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2581 दिनांक 25.04.1994 को जारी किया गया। श्री पवन कुमार ओढेसी पुत्र श्री दाताराम के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 57 दिनांक 24.02.2000 के द्वारा किया गया। श्री पवन कुमार ओढेसी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 26.12.2007 का उप पंजीयक सांगानेर प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री पवन कुमार ओढेसी द्वारा श्री विजय कुमार गोयल पुत्र श्री छितरमल को दिनांक 26.12.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री विजय कुमार गोयल द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 10.11.2010 के द्वारा श्री धर्मचन्द जैन पुत्र श्री फूलचन्द जैन को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर द्वितीय जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री धर्मचन्द जैन पुत्र श्री फूलचन्द जैन द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकॉर्ड में अपना नाम [illegible]
[illegible] जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1114
चूंकि प्रार्थी श्री RANVEER SINGH LODHA PLOT NO. 75, RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास सरस्वती निकेतन एज्यूकेशन सोसायटी A-38, BALIMARGM, HANUMAN NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 09.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1017
चूंकि प्रार्थी श्री SIRAJ AHMED BHATI, 142, KRISHNA COLONY NAYA KHERA VIDYADHAR NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास रैनबो सोसाटी S.D. 199, 4 NO DISPENSARI KE PASS, SHANTI NAGAR, HATWADA ROAD, SODALA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 12.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1016
चूंकि प्रार्थी श्री REKHA BHABHRA 3/34, MALVIYA NAGAR, JAIPUR 302017 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्रीमती मोहिनी देवी मन्नालाल भाभडा चेरिटेबल ट्रस्ट 3/34 PRADHAN MARG, MALVIYA NAGAR, JAIPUR-302017 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 29.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 12.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1073
चूंकि प्रार्थी श्री SHAILESH BOOREE 96, BOOREE KI DHANI BHIKHAWAS JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास इन्द्र प्रताप सिंह ग्रामीण विकास शिक्षण संस्था BHIKHAWAS POST KALAKH TEH PHULERA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1095
चूंकि प्रार्थी श्री GHANSHYAM PAREEK, 120, DASAHARA KOTHI, AMER ROAD, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास विजय नर्सरी शिक्षा समिति 265, PURANA AMER ROAD, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 05.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/1087
चूंकि प्रार्थी श्री MANISH SINGH GOUR, 10/56, SECTOR 1, PRATAP NAGAR, SANGANER JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मंजरी संस्थान D-177, TARA NAGAR JHOTWARA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 13.03.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18, जयपुर महानगर प्रथम
सुमन विरुद्ध गीता देवी व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा।
प्रार्थना-पत्र संख्या - 563 सन् 2025
नाम-गीता देवी पत्नि दिनेश जाति- पता प्लाट नम्बर-16, बाबा रामदेव नगर, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर राज.
उक्त ..... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 05 माह 01 सन् 2026 को ..... पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 02 माह 01 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से-शेरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर
मोहर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18, जयपुर महानगर प्रथम
सुमन विरुद्ध गीता देवी व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र स्थाई निषेधाज्ञा।
प्रार्थना-पत्र संख्या - 530 सन् 2025
नाम-गीता देवी पत्नि दिनेश जाति- पता प्लाट नम्बर-16, बाबा रामदेव नगर, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर राज.... ने आपके विरूद्ध ...के लिए वाद पंजीयन किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 05 माह 01 सन् 2026 को दिन में...बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 02 माह 01 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-शेरिस्तेदार/रीडर
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर
मोहर

सूचना

मैं, ज्योति कुमारी, पुत्री श्री लीलाराम योगी, निवासी मौहल्ला, बुचाहेडा, नागाजी की गौर, नारायणपुर रोड, कोटपूतली, जिला कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान, यह सत्यनिष्ठापूर्वक घोषित करती/करता हूँ कि मेरे पूर्व में दर्ज शैक्षणिक एवं अन्य सभी आधिकारिक अभिलेखों में मेरा नाम ज्योति कुमारी तथा मेरा लिंग महिला दर्ज था। मैंने अब अपना नाम मयंक योगी एवं अपना लिंग पुरूष परिवर्तित कर लिया है तथा भविष्य में सभी प्रयोजनों हेतु मुझे मयंक योगी के नाम से जाना जाएगा।

Department of Environmental Sciences
MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR-313001
Email: rusaenvsc@gmail.com

NOTICE INVITING BID

No. MLSU/ES/RUSA/E-Bid/25-26/97,98,99,100,101 DATE: 30/12/2025

Online bids are invited under RUSA 2.0 for the procurement of Atomic Absorption Spectrophotometer, UV-VIS Spectrophotometer,Digital Bomb Calorimeter, Respirable Dust Sampler (RDS) & All in One Desktop and Laptop/Notebook with accessories (total estimated cost: ₹48.00 lakhs) up to 06:00 PM on 15.01.2026. Other details can be downloaded from the websites: Other details can be downloaded from the websites https://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in and www.mlsu.ac.in

NIB Code & UBN NO:	
SUU2526A0050	SUU2526GLOB00121
SUU2526A0051	SUU2526GSOB00122
SUU2526A0052	SUU2526GSOB00123
SUU2526A0053	SUU2526GSOB00124
SUU2526A0054	SUU2526GSOB00125

Head, Department of Environmental Sciences, MLSU

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फ.स.), चौमूँ जयपुर
राधाबाग कॉलोनी, सीकर रोड, चौमूं
PH. NO. 01423-220047 FAX NO. 01423-223873
Email:KUMS.CHCMUFV@rajasthan.gov.in

क्रमांक-470-81 दिनांक-01.01.2025

निविदा सूचना

इस मंडी समिति द्वारा आगामी एक वर्ष की अवधि के लिये चौकीदारी व्यवस्था (सामान्य सुरक्षा गार्ड) कार्य के संचालन हेतु ठेके देने के लिये मुहरबन्द निविदायें/निलामी बोलियॉ ऑफलाईन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यक्ति व योग्य फर्मे/संस्थायें निर्धारित निविदा शुल्क नकद/बैंकर्स चैक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा जमा करवाकर निविदा/बोली प्रपत्र क्रय कर अपेक्षित पूर्तियॉ कर निविदायें प्रस्तुत कर सकते है या निलामी बोली में भाग ले सकते है। निविदा/बोली का विवरण निम्नानुसार है-

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा शुल्क राशि	अनुमानित राशि (लाख रू. में)	अमानता राशि (रू. मे)
1	चौकीदारी व्यवस्था (सामान्य सुरक्षा गार्ड)	500	9.50	19,000

निविदा/बोली प्रपत्र निर्धारित राशि जमा करवा कर दिनांक 09.01.2026 को प्रात 11.00 बजे से पूर्व किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में कार्यालय से प्राप्त कर दोपहर 12.00 बजे तक जमा करवाये जा सकते है। निविदा/बोली प्रपत्रों में करवाई जाने वाली व्यवस्थाओं संबंधी समस्त विवरण व शर्तें अंकित होगी। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 09.01.2026 को निर्धारित समय 12.30 बजे पर उपस्थित निविदादाताओं (यदि कोई उपस्थित हो) के समक्ष खोला जावेगा। निविदा संबंधी अन्य जानकारी एवं शर्ते किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में उपस्थित होकर तथा निविदा/बोली प्रपत्रों में और वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in व विभागीय पोर्टल agriculture.rajasthan.gov.in/mandi/ पर अवलोकन की जा सकती है।
NIB- DAM2526A0652
प्रशासक सचिव

मैं बस रोहित और कोहली दोनों को लंबे समय तक भारत के लिए और जब वे इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल रहे हों, तो घरेलू क्रिकेट में खेलते देखना चाहता हूँ। - इरफान पठान

भारतीय गेंदबाज, रोहित शर्मा और विराट कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी मोहम्मद शमी

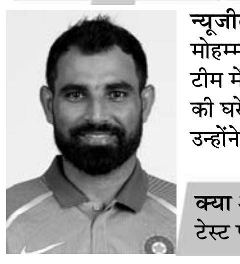

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी मोहम्मद शमी की अनदेखी की गई। उन्हें 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। टीम ऐलान के बाद शमी की घरेलू टीम बंगाल के हेड कोच का गुस्सा फूटा है। उन्होंने सेलेक्टर्स पर बरसते हुए इस शर्मनाक बताया है। बता दें कि शमी ने मार्च 2025 के बाद से भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है। वह 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। बंगाल क्रिकेट टीम के हेड कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला भारतीय चयन समिति से बिल्कुल खुश नहीं हैं।

क्या आप जानते हैं ?... राहुल द्रविड के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज है जिसका टूटना भविष्य में आसान नहीं है। द्रविड ने 286 टेस्ट पारी खेली है लेकिन वह कभी भी पहली गेंद पर आउट नहीं हुए हैं।

गिल कप्तान के तौर पर बरकरार, अय्यर, पंत और सिराज की वनडे टीम में वापसी

मुंबई, 3 जनवरी।। स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए कप्तान के तौर पर बरकरार रखा गया है जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और विकेटकीपर रिषभ पंत की शनिवार को घोषित भारतीय टीम में वापसी हुई हैं।

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए चयनित भारतीय दल में श्रेयस अय्यर को भी शामिल किया गया है। हालांकि बीसीसीआई द्वारा जारी मीडिया रिलीज में यह बताया गया है कि अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा अनुमति मिलने पर निर्भर करेगी।

अय्यर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हो गए थे जिसके बाद से उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और वह दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ घरेलू वनडे सीरीज में भी भारतीय दल का हिस्सा भी नहीं थे। अय्यर को सीओई से सशर्त विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के अगले राउंड में खेलने की अनुमति मिली है और वह 6 जनवरी को मुंबई के लिए खेलते नजर भी आ सकते हैं।

शुभमन गिल खुद पिछले महीने कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी करने के लिए वापसी करेंगे। दोनों सीनियर बल्लेबाजों की वापसी का मतलब है कि ऋतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा को जगह छोड़नी पड़ी है, इसके बावजूद कि दोनों ने विजय हजारे ट्रॉफी में एक-एक शतक बनाया था। ऋषभ पंत ने केएल राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर के तौर पर टीम में अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि ध्रुव जुरेल को अब बाहर कर दिया गया है।

वहीं हार्दिक पंड्या को भी आगामी टी20 विश्व कप और उनके कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए वनडे दल में शामिल नहीं किया गया है। बीसीसीआई की मीडिया रिलीज में बताया गया है कि चूंकि हार्दिक को सीओई से एक मैच में 10 ओवर डालने की अनुमति नहीं मिली है इसलिए आगामी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उनका कार्यभार प्रबंधित किया जा रहा है।

तेज गेंदबाजी आक्रमण में मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है, उनके साथ अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा शामिल हैं। स्पिन विभाग का नेतृत्व कुलदीप यादव करेंगे, साथ में ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा होंगे, जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया में अक्षर पटेल से हारने के बाद भी अपनी जगह बनाए रखी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में 50 ओवर की विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीमों के लिए खेला था, वे एकमात्र इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेलना जारी रखेंगे जिसमें वे अभी भी एक्टिव हैं, और यशस्वी जायसवाल टॉप-ऑर्डर के लिए बैकअप के तौर पर रहेंगे। नीतीश कुमार रेड्डी को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज़ का पहला मैच 11 जनवरी को वड़ोदरा में खेला जाएगा। इसके बाद 14 जनवरी को राजकोट जबकि 18 जनवरी को इंदौर में मुक़ाबला खेला जाएगा। वनडे सीरीज के बाद भारत न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगा जिसकी शुरुआत 21 जनवरी को नागपुर में होगी। टी20 सीरीज के लिए भारतीय दल का ऐलान पहले ही चुका है और यही दल आगामी टी20 विश्व कप में भी खेलेगा।

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय दल: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल(विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हार्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, रिषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

मुस्तफिजुर को रिलीज करने से बांग्लादेश के खिलाड़ियों के भविष्य पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 3 जनवरी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने पुष्टि की है कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश का पालन किया है और बंगलादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया है, जिन्हें उन्होंने हाल ही में अबू धाबी में हुई मिनी-ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा था।

फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा, "कोलकाता नाइट राइडर्स पुष्टि करता है कि बीसीसीआई/ आईपीएल ने आईपीएल के रेगुलेटर के तौर पर उसे आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन से पहले मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया है।" यह रिलीज, स्पष्ट रूप से, एक उचित प्रक्रिया के बाद की गई, खासकर रेगुलेटर - बीसीसीआई और आईपीएल की सलाह के बाद।

हालांकि यह समझा जाता है कि पड़ोसी राज्य में अल्पसंख्यक विरोधी हत्याएं और देश में बंगलादेश विरोधी माहौल इसका कारण हैं, लेकिन फ्रेंचाइजी खुद मनमाने ढंग से काम नहीं कर सकती थी, क्योंकि इसमें कानूनी मुद्दे शामिल होते। अगर फ्रेंचाइजी ने उसे खुद ही रिलीज किया होता तो खिलाड़ी को कानूनी रास्ता अपनाने का अधिकार होता।

फ्रेंचाइजी ने बयान में कहा, "यह रिलीज भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर, उचित प्रक्रिया और सलाह-मशविरे के बाद की गई है। बीसीसीआई आईपीएल नियमों के अनुसार कोलकाता नाइट राइडर्स को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की अनुमति देगा, और आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी।" पहला कदम उग्रने के लिए फ्रेंचाइजी को निर्देश देने की ज़िम्मेदारी हमेशा बीसीसीआई की थी। मुस्तफिजुर को खरीदने में, फ्रेंचाइजी ने वास्तव में बीसीसीआई के निर्देशों का पालन किया था, जिसने उन्हें नीलामी के लिए रजिस्टर किया था। नीलामी में कुल सात बंगलादेशी खिलाड़ी थे, और यह दूसरी बात है कि किसी अन्य खिलाड़ी को नहीं चुना गया।

दरअसल, मुस्तफिजुर के लिए ज़बरदस्त बोली लगी थी, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के साथ दो अन्य फ्रेंचाइजी भी मुकाबला कर रही थीं। दिल्ली कैपिटल्स ने 2.2 करोड़ रुपये से बोली शुरू की और 5.2 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसके बाद नाइट राइडर्स मैदान में कूदे। सुपर किंग्स ने बोली 9 करोड़ रुपये तक बढ़ा दी थी, लेकिन आखिर में नाइट राइडर्स ने उन्हें 9.2 करोड़ रुपये में खरीद लिया।

मुस्तफिजुर पहले चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हैं। एक सीनियर आईपीएल अधिकारी ने कहा कि फ्रेंचाइजी खुद से ऐसा नहीं कर सकती थी, और कहा, "यह बीसीसीआई का फैसला था और फ्रेंचाइजी मनमाना फैसला नहीं ले सकती थी। फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी कुछ कॉन्ट्रैक्ट से बंधे होते हैं जिनसे वे बाहर नहीं जा सकते। आईपीएल के नियम किसी भी तरह की मनमानी को रोकते हैं।"

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के ऐलान के बाद स्थिति साफ हो गई। उन्होंने कहा, "...बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी केकेआर को निर्देश दिया है कि वे अपने एक खिलाड़ी, बंगलादेश के मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करें और बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि अगर वे किसी रिप्लेसमेंट की मांग करते हैं, तो बीसीसीआई उस रिप्लेसमेंट की इजाज़त देगा," उन्होंने हाल के घटनाक्रमों का हवाला दिया, जिसके बारे में उन्होंने विस्तार से नहीं बताया। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों ने बंगलादेश के खिलाड़ियों को काफी हद तक दूर कर दिया है, ग्रीक वैसे ही जैसे 2008 से पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ हुआ है।

अजय ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष स्वर्ण

नई दिल्ली, 3 जनवरी। 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में शनिवार को रोमांचक मुकाबलों से भरा दिन देखने को मिला, जहां आर्मी के अजय कुमार और कर्नाटक के जोनाथन गेविन एंथनी ने सुर्खियां बटोरीं। अजय कुमार ने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष फाइनल में कड़े मुकाबले के बाद स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि जोनाथन ने पुरुष एयर पिस्टल स्पर्धाओं में सब-यूथ, यूथ और जूनियर-तीनों वर्गों में खिताब जीतकर दुर्लभ हैट्रिक पूरी की। इसी बीच, शॉटगन रेंज पर तमिलनाडु ने सीनियर और जूनियर ट्रैप मिक्स्ड टीम-दोनों खिताब जीतते हुए अपना दबदबा कायम रखा। 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष फाइनल में अजय ने 241.1 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और रेलवे के शुभम बिसला को पीछे छोड़ा, जिन्हें 240.1 के स्कोर के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हरियाणा के अनमोल जैन ने 220.0 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। हरियाणा के शिवा नरवाल 197.2 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गए। नौसेना के निशानेबाज आकाश भारद्वाज और उज्ज्वल मलिक ने क्रमशः 177.8 और 157.3 के स्कोर के साथ पांचवां और छग्र स्थान हासिल किया। राजस्थान के राहुल सेरावत 136.6 के साथ सातवें स्थान पर रहे, जबकि पंजाब के अर्जुन सिंह चीमा 115.8 के साथ आठवें स्थान पर रहे।

पडिक्कल का चौथा शतक, कर्नाटक ने त्रिपुरा को 80 रनों से हराया

बेंगलुरु, 3 जनवरी। कर्नाटक के सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल (108) की शतकीय पारी के बाद श्रेयस गोपाल और विजयकुमार वैशाख (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत कर्नाटक ने शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले में त्रिपुरा को 80 रनों से शिकस्त दी। 333 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी त्रिपुरा की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अपने पांच विकेट 59 के स्कोर पर गंवा दिये। उदियान बोस (शून्य), श्रीदम पॉल (पांच), विजय शंकर (एक), तेजस्वी जायसवाल (25) और कप्तान मणिशंकर मूरासिंह दो रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय स्वप्निल सिंह ने रजत डे के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी हुई। 37वें ओवर में श्रीशा अचर ने रजत डे (66) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद त्रिपुरा के मैच जीतने की उम्मीद खत्म हो गई। सातवें विकेट के रूप में स्वप्निल सिंह अपना शतक बनाकर आउट हुये। उन्हें 47वें ओवर में विजयकुमार वैशाख ने बोल्ड आउट किया। स्वप्निल सिंह ने 93 गेंदों में सात चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 100 रन बनाये। इसके बाद श्रेयस गोपाल ने शेष तीनों बल्लेबाजों को आउटकर 49वें ओवर में 252 के स्कोर पर त्रिपुरा की पारी का अंत कर दिया। कर्नाटक के लिए श्रेयस गोपाल और विजयकुमार वैशाख ने तीन-तीन विकेट लिये। प्रसिद्ध कृष्णा, विद्याधर पाटिल और श्रीशा अचर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय निशानेबाज अंगद अंतर्राष्ट्रीय मैच पर अब कनाडा का प्रतिनिधित्व करेंगे

ओटावा (कनाडा), 3 जनवरी। भारतीय स्कीट निशानेबाज अंगद वीर सिंह बाजवा ने अपनी नागरिकता बदल ली है और वह भविष्य में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कनाडा का प्रतिनिधित्व करेंगे। निशानेबाज अंगद ने 25 दिसंबर को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपनी नई लाल जर्सी की तस्वीर साझा की, जिस पर उनका नाम और कनाडा का झंडा लगा हुआ था। अंगद इससे पहले भारत के लिए कई बड़े मंचों पर खेल चुके हैं। उन्होंने 2018 एशियाई खेलों और टोक्यो ओलंपिक 2021 में पुरुष स्कीट स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। अंगद ने अपनी नागरिकता बदल ली है और वह अब कनाडा का प्रतिनिधत्व करेंगे। 30 वर्षीय निशानेबाज के देश बदलने के फैसले को नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) से औपचारिक मंजूरी मिल गई है, जिसने उन्हें कनाडा के लिए खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया है। अंगद वीर सिंह बाजवा ने आखिरी बार पिछले महीने नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। वह पुरुषों के स्कीट फाइनल में चौथे स्थान पर रहे थे।

ख्वाजा के विदाई टेस्ट के बीच इंग्लैंड लड़ेगा आखिरी लड़ाई

सिडनी, 3 जनवरी। एशेज दौरे का इंग्लैंड का आखिरी प्रैक्टिस सेशन शनिवार को दोपहर करीब 3.15 बजे खत्म हुआ। जैकब बेथेल आखिरी बल्लेबाज थे जिन्होंने असिस्टेंट कोच जीतन पटेल से थ्रोडाउन का सामना किया और फिर ऐतिहासिक एससीजी पवेलियन की ओर चले गए। उनके पीछे इंग्लैंड टीम का लीडरशिप ग्रुप था।

कप्तान बेन स्टोक्स, कोच ब्रेंडन मैकुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉबर्ट की, वे तीन लोग जो साढ़े तीन साल पहले इंग्लिश क्रिकेट को फिर से ज़िंदा करने और फिर एशेज कैंपेन को यादगार बनाने के लिए एक साथ आए थे, पांचवें और आखिरी टेस्ट की पूर्व संध्या पर मैदान से बाहर निकलते समय आपस में बातचीत कर रहे थे। उनमें एक आरामदायक माहौल था, जैसा कि इस ग्रुप में ज़्यादातर समय होता है, और कुछ मुस्कान भी थीं। यह स्वाभाविक था। ऑस्ट्रेलिया में कुल मिलाकर निराशाजनक दो महीनों के बाद, जो भी सकारात्मक बातें वे घर ले जा सकते हैं, उन्हें हासिल करने के लिए पांच और दिन हैं।

पीछे मुड़कर देखने का कोई मतलब नहीं था। एक ऐसा कैंपेन जिसमें वे कभी भी एशेज पर कब्ज़ा करते हुए नहीं दिखे। एशेज हाथ से निकल गई है। सपना टूट गया है। भले ही स्टोक्स सिडनी टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करते हुए वर्तमान में रहने की बात करते रहे, लेकिन यह संभावना नहीं है कि इंग्लिश क्रिकेट के बड़े अधिकारी इस बहुचर्चित दौरे पर जो कुछ हुआ है, उस पर पहले से ही गहन जांच के बारे में नहीं सोच रहे होंगे। इंग्लैंड के कप्तान सही कह रहे हैं कि सिडनी में अगले कुछ दिन कितने महत्वपूर्ण हैं, इस बात के लिए कि इस इंग्लिश टीम के इस दुर्भाग्यपूर्ण दौरे को आने वाले सालों में कैसे देखा जाएगा।

निखिल नाथ पद्मजा ने जीते तीन खिताब व सत्यम गुर्जर अद्विता शर्मा ने दो-दो खिताब

जयपुर, 3 जनवरी। ओ एन दीक्षित विंटर जयपुर जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता मैं आज सारे ही मैच काफी आकर्षक व कड़े संघर्ष के रहे 14 फाइनल खेले गए जिसमें निखिल नाथ योगी ने तीन खिताब, पदमजा सिंह ने तीन खिताब तथा सत्यम गुर्जर व अदविता शर्मा ने दो-दो खिताब जीते अंडर 17 मिक्स्ड डबल्स फाइनल निखिल नाथ योगी व रक्षन्दा बिष्ट की जोड़ी ने दर्शील नायर तथा पर्ल पारिक की जोड़ी को 21- 14, 21 -13 से हराया अंडर 15 मिक्स्ड डबल्स फाइनल में निखिल नाथ योगी व पर्ल पारिक की जोड़ी ने कनिष्क व त्रिषा को 21- 14 ,21 -14 से हराया एक अन्य मिक्स डबल्स में अंडर-19 फाइनल में भव्य अग्रवाल हर्षिता यादव की जोड़ी ने आदित्य शर्मा श्रेयती गुप्ता की जोड़ी को 21- 19 ,21- 18 के लंबे व कड़े संघर्ष मैच में हराया अपने तीसरे टाइटल मेंनिखिल नाथ जोगी व तेजेश्वर पूनिया की जोड़ी ने बॉयज अंडर 15 डबल्स में जिज्ञास में नैतिक यादव को फाइनल में हराया। वहीं पद्मजा सिंह ने अपना प्रदर्शन दोहराते हुएआज तीन टाइटल पर अपना कब्जा जमाया।

पद्मजा ने गर्ल्स सिंगल्स अंडर-19 के फाइनल में वर्षा सिंह को 21 -18, 21 - 15 से परास्त कर खिताब अपने नाम किया वहीं गर्ल्स डबल्स अंडर 13 में पदमजा व शैलजा की जोड़ी ने आराध्या बिश्नोई व शुगन टाँक की जोड़ी को फाइनल में परास्त कियाएक अन्य फाइनल में गर्ल्स डबल्स अंडर 15 पद्मजा सिंह व आराध्या ढींगरा ने तीन लगभग 55 मिनट चले कड़े संघर्ष भरे मैच में 14- 21, 21 -12, 21- 16 से फाइनल में ओजस्विता दुबे व पर्ल पारिक को हराया। बॉयज सिंगल्स अंदर 17 में सत्यम गुर्जर ने भव्य अग्रवाल को 21- 14, 21- 7 से हरा खिताब अपने नाम किया बॉयज सिंगल्स अंदर 19 के फाइनल में सत्यम गुर्जर ने .21 -17 ,21 -17 से आयुष यादव को हराया। गर्ल्स डबल अंडर 17 में अदविता शर्मा गरिमा यादव की जोड़ी ने ओजस्विता दूबे व पर्ल पारिक को फाइनल में हराया वूमेन डबल्स में अदविता और लावण्या शर्मा की जो जोड़ी ने चेतन्या राग्रैड़ और रक्षन्दा बिष्ट को 21-16,21 -17 से हरा खिताब अपने नाम किया।

अंडर 11 बॉयज डबल्स में नैतिक बंसल शिव चौहान ने तीन लंबे चले गेम में 20 -22 ,21- 12 21-9 से बुरहाउद्दीन व लक्षित रेवार को परास्त कर खिताब अपने नाम किया,बॉयज डबल्स अंदर 13 में मुदित पांडे व प्रणव मूलचंदानी की जोड़ी ने अनीश चाहर और मानवेंद्र सिंह को फाइनल में हराया बॉयज डबलअंडर-19 मेंआर्यन सिंह व अक्षत शेखावत की जोड़ी आयुष यादव व स्पर्श माथुर कोफाइनल में हर खिताब जीता।

गिल नहीं खेले, अर्शदीप का पंजा, पंजाब ने सिक्किम को 10 विकेट से रौंदा

जयपुर, 3 जनवरी। अर्शदीप सिंह (पांच विकेट) के बाद कप्तान प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पंजाब ने शनिवार को विजय हजारे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सिक्किम को 262 गेंदे शेष रहते 10 विकेट से रौंद कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। 76 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब ने 6.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाये 81 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। कप्तान प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 53 रनों की नाबाद पारी खेली। हरनूर सिंह ने 13 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाये। इससे पहले आज यहां शुभमन गिल की गैरमौजूगी में खेल रही पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सिक्किम की टीम पंजाब के गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सकी और पूरी टीम 22.2 ओवर में मात्र 75 रन के स्कोर पर सिमट गई। पलजोर तमांग ने सिक्किम के लिए सर्वाधिक 13 रन बनाये। उनके अलावा गुरिंदर सिंह (10) और एम डी सपतुल्ला (10) रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने 10 ओवरों 34 रन देकर पांच विकेट झटके। अर्शदीप को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। सुखदीप सिंह बाजवा और मयंक मार्कंडेय को दो-दो विकेट मिले। गुरनूर बरार ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

सीजीएसटी मुंबई ने नागौर बुल्स को हराया

अकादमी ने आशा देवी डागा टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में एसईडब्ल्यू को पराजित किया

जयपुर, 3 जनवरी। नागौर बुल्स ने 135/10 रन बनाए, जिसमें शिवांग सिंह ने 28 रन और पुखराज ने 27 रन बनाए। मुंबई के कप्तान दीपक शेट्टी ने 2 विकेट लिए और हिमांशु ने 3 विकेट चटकाए। जवाब में सीजीएसटीमुंबई ने आख़िरी ओवर में लक्ष्य हासिल किया और 6 विकेट से जीत दर्ज की। मैन ऑफ़ द मैच रोहन मरवाहा रहे, जिन्होंने 45 रन बनाए, जबकि श्रीराज घराट ने 31 रन जोड़े। गणपत शर्मा ने 2 विकेट लिए। दूसरे सेमीफाइनल में जीआर अकादमी ने 20 ओवर में 180 रन बनाए। लखन भारती ने 62 रन और प्रिंस जाखड़ ने 40 रन बनाए। किशन चौधरी ने 5 विकेट लिए। जवाब में एसईडब्ल्यू की टीम केवल 148/10 रन ही बना सकी, जिसमें अर्नव गौतम ने 57 रन और राहुल खंडेलवाल ने 35 रन बनाए। शुभम पटवाल ने 4 विकेट लिए और उन्हें मैन ऑफ़ द मैच घोषित किया गया। कल फाइनल मुकाबला जीआर अकादमी और सीजीएसटीमुंबई के बीच सोलफील क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में राजस्थान ने तमिलनाडू को हराया

राजस्थान के अशोक की घातक गेंदबाजी, मानव सुथार का ऑलराउंडर प्रदर्शन

जयपुर, 3 जनवरी। अहमदाबाद में खेली जा रहे बीसीसीआई विजय हजारे ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - तमिलनाडु मैच को राजस्थान ने अशोक शर्मा की घातक गेंदबाजी, मानव सुथार के आल राउंडरप्रदर्शन की सहायता से जीता।

राजस्थान पारी 225 आल आउट

टीम के लिए दीपक हुड्डा 70, मानव सुथार 43, आदित्य सिंह राग्रैर 34, रामनिवास गोलाडा 28 व आकाश सिंह नाबाद19 रनो का योगदान दिया। तमिलनाडु के गेंदबाज वरुण 25 / 4, सोनू, गुजपनीत 2 - 2 विकेट।

तमिलनाडु पारी 215 आल आउट, टीम के लिए जगदीशन 71, आतिश 54, वाशिंगटन सूंदर 36 रन, राजस्थान के गेंदबाजअशोक शर्मा 58 / 5, मानव सुथार 44 / 3व खलील अहमद, दीपक हुड्डा 1 - 1 विकेट। नडियाद में खेले जा रहे राजस्थान - पंजाब अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी क्वाटर फाइनल मैच के तीसरे दिन का स्कोर :-

राजस्थान - पंजाब मैच (तीसरे दिन का स्कोर), राजस्थान पहली पारी 210 आल आउट, पंजाब पहली पारी 369 आल आउट, टीम के लिए सागर 194, राजवीर 54 रन, राजस्थान के गेंदबाज करण 71 / 3 विकेट, राजस्थान दूसरी पारी 183 / 5, टीम के लिए आदित्य सैनी नाबाद 55, नावेद नाबाद 52, रजत 30, करण 26 रन।, राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई विजय हजारे टॉफी के आज खेले गए मैचों का परिणाम :-

सवाई मान सिंह स्टेडियम मुंबई - महाराष्ट्र मैच (महाराष्ट्र जीती), महाराष्ट्र पारी 366 / 4, मुंबई पारी 238 आल आउट, के एल सैनी स्टेडियम गोवा - उत्तराखंड मैच (उत्तराखंड जीती), गोवा पारी 270 आल आउट, उत्तराखंड पारी 274 / 3, जयपुरिया ग्राउंड पंजाब - सिक्किम मैच (पंजाब जीती), सिक्किम पारी 75 आल आउट, पंजाब पारी 81 / 0, अनंतम ग्राउंड छत्तीसगढ़ - हिमाचल मैच (छत्तीसगढ़ जीती), हिमाचल पारी 320 / 8, छत्तीसगढ़ पारी 321 / 7

श्रेयस 6 को विजय हजारे ट्रॉफी में कर सकते हैं वापसी

बेंगलुरु, 3 जनवरी। भारत के अक्टूबर 2025 में हुए ऑस्ट्रेलियाई दौरे में चोटिल होने के बाद टीम से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने शर्त के साथ क्लीयरेंस दी है और वह विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के अगले राउंड के मैच में खेलते हुए दिख सकते हैं। अय्यर ने सीओई में अपने रिहैब के 10 दिन बिताए। वापसी के प्रोटोकॉल को मानते हुए उन्होंने 2 जनवरी को एक प्रैक्टिस मैच भी खेला था। अय्यर ने बिना किसी दर्द के बल्लेबाज़ी की थी और बिना किसी परेशानी के उन्होंने मैच से पहले और मैच के बाद के ड्रिल में भी हिस्सा लिया था।

इसी कारण से उन्हें विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में मुंबई के अगले मैच में खेलने की अनुमति दे दी गई है। 6 जनवरी को छठे राउंड में जयपुर में मुंबई का सामना हिमाचल प्रदेश से होगा और अय्यर उस मैच में खेल सकते हैं, जिसे देखने के लिए चयनकर्ता भी वहां रहेंगे।

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम का ऐलान होना है। फ़िटनेस को देखते हुए अय्यर का भी टीम में चयन हो सकता है, लेकिन उससे पहले चयनकर्ता उन्हें घरेलू सफ़ेद-गेंद टूर्नामेंट में खेलते हुए देखना चाहते होंगे कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं या नहीं। अय्यर की गैर-मौज़ूदगी में दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ ऋतुराज गायकवाड़ ने वनडे सीरीज में नंबर 4 पर बल्लेबाज़ी की थी और अपना पहला शतक भी लगाया था। इसके अलावा विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में पांच पारियों में चार शतक लगाकर देवदत्त पड़िक्कल ने भी अपनी दावेदारी पेश की है।

25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ सीरीज के तीसरे वनडे में फ़ील्डिंग के दौरान अय्यर की पसलियों में चोट आई थी और अंदरूनी रक्तस्राव के कारण उन्हें सिडनी के हॉस्पिटल में एडमिट करना पड़ा था। एलेक्स कैरी का पॉइंट की तरफ पीछे जाकर कैच लेते हुए अय्यर को चोट लगी थी।

भारतीय जूनियर गोल्फ की गौरवशाली कहानी : जैन

जयपुर, 3 जनवरी। भारत की उभरती हुई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाली युवा गोल्फ खिलाड़ी शिक्षा जैन ने हाल ही में यूएस किड्स वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतकर भारतीय खेल जगत में एक नया इतिहास रच दिया है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, बल्कि भारतीय जूनियर गोल्फ के लिए भी एक ऐतिहासिक क्षण है। राजस्थान के जयपुर से निकलकर वैश्विक गोल्फ मंच तक पहुँची शिक्षा जैन आज भारत की शीर्ष 2 राष्ट्रीय रैंकिंग वाली जूनियर गोल्फर हैं और अब तक 106 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट जीत चुकी हैं।

भाजपा कार्यकर्ता बिना स्वार्थ के राष्ट्र सेवा के लिए काम करता है- भजनलाल

पार्टी किसी एक व्यक्ति या परिवार की नहीं, पुराने अनुभव के साथ नया जोश जरूरी है- बी.एल. संतोष

जयपुर में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित हुई भाजपा की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

■ **भाजपा की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि संगठनात्मक कार्यशाला का उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को मूल्यों, आदर्शों व जन सेवा से जोड़ना है।**

जयपुर, 3 जनवरी । भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक कार्यशाला कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन सत्र को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ तथा भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. अलका गुर्जर, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया तथा अशोक परनामी सहित, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए बीएल संतोष ने कहा कि पार्टी किसी एक व्यक्ति और परिवार की नहीं है। नए लोगों को भी सम्मान मिलना चाहिए। नए लोगों के आने से पार्टी में नयापन आता हैं। उन्होंने कहा कि पुराने लोगों को नए लोगों को स्वीकार करना चाहिए। पुराने अनुभव के साथ नया जोश भी जरूरी है। आपस में मिलकर समन्वय बैठाते हुए किस तरह से काम किया जाए, यह जरूरी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के राष्ट्र सेवा के लिए काम करते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं की यह कार्यशाला भाजपा के संगठन को प्रदेश, जिला, मंडल और बूथ तक सक्रियता से मजबूत करने के साथ ही, केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम करेगी। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रिकार्ड बनाते हुए 31 दिसम्बर तक 35 हजार मेगावाट का आंकड़ा पार कर शीर्ष स्थान हासिल किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि संगठनात्मक कार्यशाला का उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को मूल्यों, आदर्शों और जनसेवा के भाव से जोड़ना है। भाजपा की राजनीति सेवा भाव पर आधारित है। हम सब राजनीति में सेवक के रूप में आए हैं और जनसेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करना हमारा लक्ष्य है।

मजनू का टीला के कैफे खतरे में

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जनवरी। आईएसबीटी के पास स्थित दिल्ली का मजनूं का टीला, अपने सस्ते तिब्बती और एशियाई खाने वाले कैफे के लिए कॉलेज छात्रों में बहुत लोकप्रिय है, परंतु अब यहाँ के कई फूड कोर्ट व कैफे बंद हो सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस सप्ताह की शुरुआत में अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई करें, जो मंज़ूरशुदा बिल्डिंग प्लान और पर्याप्त सुरक्षा इंतज़ामों के बिना चल रहे हैं।

■ **दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा, स्वीकृत बिल्डिंग प्लान व पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना जो कैफे चल रहे हैं, उन्हें बंद कर दिया जाए।**

बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने अधिकारियों से कहा कि वे इलाके के कई कैफे, बार और रेस्टोरेंट के खिलाफ उचित कार्रवाई करें, जो सही फायर सेफ्टी व्यवस्था के बिना अवैध रूप से काम कर रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने उस याचिका का निपटारा किया, जिसमें कहा गया था कि यमुना नदी के किनारे स्थित मजनूं का टीला में कई अनाधिकृत रेस्टोरेंट बहुमंज़िला इमारतों में बिना ज़रूरी कानूनी मंज़ूरी के चल रहे हैं। अदालत ने यह भी नोट किया कि इस मामले में डीडीए पहले ही स्वतः संज्ञान लेकर शिकायत दर्ज कर चुका है।

पूर्वोत्तर छात्रों की सुरक्षा के लिए गठित बेजबरुआ कमेटी की सिफारिशें फिर चर्चा में

देहरादून में एमबीए छात्र एंजल चकमा के नस्लीय उत्पीड़न के बाद हत्या करने से इस समिति की सिफारिशों को लागू करने की मांग की जा रही है

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। देहरादून में त्रिपुरा के एमबीए छात्र एंजल चकमा की हाल ही में कथित नस्लीय हमले में हुई हत्या के बाद, एक समिति की 10 साल पुरानी रिपोर्ट और उसकी सिफारिशें फिर से चर्चा में है, जिन्हें अब तक लागू नहीं किया गया है।

2014 में, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कुख्यात नीडो तानियम हत्याकांड के बाद गृह मंत्रालय ने पूर्व आईएएस अधिकारी एमपी बेजबरूआ की अध्यक्षता में बेजबरूआ समिति गठित की थी। इसका उद्देश्य था कि भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों को महानगरों और अन्य शहरों में जिन चिंताओं, भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है, उसकी जांच की जाए और नस्लीय भेदभाव को समाप्त करने के उपाय सुझाये जाएं।

बेजबरूआ समिति ने हालांकि नीति स्तर पर उठाये जाने वाले निवारक और दंडात्मक कदमों के साथ विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी और गृह मंत्रालय ने समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए निगरानी समिति बनायी है, लेकिन अब तक कार्रवाई अपर्याप्त रही है।

बेजबरूआ ने कहा, "हमने विभिन्न शहरों में बड़े पैमाने पर लोगों से बात करने के बाद कई सिफारिशें दी थीं। ये सिफारिशें निवारक और दंडात्मक दोनों तरह की हैं।"

■ **इस समिति का गठन 2014 से किया गया था जब दिल्ली में पूर्वोत्तर भारत के एक छात्र की हत्या कर दी गई थी।**

पूर्वोत्तर क्षेत्र को अन्य क्षेत्रों से अलग तरह का मानते हुए बेजबरूआ ने कहा कि जो छात्र और लोग शिक्षा, काम आदि के लिए अन्य महानगरों में जाते हैं, उन्हें नस्लीय प्रकृति के अप्रिय अनुभवों का सामना करना पड़ता है। इसलिए पुलों का निर्माण रिपोर्ट का मुख्य विषय था।

जब सिफारिशों के क्रियान्वयन के बारे में पूछा गया तो बेजबरूआ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कुछ कदम उठाये गये हैं, जैसे एक समर्पित हेल्पलाइन नंबर (1093), पूर्वोत्तर के छात्रों के लिए अलग छात्रावास, लेकिन देश के अन्य हिस्सों में ज्यादा कुछ नहीं किया गया है।

रिपोर्ट की मुख्य सिफारिशों में से एक थी, नस्लीय प्रकृति की घटनाओं से निपटने के लिए कुछ क्षेत्रों के लोगों के लिए आईपीसी और सीआरपीसी में विशेष प्रावधान शामिल करना। लेकिन, उस महत्वपूर्ण सिफारिश को 2024 के इन कानूनों में तीन नये नियमों-बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए में संशोधन के समय भी अनदेखा कर दिया गया है।

आईपीसी 153 (ए) और (बी) में नस्लीय भेदभाव और दुर्व्यवहार के गंभीर मामलों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं थे, निगरानी समिति ने कानून को और सख्त बनाने के लिए संशोधन के समय एक नया प्रावधान 153 (सी) जोड़ने का गृह मंत्रालय को प्रस्ताव दिया।

हालांकि, कानून बनाने वालों ने उस सिफारिश को नजरअंदाज कर दिया, यह बात निगरानी समिति के एक सदस्य ने कही।

बेजबरुआ समिति और उसकी सिफारिशों को लागू करने के लिए गठित निगरानी समिति की सदस्य अलाना गोलमेई ने कहा, हमने पूर्वोत्तर के लोगों के लिए किसी अलग कानून की मांग नहीं की थी।उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों को जब वे अन्य जगहों पर पढ़ाई या काम के लिए जाते हैं, तो समान भेदभाव का सामना करना पड़ता है।"

महात्मा बुद्ध के अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया प्र.मंत्री मोदी ने

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महात्मा बुद्ध से जुड़े जो भी स्थल हैं, उनका संरक्षण और विकास करना सरकार की प्राथमिकता है। वे महात्मा बुद्ध से संबंधित अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के यहां आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

■ **मोदी ने कहा उन्हें खुशी है कि उनके नए साल के पहले कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा बुद्ध के कार्यक्रम से हो रही है।**

मोदी ने कहा कि सवा सौ साल के इंतजार के बाद महात्मा बुद्ध से जुड़ी भारतीय धरोहर और विरासत वापस लौटी है और अब भारतीय जनमानस इन पवित्र अवशेषों का दर्शन करके उनका आशीर्वाद पा सकेगा। उन्होंने कहा कि 2026 की शुरुआत में ही यह उनके लिए बहुत प्रेरणादायक अवसर है कि उनके पहले सार्वजनिक कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बुद्ध के चरणों से हो रही है।

प्रधानमंत्री जिस प्रदर्शनी का उद्घाटन कर रहे थे, उन पवित्र अवशेषों में कुछ हड्डियां भी हैं और माना जाता है कि ये भगवान बुद्ध की हड्डियों के अवशेष हैं। ये अवशेष ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के एवं प्राचीनतम माने जाते हैं। इस भव्य प्रदर्शनी में 127 साल बाद पवित्र पिपरहवा की वापस लाई गई वस्तुएं रखी गई हैं। प्रदर्शनी का नाम "प्रकाश और कमल : जागृत व्यक्ति के अवशेष" रखा गया है।

मोदी ने समारोह में कहा कि करोड़ों लोगों ने इन पवित्र अवशेषों का दर्शन किए हैं और ये अवशेष पूरी दुनिया को नयी राह दिखाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत केवल इन अवशेषों का संरक्षक नहीं है बल्कि उनके संदेशों का जीवंत प्रवाह भी है। उन्होंने कहा कि भारत का प्रयास रहता है कि दुनिया में जो स्थल भगवान बुद्ध से जुड़े हैं उनके विकास में भारत सहयोग करे।

बांग्लादेश के क्रिकेटर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाकर अभियान चला रही है। वह सड़क किनारे छोटी-छोटी सभाएँ कर रही है और तृणमूल कांग्रेस सरकार की नाकामी और वोट पाने के लिए मुसलमानों को खुश करने की उसकी नीति को उजागर कर रही है। इसी दौरान, बंगाल के इस हिस्से में भी मुस्लिम समुदाय की माँगें बढ़ती जा रही हैं और यहाँ भी अत्याचार की घटनाएँ सामने आ रही हैं। इस क्षेत्र में लगातार साम्प्रदायिक झड़पें हो रही हैं और कुछ मामलों में हिंदुओं पर हमले हुए हैं। राज्य के मुर्शिदाबाद ज़िले में दिनदहाड़े एक पिता-पुत्र की हत्या कर दी गई, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण में आरोपियों को न तो गिरफ़्तार किया गया और न ही उनके खिलाफ कार्रवाई हुई। कई अन्य मामलों में राज्य पुलिस ने मुसलमान आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने से भी इनकार किया है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे इन लगातार अत्याचारों के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। ममता ने हिंदुओं की इन भयानक हत्याओं का मुद्दा भी नहीं उठाया है। राज्य भाजपा इन सभी मुद्दों को उठाने की कोशिश कर रही है और ममता सरकार पर इन जघन्य घटनाओं पर चुप रहने का आरोप लगा रही है। माना जा रहा है कि लोग इन घटनाओं पर चुपचाप ध्यान दे रहे हैं और आने वाले चुनावों में इसका असर दिखाई दे सकता है।

जब गडकरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके हैं। इसके बाद नितिन गडकरी ने अपनी शादी की तारीख भी सही-सही याद कर ली। बातचीत में दिलीप ने गडकरी से अपने गाँव में "एक छोटी सी सड़क" बनवाने की गुज़ारिश की। फराह ने मज़ाक करते हुए कहा कि सड़क को सीधे दिलीप के घर के बीच से ही निकाल सकते हैं। इस पर कंचन गडकरी ने बताया कि उनके अपने पिता के साथ ऐसा हो चुका है, जब सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए उनका घर ही तोड़ दिया गया था।

तृणमूल सांसद मौसम नूर कांग्रेस में शामिल

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद मौसम नूर शनिवार को फिर कांग्रेस में शामिल हो गयीं, जिसे पश्चिम बंगाल में विधान सभा चुनाव से पहले वहां सत्तारूढ़ दल को झटका माना जा रहा है। मौसम नूर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिवंगत ए.बी.ए. गनी खान चौधरी की भतीजी हैं।

■ **मौसम नूर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिवंगत एबीए गनी खान चौधरी की भतीजी हैं।**

श्रीमती नूर ने राजधानी में कांग्रेस के मुख्यालय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थित में कांग्रेस की सदस्यता ली। उन्होंने राज्य सभा से इस्तीफा देने की भी घोषणा की है। मालदा लोक सभा सीट से 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस के टिकट पर जीतीं मौसम नूर 2019 में तृणमूल कांग्रेस के साथ जुड़ गयी थीं। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने अप्रैल 2020 में राज्य सभा में भेजा था। उनका राज्य सभा का कार्यकाल आगामी अप्रैल में समाप्त हो रहा था। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष भेज दिया है। नूर ने कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश, पार्टी के पश्चिम बंगाल के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार तथा लोकसभा सांसद ईशा खान चौधरी की मौजूदगी में पुनः कांग्रेस की सदस्यता ली। इस मौके पर उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने और उनके परिवार के लोगों ने पुनः कांग्रेस के साथ जुड़ कर दिवंगत ए.बी.ए. गनी खान चौधरी (पूर्व केंद्रीय मंत्री) की विरासत को मजबूत करने का निर्णय लिया है।

मनरेगा पर कांग्रेस देश भर में आंदोलन करेगी

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के पक्ष में देशव्यापी कार्यक्रम आयोजित करेगी। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में मनरेगा बचाओ अभियान की रूपरेखा तैयार की गई थी।

■ **कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी 45 दिन का कार्यक्रम करेगी, जिसकी शुरुआत 8 जनवरी से होगी।**

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 8 जनवरी से सभी प्रदेशों में, बड़ी बैठक की जाएगी, जिसमें प्रदेश के सारे बड़े नेता और प्रभारी मौजूद होंगे। इस बैठक में सभी जिलों के काम का दायित्व दिया जाएगा, 10 जनवरी को सभी जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जायेंगी। इसमें पंचायती राज को खत्म करने की साजिश को उजगार किया जाएगा।

11 जनवरी को सभी जिलों में , महात्मा गांधी जी या बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति के सामने एक दिन का उपवास किया जाएगा। 12 जनवरी से 29 जनवरी तक हर पंचायत में चौपाल लगाई जायेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफ से सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखा जाएगा।

30 जनवरी को वार्ड और ब्लॉक लेवल पर कार्यक्रम किया जाएगा। 31 जनवरी से 6 फरवरी के बीच डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के ऑफिस के बाहर धारण दिया जाएगा। 7 फरवरी से 15 के बीच विधानसभा और राज्यभवन का घेराव कार्यक्रम किया जाएगा। इसमें सभी जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। 16 फरवरी से 25 फरवरी के बीच कांग्रेस पार्टी बड़ी रैली करेगी।

दिल्ली में 72 उड़ानें रद्द हुई

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को खराब मौसम के कारण 72 उड़ानें रद्द रहीं और 300 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई।

दिल्ली में आज सुबह कोहरा नहीं था, लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में कोहरे के कारण वहां से आने वाली और वहां जाने वाली उड़ानें रद्द रहीं।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विमान सेवा कंपनियों ने आज दिल्ली आने वाली 34 और यहां से जाने वाली 38 उड़ानें रद्द कीं।

इसके अलावा 300 से अधिक उड़ानों में देरी की भी सूचना है।

उल्लेखनीय है कि आज दिल्ली में रनवे पर दृश्यता ठीक रही, लेकिन दूसरे शहरों में कोहरा रहा।

अमेरिका ने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शहर के कुछ हिस्सों से काले धुएं के गुबार उठते देखे। धमाके और विमानों को लगभग 90 मिनट तक देखा गया।

एसोसिएटेड प्रैस द्वारा सत्यापित वीडियो में कैराकस और एक अनजान तटीय शहर के ऊपर रात में आकाश में धुएं के गुबार साथ बार-बार मूक धमाके देखे गए, जो आसपास की पहाड़ियों को रोशन कर रहे थे। अन्य फुटेज में कारें राजमार्गों पर चलती हुई दिखाई दीं, जबकि उनके पीछे तेज धमाकों की रोशनी दिख रही थी।

फैडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र और नज़दीकी क्यूरासाओ में अमेरिकी वाणिज्यिक और निजी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया, यह कहते हुए कि "चल रही सैन्य गतिविधियों से जुड़ी उड़ानें सुरक्षा जोखिम" हैं।

ट्रंप की घोषणा के बावजूद, वाइट हाउस या पेंटागन से तुरंत कोई विस्तृत ब्रीफिंग नहीं आई। पेंटागन ने प्रश्नों का जवाब वाइट हाउस को दिया, जबकि अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्रंप फ्लोरिडा के अपने निजी क्लब में थे और सोशल मीडिया पर अपनी प्रारंभिक पोस्ट के बाद उन्होंने कोई और टिप्पणी नहीं दी।

रॉयटर्स ने बाद में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेजुएला के अंदर हमले किए, हालांकि लक्ष्यों या उद्देश्यों के बारे में विवरण नहीं दिया गया।

ट्रंप प्रशासन मादुरो पर 5 माह से दबाव बढ़ा रहा था, मादुरो पर अमेरिका ने नार्को आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। अगस्त से, वॉशिंगटन ने वेनेजुएला के उत्तरी तट के पास एक बड़े बेस के निर्माण का आदेश दिया, जिसमें एक विमान वाहक पोत, युद्धपोत और उन्नत लड़ाकू जेट्स शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य उपस्थिति है।

सितंबर की शुरुआत से, अमेरिकी सैन्य बल कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत में नौकाओं पर हमले कर रहा है, उसका आरोप था कि इनमें नशीले पदार्थ हैं।

अमेरिका ने डेटा जारी कर 35 नावों पर हमलों और कम से कम 115 लोगों की मौत की सूचना दी थी। ट्रंप ने इन अभियानों को यूएस में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए आवश्यक बताया और कहा कि वॉशिंगटन ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ "सशस्त्र संघर्ष" में जुटा है।

पिछले सप्ताह, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने वेनेजुएला के एक ऐसे क्षेत्र पर हमला किया था, जहां नौकाओं में नशीले पदार्थ लदे हुए थे। वर्तमान दबाव अभियान के दौरान वेनेजुएला की ज़मीन पर की गई यह पहली स्थल सैन्य कार्यवाही थी। अन्य मीडिया आउटलेट्स ने रिपोर्ट किया है कि इन ऑपरेशन्स के पीछे सीआईए थी।

सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ, वॉशिंगटन ने प्रतिबंधों का भी विस्तार किया है। प्रतिबंधित तेल टैंकरों को ज़ब्त किया है और कहा कि ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर जो रोक लगाई है, वह काराकस पर आर्थिक दबाव को कड़ा करने के उद्देश्य से उठाए गए कदम हैं। रॉयटर्स के अनुसार, ट्रंप ने बार-बार ज़मीन पर हमलों की धमकी दी है और निजी तौर पर मादुरो से देश छोड़ने का आग्रह किया है। इस सप्ताह के शुरू में, उन्होंने कहा कि मादुरो के लिए यह "समझदारी" होगी कि वे सत्ता से हट जाएं।

वेनेजुएला ने अमेरिकी "सैन्य आक्रमण" को नकारते हुए, वॉशिंगटन पर देश के तेल और खनिज संसाधनों को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया। सरकार ने कहा कि अमेरिका "सफल नहीं होगा" इन संसाधनों को लेने में, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन की निंदा करने की अपील की।

एक बयान में, सरकार ने कहा कि मादुरो ने "सभी राष्ट्रीय रक्षा योजनाओं को लागू करने का आदेश दिया है" और "बाहरी संकट की स्थिति" घोषित की है, जिससे अधिकारियों को विस्तारित आपातकालीन शक्तियाँ और सशस्त्र बलों को एक बड़ी भूमिका मिलेगी।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्टावो पेट्रो ने सोशल मीडिया पर कहा कि कैराकस पर बमबारी की जा रही है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपातकाल बैठक का आ ान किया। बाद में उन्होंने वह सूची प्रकाशित की, जिसमें बमबारी की गई साइटों का उल्लेख किया गया है, इनमें कैराकस में क्युएर्टेल डे ला मोंटाना बैरक भी शामिल था, जो ह्यूगो चावेज़ का मकबरा है, जो चैविज़्मो के राजनीतिक आंदोलन का केन्द्रीय प्रतीक है, यह आंदोलन 1999 से वेनेजुएला पर शासन कर रहा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने हमलों की निंदा की, और ईरानी राज्य टेलीविजन ने कैराकस में धमाकों के दृश्य प्रसारित किए। क्यूबा, जो मादुरो का करीबी सहयोगी और अमेरिका का दीर्घकालिक विरोधी है, ने भी हमले की निंदा की।

जैसे-जैसे स्थिति स्पष्ट होती है, शनिवार की सुबह की घटनाएँ न सिर्फ वेनेजुएला की आंतरिक राजनीति को फिर से आकार देने की संभावना रखती हैं, बल्कि यह क्षेत्रीय स्थिरता और लैटिन अमेरिका में अमेरिकी संबंधों को भी प्रभावित कर सकती हैं।

ट्रंप ने एक फोटो भी जारी किया, जिसमें मादुरो की आंखों पर पट्टी बंधी हुई दिख रही थी।

'देशभर में फॉरेंसिक लैब का जाल बिछाया जाएगा'

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि इस पर 30 हजार करोड़ रु. की लागत आएगी

नयी दिल्ली, 03 जनवरी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अगले पांच वर्षों में देशभर में फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं का जाल बिछाया जायेगा, जिसपर 30 हजार करोड़ रुपये का व्यय होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक देश के हर राज्य में फॉरेंसिक विश्वविद्यालय या केन्द्रीय फॉरेंसिक प्रयोगशाला बनायी जायेगी।

■ **सरकार का विज़न है कि अपराधिक मामलों में त्वरित न्याय मिले।**

शाह ने शनिवार को अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के विजयपुरम में मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का विषय सेंट्रल फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला और राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला था। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बंडी संजय कुमार, संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य, गृह सचिव, विश्वविद्यालय के कुलपति और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने 2019 से लेकर अब तक संसदीय परामर्शदात्री समिति की 12 बैठकें की हैं, जिसके अच्छे परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का विजन है कि आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद समय पर न्याय मिले। उन्होंने कहा कि सरकार 2029 तक ऐसी व्यवस्था बनायेगी, जिसमें तीन साल की अवधि में प्राथमिकी से लेकर उच्चतम न्यायालय तक न्याय की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो सकेगी। उन्होंने कहा कि 2022 से अब तक हुए सुधार इसी दिशा में किए गए प्रयास हैं। गृह मंत्रालय इन प्रयासों की व्यापक निगरानी कर रहा है और कमियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि न्याय देने की प्रक्रिया के लिए फॉरेंसिक क्षमताओं में बढ़ोतरी और विस्तार के लिए सरकार ने 2020 से ही फॉरेंसिक्स पर ध्यान केन्द्रीत करके काम किया। उन्होंने कहा कि नई न्याय संहिताएं पिछले वर्ष जुलाई से अमल में हैं परंतु फॉरेंसिक्स की दृष्टि से इसे लागू करने का काम 2020 से ही शुरू कर दिया था, जिसके सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं।

शाह ने कहा कि पहले देश के सामने पांच चुनौतियां थीं, जिनमें फॉरेंसिक जांच में प्रौद्योगिकी की कमी, साक्ष्य की गुणवत्ता का सीमित होना, कई जगहों पर पुलिस द्वारा फॉरेंसिक जांच की रिपोर्ट अदालत में नहीं देना, कुशल पेशेवरों और फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं की कमी और राष्ट्रव्यापी मापदंडों की कमी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नए कानून के प्रावधानों के मुताबिक अब फॉरेंसिक प्रयोगशाला अपनी रिपोर्ट सीधी अदालत को भेजेगी और उसकी एक प्रति पुलिस को देगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गत नवंबर से देश के हर पुलिस स्टेशन को अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम पर ऑनलाइन कर दिया गया है जिससे हर प्राथमिकी सेंट्रल सर्वर पर उपलब्ध है। अपराध की मैपिंग के लिए आने वाले दिनों में मोडस ऑपरेन्डी ब्यूरो भी बनाया जाने वाला है। लगभग 36 करोड़ डाटा के साथ 7 लाख प्राथमिकी का डाटा ऑनलाइन उपलब्ध है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908